ಶುಭ್ ಲಾಭ್
शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्रीय मंत्री के परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले को गंभीरता से लिया.... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-289

कुछ खतरनाक ताकतें भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं : धनखड़

- *ऐसे प्रयासों को बेअसर करने के लिए जवाबी हमला बहुत जरूरी*
- *भारत का मानवाधिकार रिकार्ड बेजोड़, कई देशों से काफी आगे*
- *पिछले दशक में भारत की आर्थिक वृद्धि अजेय रही है*

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि कुछ खतरनाक ताकतें भारत को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। वे भारत का खराब रंग सबको दिखाना चाहती हैं। ऐसे प्रयासों को बेअसर करने के लिए जवाबी हमला जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत का मानवाधिकार रिकॉर्ड बेजोड़ है और विशेष रूप से अल्पसंख्यकों, हाशिए पर रहने वालों तथा समाज के कमजोर वर्गों के मानवाधिकारों के संरक्षण में वह अन्य देशों से काफी आगे है।

श्री धनखड़ ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के 31वें स्थापना दिवस पर वृद्ध व्यक्तियों के अधिकारों पर एक समारोह और राष्ट्रीय सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इन खतरनाक ताकतों को मानवाधिकार पर उपदेश और व्याख्यान देना तक पसंद नहीं है। उन्होंने कहा कि देश का बंटवारा, आपात काल और 1984 के सिख दंगे कुछ ऐसी घटनाएं हैं जो स्वतंत्रता की नाजुकता की याद दिलाती हैं। धनखड़ ने कहा कि कुछ खतरनाक ताकतें हैं, जो गलत तरीके से हमें कलंकित करना चाहती हैं। इन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों के जरिए हमारे मानवाधिकार रिकॉर्ड पर सवाल उठाने के लिए भी योजना बनाकर रखी है। ऐसी ताकतों को बेअसर करने की जरूरत है। यह भारत में फिट होने के लिए जवाबी हमले और प्रतिघात करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी ताकतों ने सूचकांकों और रैंक के जरिए दुनिया को भारत का खराब रंग दिखाने की कोशिश की है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत सरकार ने कोविड महामारी के दौरान 80 करोड़ लोगों को जाति और पंथ की परवाह किए बिना राशन मुहैया कराया, लेकिन फिर भी भूख सूचकांक में भारत की रैंकिंग खराब दिखाई गई।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग घटनाएं भारत और उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड को परिभाषित नहीं कर सकतीं। उन्होंने दूसरों पर सत्ता जमाने के लिए विदेश नीति के एक उपकरण के रूप में मानवाधिकारों में हेरफेर करने की कुछ संस्थाओं की प्रवृत्ति की आलोचना की। उपराष्ट्रपति ने दुनिया के अन्य हिस्सों में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर वैश्विक चुप्पी पर चिंता व्यक्त करते हुए मानवाधिकारों के सभ्यतागत संरक्षक के रूप में भारत की असाधारण भूमिका पर प्रकाश डाला।

श्री धनखड़ ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को मानवाधिकारों का चैंपियन बनना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी उनके साथ आर्थिक रूप से गड़बड़ी न करे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित को राजनीतिक चश्मे से नहीं बल्कि पक्षपात से देखा जाना चाहिए। उन्होंने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत तरीके से बदनाम करने के लिए काम करने वाली खतरनाक ताकतों के खिलाफ भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ग्रंथ मानव जीवन शैली के चार्टर हैं- मानव जीवन पर ज्ञान का भंडार हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने कोविड महामारी के समय से ही रंग, जाति और वर्ग की परवाह किए बिना 85 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन खिलाना जारी रखा है जो लोग भारत की भूख की स्थिति के बारे में बात करते हैं उन्हें आत्मचिंतन करने की जरूरत है। देश में कानून के समक्ष सभी समान हैं। दुनिया को यह जानने की जरूरत है कि कैसे लाभार्थी के खाते में लाभ के सीधे हस्तांतरण ने देश में भ्रष्टाचार को बेअसर कर दिया है। ▶10पर

बेनामी लेनदेन कानून पर सुप्रीम कोर्ट का पुराना फैसला वापस

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को वर्ष 2022 के अपने उस फैसले को वापस ले लिया, जिसमें बेनामी लेनदेन निषेध अधिनियम 1988 की धारा 3(2) को असंवैधानिक घोषित किया गया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि असंशोधित बेनामी लेनदेन अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिकता को मूल कार्यवाही में कभी नहीं उठाया गया या इस पर बहस नहीं की गई।

शीर्ष अदालत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद केंद्र सरकार की समीक्षा याचिका स्वीकार कर ली। पीठ ने कहा कि ऐसा लगता है कि बेनामी लेनदेन निषेध अधिनियम 1988 के असंशोधित प्रावधान की धारा 3 (2) को स्पष्ट रूप से मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 20 (1) का उल्लंघन करने के कारण असंवैधानिक घोषित किया गया था। शीर्ष अदालत ने पाया कि 2016 के संशोधन से पहले असंशोधित अधिनियम की धारा 5 के प्रावधानों को इस आधार पर असंवैधानिक घोषित किया गया है कि वे स्पष्ट रूप से मनमाने हैं।

पीठ ने कहा, यह निर्विवाद है कि असंशोधित प्रावधान की संवैधानिक वैधता को कोई चुनौती नहीं दी गई थी। वास्तव में, पीठ के समक्ष विचार के लिए उठे प्रश्न से यह स्पष्ट है कि समीक्षा की अनुमति दी जानी चाहिए। पीठ ने कहा, इन परिस्थितियों में हम 23 अगस्त 2022 के फैसले को वापस लेते हैं और समीक्षा याचिका को अनुमति देते हैं। इस तरह सिविल अपील को प्रशासनिक पक्ष पर मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित पीठ के लिए नए सिरे से निर्णय के लिए बहाल किया जाता है। पीठ ने हालांकि, स्पष्ट किया कि समीक्षा पीठ प्रावधानों की वैधता पर कुछ भी नहीं कह रही थी ▶10पर

शीर्ष अदालत ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ कार्यवाही बंद की

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु जग्गी वासुदेव के कोयंबटूर स्थित ईशा फाउंडेशन के खिलाफ दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर मद्रास उच्च न्यायालय की कार्यवाही का दायरा बढ़ाने को शुक्रवार को अनुचित करार दिया और कार्यवाही बंद कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह आदेश पारित किया।

पीठ ने महसूस किया कि उच्च न्यायालय द्वारा बंदी प्रत्यक्षीकरण कार्यवाही के दायरे को बढ़ाना अनुचित था, क्योंकि उच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र अच्छी तरह से परिभाषित है। इस मामले में उच्च न्यायालय की ओर से कार्यवाही का विस्तार करना अनावश्यक था। शीर्ष अदालत ने पाया कि 39 और 42 वर्ष की दो महिलाओं ने इस अदालत के साथ-साथ पुलिस के समक्ष अपने बयान दिए थे कि वे स्वेच्छा से और अपनी स्वतंत्र इच्छा से आश्रम में रह रही थीं। सुनवाई करते हुए पीठ ने फाउंडेशन से यह भी कहा कि ▶10पर

मुडा ऑफिस सहित मैसूर में कई जगहों पर ईडी की छापेमारी

बेंगलुरु, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के 12 अधिकारियों की एक टीम ने शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मुडा) के ऑफिस में छापेमारी की।

सिद्धारमैया के मंत्री बोले- छापेमारी नहीं, दस्तावेज मांगने आई थी

ईडी ने मुडा कमिश्नर रघुनंदन और स्पेशल लैंड एक्यूजीशन के ऑफिस की भी तलाशी ली। बताया जा रहा है कि कि एजेंसी ने कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एजेंसी घोटाले में शामिल सभी अधिकारियों की जांच करेगी। यह छापेमारी मुडा के चेयरमैन के मारी गौड़ा के इस्तीफे के बाद हुई है।

ईडी सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स के साथ आई थी। टीम ने मैसुरु में कई अन्य जगहों पर भी छापेमारी की है। हालांकि, वे जगहें सीधे तौर पर मुख्यमंत्री या ▶10पर

कार्यभार संभालते ही सैनी कैबिनेट का बड़ा फैसला

हरियाणा में एससी आरक्षण में वर्गीकरण का फैसला लागू, कोटे में कोटा मिलेगा

अस्पतालों में किडनी रोगियों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा का ऐलान

चंडीगढ़, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शपथ ग्रहण के बाद आज शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सचिवालय में मंत्रीमंडल की पहली बैठक की। बैठक की अध्यक्षता सीएम नायब सैनी ने की। बैठक से पहले नायाब सैनी अपने कार्यालय (सीएम ऑफिस) पहुंचे और कार्यभार संभाला। इसके बाद सभी मंत्रियों को उनके कार्यालय दिए गए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कार्यभार संभालते ही पहला बड़ा फैसला जनता के लिए लिया है। पहले फैसले में सीएम सैनी ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में किडनी की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की फ्री डायलिसिस होगी। भविष्य में यह फ्री सुविधा मेडिकल कॉलेजों में भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके बाद सीएम ने कैबिनेट की पहली मीटिंग की। बैठक के बाद सीएम सैनी ने कहा कि ये हमारी पहली कैबिनेट की बैठक थी। इस बैठक में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हमारी कैबिनेट ने सम्मान किया है, जो एससी में वर्गीकरण का मामला था, हमारी कैबिनेट ने उसे आज से ही लागू करने का फैसला लिया है।

कार्यभार संभालने के बाद सीएम सैनी ने प्रेस कांफ्रेंस की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान पराली नहीं जलाएंगे। पराली जलाने वाले किसानों को अधिकारी समझाएंगे। सैनी ने कहा कि किसान हमारे लिए सम्मानित हैं। इसलिए किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में अवगत कराया जाएगा। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पत्रकारों से कहा कि हरियाणा में भाजपा की तीसरी सरकार है। सरकार को प्रदेश के गरीब लोगों ने चुना है। इसलिए राज्य के लोगों के लिए सरकारी अस्पतालों में क्रॉनिक किडनी रोगियों को फ्री इलाज की सुविधा दी गई है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने झूठ फैलाने का काम किया। कांग्रेस के प्रदेश की जनता को भ्रमित किया। किसानों को भड़काया और युवाओं को अंधविश्वास में धकेल दिया। इतना ही नहीं कांग्रेस ने खिलाड़ियों को भी इस्तेमाल। इसलिए जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है।

नायब सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। किसानों का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदेंगे। धान की खरीद का रिव्यू किया जाएगा। 17% नमी तक धान की खरीद एमएसपी पर होगी। अब तक 23.21 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। 11 लाख मीट्रिक टन धान की उठान हो चुकी है। 3 हजार 56 करोड़ रुपये किसानों को ट्रांसफर किए गए हैं। 2.70 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद कर चुके हैं। 93 लाख मीट्रिक टन बाजरे की उठान हुई है। बाजरे की खरीद का 331 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है।

नायब सैनी ने कहा कि आज से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू किया जा रहा है। अनुसूचित जातियों में वर्गीकरण पर फैसला लागू किया जा रहा है। ▶10पर

झारखंड : एनडीए में सीटों के बंटवारे पर लगी मुहर

भाजपा 68, आजसू, 10, जदयू दो लोजपा एक सीट पर लड़ेगी चुनाव

रांची,18 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। सीट बंटवारे के तहत भाजपा झारखंड की 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं आजसू को 10, जदयू को दो और एक सीट लोजपा (आर) को दी गई है। झारखंड भाजपा के सह-प्रभारी और असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने यह जानकारी दी। झारखंड भाजपा प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा-जदयू-आजसू और लोजपा (आर) साथ मिलकर झारखंड विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। पार्टियों के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है और जल्द ही उम्मीदवारों का भी ऐलान कर दिया जाएगा।

शुक्रवार को बाबूलाल मरांडी के साथ रांची के भाजपा कार्यालय में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि हम दोनों पार्टियों का बहुत पुराना संबंध है। झारखंड की जनता हमलोगों को साथ देखना चाहती है। राज्य के विकास के लिए और जनता के हित में हमने गठबंधन करने का फैसला किया है। सुदेश महतो ने कहा कि वर्तमान सरकार के कुशासन से झारखंड का हर वर्ग प्रभावित है। हम दलीय समीकरण के रूप में जरूर यहां बैठे हैं। दूसरी ओर गांव-देहात में धरातल पर जनता का समीकरण भी तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के मुखिया ने जो कारनामे किए हैं, उसकी चर्चा देश-दुनिया में हो रही है। इस मौके पर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो, गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी सहित अन्य नेता मौजूद थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, झारखंड विधानसभा की जिन 10 सीटों पर आजसू चुनाव लड़ेगी, उनमें सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, इचागढ़, मांडू, जुगसलिया, डुमरी, पाकुड़, लोहरदगा, मनोहरपुर शामिल हैं। वहीं जदयू जमशेदपुर पश्चिम और तमाड़ सीट पर चुनाव लड़ेगी। चतरा विधानसभा सीट चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा रामविलास को दी गई है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,920/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 96,000/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 22°

रक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाए प्राइवेट सेक्टर : राजनाथ

गैर-परंपरागत युद्ध ने रक्षा क्षेत्र में नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र से रक्षा क्षेत्र में भागीदारी से नेतृत्व की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया है और भारत को नवाचार और प्रौद्योगिकी केंद्र तथा दुनिया के सबसे मजबूत देशों में से एक बनाने के लिए सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। श्री सिंह शुक्रवार को यहां डीआरडीओ भवन में रक्षा प्रौद्योगिकी को बढावा देने पर आयोजित डीआरडीओ-उद्योग कार्यशाला के दौरान वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप, एमएसएमई और युवा उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने हाल के दिनों में रक्षा क्षेत्र में बदलाव पर विचार साझा करते हुए कहा कि, आज, प्रौद्योगिकी ने पारंपरिक युद्ध को अपरंपरागत युद्ध में बदल दिया है। उन्होंने कहा, आधुनिक युद्ध में ड्रोन, साइबर युद्ध, जैव-हथियार और अंतरिक्ष रक्षा जैसे नए आयाम जोड़े गए हैं। इस परिवर्तनकारी चरण में, रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास निश्चित रूप से रक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाएगा। हमारे वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप, एमएसएमई और युवा उद्यमियों को इस प्रयास में एक साथ काम करते हुए देखना खुशी की बात है। ▶10पर

राष्ट्रवाद एवं समाज हित पर केंद्रित विषयों को साहित्य में शामिल करने की जरूरत : राजेंद्र

राष्ट्रवादी विचार धाराएं कैसे आगे आएंगी, इस पर भी चिंतन होना चाहिए

दरभंगा, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राष्ट्रवाद एवं समाज हित पर केंद्रित सभी विषयों को साहित्य में शामिल करने की जरूरत पर बल देते हुए आज कहा कि सिर्फ हिंदी में ही नहीं बल्कि इसके लिए तमाम उन भाषाओं को भी इसमें जगह मिले जिसमे ऐसी गतिविधियां लिखित या किसी भी माध्यम से प्रदर्शित की जा रही हो।

श्री आर्लेकर ने शुक्रवार को यहां तीन दिवसीय चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने तीन दिवसीय चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव के आयोजन को मिथिला की धरोहर और सांस्कृतिक परंपरा का वाहक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से मिथिला की समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपरा को नया आयाम मिलेगा जो देश के साहित्यकारों के बीच मिथिला की पहचान को मजबूती प्रदान करेगा। राज्यपाल ने कहा कि उत्सव एवं उत्साह मिलकर महोत्सव को सफल बनाते हैं। इस महोत्सव में काफी गूढ़ विषयों पर चिंतन, मंथन एवं मनन होने वाला है जो अच्छी बात है। तीन दिनों में जिन गम्भीर विषयों पर चिंतन मंथन होगा उसके फलाफल को पुस्तक के आकार में भी समाज के सामने लाने की जरूरत है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

सरस्वती की साधना से ही ज्ञान की प्राप्ति संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि सरस्वती की साधना से ही हमारा अज्ञान दूर होकर सम्यक ज्ञान की प्राप्ति होती है। सम्यक ज्ञान से ही हमें सही और गलत की पहचान हो सकती है। गुरुवर मलयप्रभ सागर जी ने गुरुवार को अपने जीवन के 22वें वर्ष में प्रवेश किया। सिर्फ बाईस वर्ष की अल्पायु में संस्कृत में न्याय, व्याकरण, महाभाष्य की उच्च शिक्षा बेंगलूरु में ग्रहण कर रहे हैं। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, संघवी

विजयराज डोसी, पुखराज कवाड एवं दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों ने गुरुवर को जन्मदिवस की बधाई और शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर विमलनाथ जिनालय में शक्रस्तव महापूजन का आयोजन भी किया गया, जिसमें सकल संघ के सदस्य उपस्थित थे। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि आपने आज से ग्यारह वर्ष पूर्व खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिन मणिप्रभ सुरीश्वर जी के पास जैन भगवती दीक्षा ग्रहण की थी। इससे पूर्व मरुधर में नागौर चैन्नई निवासी मलयप्रभ सागर जी नौ वर्ष की आयु में दो वर्षो तक बचपन में प्रथम नवकार श्रवण करवाने वाले, बचपन से ही संस्कारों का वपन करने वाले गच्छ गणिनी प्रवरा साध्वी सुलोचना श्री जी के पास वास करके धार्मिक शिक्षा और संस्कार ग्रहण किए। आपके माता पिता की आपके जन्म के समय से ही प्रबल भावना थी कि आपको जिनशासन में महावीर के सिपाही बनाकर जैन दीक्षा प्रदान करवाएंगे। आपके साथ आपके माताजी ने भी दीक्षा ग्रहण की है जो अभी साध्वी श्री प्रियस्वर्णांजना जी के साथ प्रियमुद्रांजना जी के नाम से बेंगलूरु में ही चातुर्मासार्थ विराजमान हैं। मलयप्रभ सागर जी बचपन से ही गुरु के प्रति समर्पण भावना, पापभीरुता, उग्र स्वाध्याय में रुचि, विनय गुण सम्पन्न, कुशाग्र बुद्धि के धनी हैं।

पूनम मेला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आसोजी शाश्वत ओली के अंतीम दिन शरद पूनम मेला का आयोजन दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम अरसीकेरे मध्ये मरुधर में किया गया। जिसका दुन्दाडा निवासी महावीरचंद, शुभमकुमार संचेती परिवार बेंगलूरु ने संपूर्ण लाभ लिया और बेंगलूरु से बसों द्वारा संघ का आयोजन किया। होसपेट एवं शिवमोग्गा से भी बस की व्यवस्था कर पार्श्व भैरव महापुजन का लाभ लिया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की तांत लगी रही। तुषार गुरु के मंत्रोच्चार के साथ संभव संगीत मंडल ने सुमधुर संगीतमय वातावरण बनाया। पूनम परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाना लाभार्थियों द्वारा संपन्न हुआ। बेंगलूरु के जैन संगीतकार दिलखुश बाफणा के साथ प्रकाश राठोड, रिंकु बाफणा, प्रेमलता ने अपने मधुर कंठ से सुप्रसिद्ध भजनों से एकत्रित जन सैलाब को नाचने पर मजबूर किया। आयोजन में शामिल जवेरीलाल लुणावत ने तीर्थ संबंधित बात कही। बेंगलूरु से राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार के तत्वावधान में पूनम संघ यात्रा राकेश सालेचा के संयोजन में रहा। ट्रस्ट अध्यक्ष अशोककुमार सुराना ने लाभार्थी परिवार का स्वागत एवं बहुमान किया। इस अवसर पर ट्रस्टी पारसमल वेद मुथा, मांगीलाल मेहता, डॉ.विजय कुमार सुराना, रमेश कटारिया, मनोहरलाल सुराना के साथ भंवरलाल मोदी, गौतमचंद संचेती, उत्तमचंद संचेती, विजयराज विनायकिया, महावीर पीपाडा, राहुल, केवलचंद सालेचा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राजाजीनगर संघ ने आचार्य महाश्रमण के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा ट्रस्ट, राजाजीनगर से अध्यक्ष अशोक चौधरी की अध्यक्षता में तीन दिवसीय संघ ने, जिसमें 100 से अधिक श्रावक श्राविका शामिल थे, गुजरात के सूरत शहर में विराजित तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के दर्शन वंदन का लाभ लिया। आचार्य श्री की सेवा करते हुए गुरुदेव के समक्ष राजाजीनगर तेरापंथ भवन में आयोजित आध्यात्मिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। गुरुदेव से भवन में प्रतिवर्ष चातुर्मास एवं शेषकॉल में चारित्र आत्माओं का लंबा प्रवास प्रदान करने का पुरजोर निवेदन किया गया। गुरुदेव ने मंगल प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए श्रावक समाज में धर्म के प्रति निरंतर जागृति बनी रहे, बेंगलूरु में विचरित चारित्र आत्माओं की सेवा करने की प्रेरणा दी। साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभाजी के दर्शन किए एवं मार्ग दर्शन प्राप्त किया। साध्वी प्रमुखा ने मंगल उद्बोधन प्रदान करते हुए निवेदन पर चिंतन करने का आश्वासन दिया। संघ ने मुख्य मुनि महावीर कुमार जी, साध्वी समबुद्धयशाजी, सभा पर्यवेक्षक विश्रुत मुनिजी एवं गुरुकुल वाश में विराजित चारित्र आत्माओं की सेवा उपासना की। गुरुदर्शनार्थ संघ के संयोजक सतीश पोरवाड एवं अरविंद गन्ना ने संपूर्ण यात्रा का सुंदर संयोजन किया।

दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर में बेंगलूरु के अश्विन सेमलानी व उनके मित्र मंडल द्वारा किम्स परिसर में स्थित महावीर लिंब सेंटर में आयोजित शिविर में जरूरतमंद दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाए गए। शिविर का उद्घाटन दक्षिण पश्चिम रेलवे बेंगलूरु मंडल सलाहकार समिति सदस्य (डीआरयूसीसी) समाजसेवी अश्विन सेमलानी, मुरसावीर मठ विद्यावर्धक संघ के पूर्व अध्यक्ष जीएम चिकमठ, हुडा के चेयरमैन शाकिर सनादी, पूर्व चेयरमैन अनवर मुधोल, समाज शिरोमणि महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी, चेयरमैन गौतम गोलेछा ने जरूरतमंदों को कृत्रिम पैर लगाकर किया। समाजसेवी महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी के 59वें जन्म दिन के अवसर पर इस शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर अश्विन सेमलानी ने कहा कि समाजसेवी महेंद्र सिंघी से वे पिछले कई वर्षो से जुड़े हुए है। उनकी कार्यशैली अत्यंत ही प्रशंसनीय है। वे सभी को साथ लेकर चलते है। समाजसेवा के कार्यो में सदैव तत्पर रहते है। उन्होंने कहा आज के इस युग में लोग सेवा के कार्य कम करते है परन्तु दिखावा अधिक करते है। लेकिन सिंघी के नेतृत्व में जो कार्य करने का अनुभव हमें मिला है, इससे हमें बहुत कुछ सिखने को मिला है। इस मौके पर बेंगलूरु से विनोद चौहान, संजय मुथा, तनिश ललवानी, मनीष मेहता, सुरेश भुरट और वसंत विनायकिया सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अधिकारियों ने किया निर्माण कार्य का मुआयना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक होजरी एव गारमेंट्स एसोसिएशन (खागा) की शिकायत पर शुक्रवार को बीबीएमपी और बीडब्ल्यूएसएसबी के अधिकारियों ने एएस चार स्ट्रीट के निर्माण कार्य का मुआयना किया।

खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजाणी, मंत्री कैलाश बालर, पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, लाल बिल्डिंग के याकेश ने बीबीएमपी के वरिष्ठ अधिकारी देवराज, वसंत कुमार और बीडब्ल्यूएसएसबी के देसाई और मंजुनाथ के साथ विस्तृत चर्चा की। सज्जन राज मेहता ने फोन पर बीबीएमपी के चेयरमैन आईएएस अधिकारी तुषार गिरीनाथ से अगले 3 -4 दिनों में एक बार समतल सड़क बनाकर बाकी के वाइट टॉपिंग का कार्य दीवाली के बाद करने का आग्रह किया था। ठेकेदार योगेश और नवीन कुमार ने आश्वस्त किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। चिकपेट मेट्रो स्टेशन के मुख्य द्वार के नजदीक होने के कारण और दीवाली पर नागरिकों को कम असुविधा हो, व्यापार में अभिवृद्धि हो के लक्ष्य के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य मंत्री और विधायक दिनेश गुंडूराव का मार्गदर्शन भी निरंतर मिल रहा हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैत्री संस्कृत संस्कृति प्रतिष्ठानम द्वारा चौड़ेय्या मेमोरियल हॉल व्यालीकावल में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत को प्रतिष्ठानम के प्रमुख नायक एवं अन्य ने संस्कृत संस्कृति संबंधा पुस्तक की प्रति भेंट की।

धर्मचक्र तप के तपस्वियों का कराया पारणा

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य और प्रेरणा में चल रहे धर्मचक्र तप एवं आगमरत्न सागरजी की 31वीं ओली पूर्णाहुति निमित्त पंचान्हिका महोत्सव के तहत शुक्रवार सुबह धर्मचक्र तप के तपस्वियों का पारणा स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में कराया गया।

बंधुत्रिपुटी मुनिराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मांगलिक दिया। शाम को भक्ति संध्या का भव्य आयोजन किया गया। संगीतकार अनीश राठौड़ ने एक से बढकर एक गानों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, समिति सदस्य निर्मल पारेख, महेंद्र बंदा, हरीश शाह, सचिन जैन, विनोद फोलामुथा, धीरज बाफना, मदनलाल ओसवाल, राजेश श्रीश्रीमाल, बाबूलाल खिवेसरा, राजेंद्र कोठारी, संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, निर्भयलाल हुंडिया, दलिचंद कवाड़, जवाहरलाल बंदा समेत बड़ी संख्या में संघ के सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। टी. दासरहल्ली तेरापंथ सभा भवन में शरद पूर्णिमा के अवसर पर सकल जैन समाज महिला मित्र मंडल द्वारा गरबा डांडिया का आयोजन किया गया।

भाजपा से टिकट देने के लिए रंगदारी मांगने के मामले की जांच चल रही: दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने कहा कि बसवेश्वर नगर पुलिस स्टेशन भाजपा का टिकट देने के लिए 2 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मामले की जांच कर रही है। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान आरोपियों ने टिकट का लालच देकर 2 करोड़ रुपये वसूले थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्होंने बिना टिकट दिए और बिना पैसे लौटाए धोखाधड़ी और जातिगत दुर्व्यवहार किया। इस संबंध में बसवेश्वर नगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट

गयी है। भाई-बहन समेत तीनों आरोपियों को धीरे-धीरे 2 करोड़ रुपये मिल गए। उन्होंने कहा कि दर्शन व अन्य को राजकीय आतिथ्य देने के मामले में अग्रहारा थाने में दर्ज तीन मामलों की जांच अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही आरोप पत्र दाखिल करेंगे। हम नशीली दवाओं को पूरी तरह से रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान कमिश्नर ने पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा कि हमारी पुलिस रोजाना दवाओं के परिवहन, बिक्री और भंडारण पर नजर रख रही है।

मुडा हमले के पीछे न तो केंद्र सरकार और न ही भाजपा: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया है कि मुडा कार्यालय और आवास पर ईडी अधिकारियों द्वारा की गई छापेमारी में केंद्र सरकार या भाजपा की कोई संलिप्तता नहीं थी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी कोई हमला होता है तो कांग्रेस का केंद्र पर आरोप लगाना सामान्य बात है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैसूरु में मुडा कार्यालय और मामले के चौथे आरोपी देवराज के आवास पर ईडी की छापेमारी का हमारी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है।

आखिरकार, यह भाजपा नहीं थी जिसने ईडी से शिकायत की थी। मैसूरु स्थित सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमई कृष्णा ने 500 पन्नों का एक दस्तावेज जमा किया था। साथ ही ईडी के अधिकारियों ने खुद उनसे बयान लिया था। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा की भूमिका कहां से आती है। सिद्धरामैया की साइट्स ही नहीं बल्कि 3-4 हजार करोड़ की संपत्ति अवैध है, जिस स्नेहमई कृष्णा की शिकायत पर ईडी ने छापा मारा था, उसके आधार पर मारी गौड़ा ने खुद सरकार को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी। इसके बाद स्नेहमई ने शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने खुद अवैध होने की बात कही है। इस प्रकार उन्होंने दोहराया कि ईडी का यह हमला राजनीति से प्रेरित नहीं था। 3-4 हजार करोड़ का अवैध मामला है। क्या इतना पैसा सरकारी खजाने में आये तो अच्छा नहीं है? उन्होंने कहा कि हमने ईडी के पास कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा आयोजित अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट का चिकमगलूरु में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि मोहजीत कुमार जी के सानिध्य में चिकमगलूरु तेरापंथ सभा भवन में आयोजित प्रतियोगिता में राज्य के बेंगलूरु, मैसूरु, हुब्बल्ली, धारवाड़, चिकमगलूरु आदि क्षेत्र से बच्चे उत्साह के साथ भाग ले रहे है। जिसका विषय व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र निर्माण है, जिसमें संगीत, भाषण, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता शामिल हैं। यहां के अध्यक्ष मंजू भंसाली एवं मंत्री गौतम अच्छा ने पूरी तैयारी की है। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में बेंगलूरु से अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट के राष्ट्रीय संयोजक एवं अनुविभा के संगठन मंत्री राजेश चावत, सुभद्रा लुणावत, लाभेश कांसवा एवं अनेक व्यक्तियों की उपस्थिति होगी। जीतने वाला विजेता सूरत में नेशनल लेवल में पहुंचेगा।

केंद्रीय मंत्री के परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले को गंभीरता से लिया जा रहा: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने के बाद मामले पर गंभीरता से विचार होना स्वाभाविक है। फिलहाल गोपाल जोशी और अन्य लोग लापता हैं। तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस कानून के मुताबिक जो करना होगा वह करेगी। टिकट रिश्वत मामले में गोपाल जोशी के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, जो उनके भाई भी हैं, की भूमिका के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बारे में अचानक से बयान देना हमारे लिए ठीक नहीं है।

पहले गोपाल जोशी को गिरफ्तार कर बयान लेना होगा। क्या जांच के बाद केंद्रीय मंत्री की सीधी भूमिका है? या फिर ऐसा नहीं है, जांच के बाद ही पता चलेगा। उन्होंने कहा कि चैत्र कुंडापुर समेत ऐसे मामलों पर बिना रिपोर्ट के बात करना ठीक नहीं है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव की पत्नी की शिकायत के आधार पर अदालत ने गैर जमानत वारंट जारी किया है। अगली कार्रवाई के संबंध में कोर्ट से निर्देश मांगा गया है। उन्होंने कहा कि निर्देश के आधार पर गिरफ्तारी समेत निर्धारित कार्रवाई की जायेगी। कलबुर्गी केंद्रीय जेल में मोबाइल फोन के उपयोग और अन्य गतिविधियों पर पुलिस महानिदेशक स्वयं स्थल निरीक्षण करेंगे और रिपोर्ट देंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद वह उचित कार्रवाई करेंगे। पुलिस विभाग में पति-पत्नी के केस ट्रांसफर हो जाते हैं। जब भी कोई समस्या होती है तो स्टाफ आकर शिकायत करता है। उन्होंने कहा कि इसकी जांच कर कार्रवाई की जायेगी। इससे पहले गृह मंत्री ने कहा कि तुमकुरु क्षेत्र में दूसरे हवाई अड्डे का निर्माण फायदेमंद होगा। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने नेलमंगला-कुनिगल मार्ग पर दूसरा हवाई अड्डा बनाने के प्रस्ताव पर टिप्पणी की। तुमकुरु और डबासपेट के बीच एक हवाई अड्डे के निर्माण की व्यवहार्यता के बारे में चर्चा चल रही है। लेकिन ऐसी जानकारी है कि तकनीकी रूप से नेलमंगला-कुनिगल सड़क को प्राथमिकता के रूप में माना जाता है। उन्होंने कहा कि एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र तुमकुरु में बनाया गया है। 20 हजार एकड़ में इंडस्ट्रियल एस्टेट बनाया जा रहा है और पहले और दूसरे चरण का काम पूरा हो चुका है। 150 से अधिक उद्योग बंद हो गए हैं। एक टाउनशिप का निर्माण किया गया है। एचएएल की हेलीकॉप्टर निर्माण इकाई स्थापित हो गई है। इन सबको ध्यान में रखते हुए हमारा तर्क है कि तुमकुरु के पास दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनाना उचित है।

तुमकुरु ग्रेटर बेंगलूरु का हिस्सा

तुमकुरु का नाम बदलकर बेंगलूरु उत्तरी जिले के रूप में करने की संभावना के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा तुमकुरु ग्रेटर बेंगलूरु का हिस्सा है। महानगर का विस्तार नेलमंगला तक हो गया है। ग्रेटर बेंगलूरु के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। मुझे नहीं पता कि जाति जनगणना को लेकर श्यामनूर शिवशंकरप्पा को क्या परेशानी है। 160 करोड़ की लागत से एक सर्वे कराया गया है। लोगों को पता होना चाहिए कि इसकी जानकारी क्या है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जातीय जनगणना को कैबिनेट में पेश करेंगे। आपत्तियां हैं कि आंतरिक आरक्षण का उचित डेटा नहीं है। यदि जातीय जनगणना प्रकाशित हो जाती है तो इससे आंतरिक आरक्षण को लाभ होगा। सरकार ने आंतरिक आरक्षण लागू करने के अपने इरादे की घोषणा की है। तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में कांग्रेस जीतेगी। उम्मीदवारों के चयन पर केपीसीसी अध्यक्ष और कांग्रेस आलाकमान फैसला लेंगे।

भाजपा का टिकट देने का वादा कर लाखों की ठगी

धोखाधड़ी के आरोप में प्रहलाद जोशी के भाई के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ बेंगलूरु में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। उनके भाई गोपाल जोशी पर एक महिला से लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट देने का वादा कर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। बेंगलूरु में बसवेश्वरनगर पुलिस ने गोपाल जोशी, उनकी बहन विजयलक्ष्मी जोशी और बेटे अजय जोशी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता की पहचान सुनीता चौहान के तौर पर की गई है, जो पूर्व जेडीएस विधायक देवनंद चौहान की पत्नी हैं। उन्होंने बताया कि गोपाल जोशी ने उनसे बिजपुर क्षेत्र से भाजपा का टिकट दिलवाने का वादा किया था, जिसके लिए महिला ने 25 लाख रुपये भी दिए। एफआईआर में खुलासा किया गया कि गोपाल जोशी ने टिकट के लिए पहले पांच करोड़ रुपये की मांग की थी। सुनीता चौहान ने जब अपने पैसे वापस करने के लिए गोपाल जोशी पर दबाव बनाया तो उन्हें हमले की धमकियों और जाति आधारित दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। 17 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के परिजनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया और पुलिस इस मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक गोपाल जोशी, उनकी बहन और बेटे ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस मामले में केंद्रीय मंत्री के परिजनों के शामिल होने के कारण यह सुर्खियों में है।

निगम का पैसा खाने वालों के लिए वाल्मीकि जयंती मनाना कितना सही : चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि मैसूरु मुडा भूमि आवंटन घोटाले को सीबीआई को सौंपा जाना चाहिए, तभी सच्चाई सामने आ सकती है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर जांच सीबीआई को नहीं सौंपी गयी तो इसमें संदेह है कि मामले को पूरी तरह से रफा-दफा करने की व्यवस्था होगी।

उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेसियों में इंसानियत होती तो वे वाल्मीकि जयंती को पश्चाताप दिवस के रूप में मनाते। उन्होंने मांग की कि हेलीकॉप्टर में सारी फाइलें लोड करने वालों की भी जांच होनी चाहिए। मुख्यमंत्री को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। वे इस्तीफा दें अन्यथा, ईडी अधिकारी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करें। मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी इस मानसिकता में आ गई है कि भ्रष्टाचार कोई अपराध नहीं है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी की सरकार ने भेड़ों की देखभाल के लिए एक भेड़िये को नियुक्त कर दिया है। भले ही आज इतना भ्रष्टाचार हो रहा है, जो लोग जेल से बाहर आ गए हैं वे फल-फूल रहे हैं। गुरुवार को वाल्मीकि जयंती थी। जब सिद्धरामैया ने वाल्मीकि जयंती मनाई तो मुझे शर्म महसूस हुई। चलवाडी नारायणस्वामी ने सवाल उठाया कि जिन्होंने वाल्मीकि निगम का पैसा खा लिया है उनके लिए वाल्मीकि जयंती मनाना कितना सही है। सुबह ई.डी. द्वारा मुडा कार्यालय, तालुक कार्यालय और देवराजू के घर का दौरा किया गया। अधिकारियों ने छापेमारी की। उन्होंने बताया कि इसका कारण यह है कि तीन बार मुडा की फाइलें मांगने के बावजूद अधिकारियों ने उसे खारिज कर दिया। राज्य सरकार नहीं चाहती कि इस घोटाले का सच सामने आये। मुडा के प्लॉट जरूरत नहीं होने पर भी वापस कर दिये गये। अध्यक्ष रहे मारी गौड़ा को पदोन्नत किया गया है। वहां के अधिकारियों को अलग-अलग विभागों में भेज दिया गया है। उन्होंने विश्लेषण किया कि यह सब दर्शाता है कि मुडा में भारी भ्रष्टाचार है।

सरकार की मंशा मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़े ऐसे घोटाले पर पर्दा डालने की है। पहले एसआईटी को जांच दी गई थी। कोर्ट के आदेश के बावजूद एसआईटी ने केस वापस नहीं लिया है। कहा गया कि आईएएस अधिकारियों की टीम जांच करेगी। लोकायुक्त ने अपना काम भी शुरू कर दिया था। हालाँकि, लोकायुक्त को लेकर मेरे अपने संदेह हैं। अभी तक किसी को बुलाकर जांच नहीं की गई है। उन्होंने यह धारणा व्यक्त की कि संदेह है कि लोकायुक्त अदालती आदेशों से परे इसमें शामिल हैं।

कांग्रेस ने जोशी की बर्खास्तगी और परिजनों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के परिजनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को बेंगलूरु के गांधी भवन में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री जोशी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने और उनके परिवार के सदस्यों की गिरफ्तारी की मांग की है। प्रहलाद जोशी को इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कहा एफआईआर में कहा गया है कि उनके परिवार के सदस्यों ने टिकट के बदले 2 करोड़ मांगे। भाजपा हमेशा सिद्धरामैया और कांग्रेस के बारे में बोलती है। एफआईआर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम स्पष्ट रूप से लिखा गया है। वे देश को क्या संदेश दे रहे हैं? वे सिद्धरामैया और कांग्रेस के बारे में मुखर रहे हैं। अब उनके मुंह पर ताला क्यों लगा हुआ है?

पति की हत्या के आरोप में महिला और उसके दो साथी गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी शहर की पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कथित तौर पर अपने पति की हत्या की थी। पुलिस ने उमा पद्मन्नावर (42) को गुरुवार देर रात उसकी बेटी संजना (18) की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया, जिसने संदेह जताया था कि उसके पिता संतोष पद्मन्नावर (47) की हत्या की गई है और दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत नहीं हुई है, जैसा की महिला ने दावा किया था। उसकी शिकायत के आधार पर, मालमारुति पुलिस ने मामला दर्ज किया और शव को बाहर निकाला। जबकि पुलिस फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही थी, उमा से पूछताछ में पता चला कि उसने अपने दो साथियों शोभित गौड़ा और पवन के साथ मिलकर अपराध किया है।

एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को कहा उमा और शोभित के बीच अवैध संबंध थे, जो अपराध के पीछे का कारण हो सकता है। पुलिस ने गौड़ा और पवन को मेंगलूरु के तटीय शहर से गिरफ्तार किया, जहां वे हत्या के बाद भाग गए थे और उन्हें मालमारुति पुलिस स्टेशन ले आई। बेलगावी पुलिस आयुक्त इडा मार्टिन मारबानियांग ने बताया, हां, हमने उमा को गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ हमने उसके दो साथियों को भी गिरफ्तार किया है। संतोष पद्मन्नावर पैसे उधार देने और रियल एस्टेट के कारोबार में थे। बेंगलूरु में पढ़ने वाली संजना को खबर मिली कि उसके पिता की 9 अक्टूबर को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। जब तक वह बेंगलूरु से लौटी, तब तक शव का अंतिम संस्कार हो चुका था और लिंगायत परंपरा के अनुसार शव को दफनाया गया। उसे बताया गया कि पिता की इच्छा के अनुसार आंखें दान कर दी गई हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसे यकीन नहीं हो रहा था कि उसके स्वस्थ पिता की मौत दिल का दौरा पड़ने से हो सकती है। जब संजना ने घर में कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी, तो उसने पाया कि वे डिलीट हो गए हैं। उसे शक हुआ और उसने अपने रिश्तेदारों की मदद से अपनी मां की संलिप्तता पर संदेह जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूत्रों ने बताया कि पड़ोसी के घर से मिले सीसीटीवी फुटेज में दो लोग उनके घर में घुसते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कांग्रेस सरकार ने पंचमसाली लिंगायतों के लिए आरक्षण पर बैठक की

संत ने आंदोलन की चेतावनी दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को विधान सौधा में पंचमसाली लिंगायतों के लिए 2ए आरक्षण के मुद्दे पर पंचमसाली संत जयमृत्युंजय स्वामीजी के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में भाजपा, कांग्रेस और जद (एस) दलों के समुदाय के नेता शामिल हुए। राज्य में आंदोलन की अगुआई कर रहे जयमृत्युंजय स्वामीजी ने चेतावनी दी है कि अगर मांगें पूरी नहीं की गईं तो कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) और आदिवासी कल्याण घोटालों और राज्य में तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए उप-चुनावों की घोषणा के बीच कांग्रेस सरकार के इस कदम ने बहस छेड़ दी है। बैठक में भाग लेने से पहले मीडिया से बात करते हुए जयमृत्युंजय स्वामीजी ने कहा कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के 18 महीने बाद लंबित आरक्षण मुद्दे पर हमें बैठक के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस ने आश्वासन दिया है कि वह पंचमसाली लिंगायतों को आरक्षण प्रदान करेगी। मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मांग को पूरा करेंगे। यह सिर्फ हमारी मांग नहीं है। यह हमारे अधिकारों को पाने का संकल्प है। पिछले 30 वर्षों से मांग की जा रही है, हम आंदोलन कर रहे हैं। हमें अभी भी अपनी मांग पूरी करवानी है। पिछली भाजपा सरकार ने 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण देने की बजाय नई 2डी श्रेणी के तहत आरक्षण देने की घोषणा की थी। स्वामीजी ने कहा कि इसे लागू नहीं किया गया। कांग्रेस सरकार को पंचमसाली समुदाय का समर्थन प्राप्त है और अब उसे उन्हें वापस देना होगा। हमने हाल ही में बेल-गावी में अधिवक्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था और इसी पृष्ठभूमि में हमें बैठक में बुलाया गया है। स्वामीजी ने कहा मैं सीएम सिद्धरामैया से अपील करता हूं, अब जबकि उनके पास कानूनी और अन्य दस्तावेज हैं, उन्हें पंचमसाली लिंगायतों के लिए 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण प्रदान करना चाहिए और केंद्र से पूरे लिंगायत समुदाय को अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) समूह में शामिल करने की सिफारिश करनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हमारी मांगें पूरी नहीं हुईं और अगर बैठक में हमें नकारात्मक जवाब मिला तो राज्य में बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

निष्पक्ष जांच हो तो मुझसे पहले गिरफ्तार होंगे परमेश्वर: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर पुलिस जी परमेश्वर के घोटालों की निष्पक्ष जांच करती तो वह मुझसे पहले ही गिरफ्तार हो गए होते। परमेश्वर ने कहा था कि अगर उन्होंने पुलिस जांच में सहयोग नहीं किया, तो उन्हें गिरफ्तार करना होगा। जिसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए, यतनाल ने कहा कि उनका घोटाला बड़ा है। उन्होंने कहा कि इंतजार कीजिए और देखिए, उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इससे पहले यहां की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार को विजयपुरा से भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। वे स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव की पत्नी तबस्सुम राव पर कथित टिप्पणी को लेकर अदालत में पेश नहीं हुए। तबस्सुम राव ने विधायक यतनाल के खिलाफ निजी मामला दायर किया था। विधायक यतनाल ने मंत्री राव की पत्नी तबस्सुम राव पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि आधा पाकिस्तान उनके घर में है। 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) ने 29 अगस्त को उनकी याचिका स्वीकार कर ली थी। उन्होंने विधायक यतनाल

को 16 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने के लिए समन जारी किया था। हालांकि, विधायक यतनाल पेश नहीं हुए, जिसके बाद अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी किया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 28 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी है। गिरफ्तारी वारंट के साथ पुलिस के पास अब विधायक यतनाल को गिरफ्तार करने का अधिकार है। गत 6 अप्रैल को मीडिया द्वारा पूछे जाने पर विधायक यतनाल ने जवाब देते हुए कहा कि मंत्री राव को भाजपा की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने दावा किया कि आधा पाकिस्तान उनके घर में है। कानूनी कार्रवाई के अलावा, तबस्सुम राव ने हाल ही में अपने पति से जुड़े गोमांस संबंधी टिप्पणी विवाद के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भाजपा नेता के खिलाफ राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव की पत्नी होने के नाते, मुझे सिर्फ मेरी शादी और मेरे मुस्लिम धर्म के कारण बेवजह हमलों और सांप्रदायिक संदर्भों का सामना करना पड़ा है। मैं आयोग से इस मुद्दे को तुरंत संबोधित करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह करती हूं कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

कांग्रेस चन्नपट्टना उपचुनाव के लिए डीके सुरेश को पार्टी उम्मीदवार बनाने पर कर रही विचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस विधानसभा उपचुनाव में हाई-प्रोफाइल चन्नपट्टना सीट से पूर्व सांसद और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश को पार्टी उम्मीदवार बनाने पर विचार कर रही है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक तनवीर सैत ने बताया कि संभावना है कि पूर्व सांसद को चन्नपट्टना सीट से पार्टी उम्मीदवार बनाया जाएगा। इस सीट का प्रतिनिधित्व पहले केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी करते थे और यह बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। विधायक सैत ने कहा यह अलग बात है कि डी.के. सुरेश ने कहा

था कि वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते। पार्टी को उनकी सक्रिय राजनीति जारी रखने की जरूरत है। हम अपनी तरफ से उन पर दबाव बनाएंगे और लोगों की भावनाओं पर भी विचार करेंगे। उसके आधार पर हम उम्मीदवार घोषित करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी शिग्गांव और संदूर के लिए अलग मानदंडों के आधार पर निर्णय लेगी, जबकि चन्नपट्टना सीट, जो काफी ध्यान आकर्षित कर रही है, के लिए निर्णय सावधानी से लिया जाएगा। उन्होंने कहा चन्नपट्टना, संदूर और शिग्गांव सीटों के लिए उपचुनाव की घो-षणा होने के बाद, कांग्रेस पार्टी ने इन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। प्रक्रिया जारी है और पार्टी इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन प्राप्त कर रही है।

कांग्रेस विधायक ने आगे कहा कि उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने घोषणा की है कि वह चन्नपट्टना उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार हैं, चाहे कोई भी चुनाव लड़े। सैत ने कहा हम स्थिति के अनुसार उम्मीदवार को मैदान में उतारने के लिए तैयार हैं। हम पांच दिनों में उम्मीदवार की घोषणा करेंगे। बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट का तीन बार प्रतिनिधित्व करने वाले डी.के. सुरेश को 2024 के आम चुनावों में पूर्व पीएम एच.डी. देवेगौड़ा के दामाद सी.एन. मंजूनाथ ने हराया था। मंजूनाथ ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। अब, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि शिवकुमार हार का बदला लेने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की है कि कांग्रेस राज्य में नवंबर में होने वाले आगामी उप-चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

भारी बारिश के कारण धान की कटाई में देरी से किसान संकट में

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु के तटीय क्षेत्र के किसान लगातार हो रही बारिश से चिंतित हैं, क्योंकि उनकी धान की फसल पर खतरा मंडरा रहा है। फसल कटाई के लिए तैयार है, लेकिन लगातार हो रही बारिश के कारण वे कटाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उन्हें काफी नुकसान होने का खतरा है।

जुलाई में भारी बारिश के कारण कई पौधे सड़ गए, अब किसानों को दुर्गम खेतों और तेजी से सड़ रही घास की दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। विज्ञापन पक्षीकेरे के पास पंजा में, जहां कई लोगों ने जून में अपने पौधे लगाए थे, पांच एकड़ धान की फसल तैयार होने के बाद किसान मौसम में बदलाव का इंतजार कर रहे हैं। धान की कीमतों में भी

गिरावट से उनकी परेशानी और बढ़ गई है। चावल मिल मालिक वर्तमान में 21 से 23 रुपये प्रति किलो की पेशकश कर रहे हैं, जो पिछले साल के 25 रुपये से कम है, क्योंकि वे उत्तरी कर्नाटक से चावल की आमद का हवाला दे रहे हैं। किसान सतीश शेट्टी बैलागुथु ने तत्काल चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हम बारिश और धान की कम कीमत के कारण दोनों तरफ से चिंतित हैं। सरकार को हमारे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

भवानी रेवन्ना को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, अग्रिम जमानत रद्द करने से इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुप्रीम कोर्ट ने जेडीएस नेता भवानी रेवन्ना को बड़ी राहत देते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को बरकार रखा। हाईकोर्ट ने भवानी रेवन्ना को अग्रिम जमानत दी थी, जिसके खिलाफ कर्नाटक एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जेडीएस नेता की अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस मामले में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है और भवानी रेवन्ना को दी गई अग्रिम जमानत में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। भवानी रेवन्ना जेडीएस नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मां हैं। प्रज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप हैं। प्रज्वल पर ये भी आरोप हैं कि वे महिलाओं का यौन शौषण करते वक्त खुद ही वीडियो रिकॉर्ड करते थे और बाद में रिकॉर्डिंग दिखाकर महिलाओं को ब्लैकमेल कर बार-बार उनका शोषण करते थे। प्रज्वल रेवन्ना की ये वीडियो अप्रैल में सार्वजनिक हो गईं, जिसके बाद कर्नाटक की राजनीति में भूचाल आ गया था। वीडियो वायरल होने के बाद प्रज्वल विदेश चले गए थे, लेकिन बाद में विदेश से लौटने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। भवानी रेवन्ना पर प्रज्वल रेवन्ना के शोषण का शिकार हुई एक महिला का अपहरण करने और उसे प्रताड़ित करने का आरोप है। इसी मामले में हाईकोर्ट ने भवानी रेवन्ना को अग्रिम जमानत दी थी।

घोटालों में कथित संलिप्तता के कारण

मुख्यमंत्री को अपने पद से देना चाहिए इस्तीफा: भाजपा नेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य लाल सिंह आर्य ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री ने मैसूरु मुडा में अपनी सीटें वापस कर घोटाले को स्वीकार कर लिया है।

शिवाजीनगर में भाजपा सदस्यता अभियान कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि घोटालों में कथित संलिप्तता के कारण मुख्यमंत्री को अपने पद पर बने नहीं रहना चाहिए। उन्होंने तत्काल इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस पार्टी न केवल दलित विरोधी है, बल्कि आरक्षण विरोधी भी है। कांग्रेस

नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में भाषण देते हुए आरक्षण खत्म करने का इरादा जताया है। उन्होंने कहा कि इससे आरक्षण का विरोध करने वाली कांग्रेस का एक और चेहरा सामने आया है। कांग्रेसियों पर महर्षि वाल्मीकि निगम का फंड हड़पने का आर-ोप लगा है। कांग्रेस के नेहरू, राजीव गांधी, इंदिरा गांधी - ये सभी आरक्षण के खिलाफ बोलते थे। अब राहुल गांधी ने आरक्षण रद्द करने की बात कही है और कांग्रेस पर आरक्षण विरोधी इतिहास अपनाने का आरोप लगाया है। देशभर में भाजपा के 9 करोड़ से ज्यादा प्राथमिक सदस्य पंजीकृत हैं।

इस अवसर पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सीमेंट मंजूनाथ, पूर्व सांसद एस. मुनीस्वामी, एससीसी मोर्चा के राज्य महासचिव महेंद्र कौटाला, उमेश करजोला, एससी मोर्चा के राज्य उपाध्यक्ष हुडी मंजूनाथ और शिवाजीनगर मंडल अध्यक्ष बालाजी मणि, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वक्फ विधेयक पर बैठक में विपक्षी सांसदों ने जेपीसी अध्यक्ष को दी धमकी दी: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता तेजस्वी सूर्या ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि कुछ विपक्षी सांसदों ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल और एक गवाह को धमकी दी और दस्तावेज भी फाड़ दिए। सूर्या ने बताया कि यह घटना 14 अक्टूबर को हुई जब समिति ने कर्नाटक के राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपड्डी को कर्नाटक में वक्फ भूमि घोटाले पर उनकी राय

सुनने के लिए बुलाया था। बेंगलूरु दक्षिण से दो बार के सांसद सूर्या ने बिरला को यह पत्र उस समय लिखा है, जब विपक्ष के सांसदों ने भी लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखा है। जिसमें पाल पर समिति की बैठक के दौरान संसदीय आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया है। सूर्या ने अपने पत्र में लिखा, मणिपड्डी ने 2012 की एक रिपोर्ट पर चर्चा की, जिसमें करीब 2,000 एकड़ वक्फ भूमि के बड़े पैमाने पर अतिक्रमण या बिक्री का आरोप लगाया गया है। इस भूमि की अनुमानित कीमत करीब दो लाख करोड़ रुपये है और इसमें कांग्रेस के कुछ नेताओं सहित निजी संस्थाओं को करोड़ों रुपये दिए गए।

उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही यह मुद्दा समिति के सामने आया है, विपक्षी सांसदों ने बैठक को बाधित किया और गवाह व समिति के अध्यक्ष (जगदंबिका पाल) को मौखिक रूप से धमकी दी और दस्तावेज फाड़ दिए। सूर्या ने बताया कि विपक्षी सांसद गवाह, अध्यक्ष के पास जाकर उन्हें धमकाने का प्रयास किया। उनके नोट्स और कागजात छीनकर फाड़ दिए गए। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यवहार से संसदीय शिष्टाचार का पूरी तरह से उल्लंघन हुआ है। सूर्या ने कहा, इसके बाद विपक्षी सांसद अपमानजनक टिप्पणियां करते हुए बैठक से बाहर चले गए। सूर्या ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वह विपक्ष सदस्यों को आचार संहिता का पालन करने का निर्देश दें और इस असंसदीय व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करें।

मुडा पर ईडी का हमला राजनीति से प्रेरित: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डीके सुरेश ने आर-ोप लगाया है कि मुडा मामले में प्रवर्तन निदेशालय का हमला राजनीति से प्रेरित है। शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मामला पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। लोकायुक्त पहले ही मामला दर्ज कर जांच कर रहे हैं। अब प्रवर्तन निदेशालय का हमला हुआ है।

मामले में कोई वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ। उसका कहीं कोई जिक्र नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय ने 15 दिन पहले मामला दर्ज किया था। केंद्र सरकार सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को विपक्षी दलों के खिलाफ हथियार के तौर

पर इस्तेमाल कर रही है। पिछले 10 सालों से कई हमले और मामले आम हो गए हैं। नागेंद्र को हाल ही में ईडी ने गिरफ्तार किया था। अंत में एक दिन उन्हें सच्चाई का एहसास होगा। मैंने चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों के संबंध में भाई डीके शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, से चर्चा की है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के चयन पर भी चर्चा हुई। लोकसभा चुनाव में जनता ने हमें मौका दिया है। कांग्रेस चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र में एक आश्चर्यजनक उम्मीदवार उतारेगी। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पिछले तीन महीने से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र जीतने के लिए हर तरह की तैयारी है।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के भाइयों पर टिकट के लिए पैसे वसूलने के आरोप में दर्ज मामले पर भाजपा को खुलकर बोलना चाहिए। कांग्रेस के लोग चर्चा करते हैं तो इसे राजनीति कहते हैं। पार्टी नेताओं ने ही शिकायत की है। भाजपा को यह स्पष्ट करने दीजिए।

शिग्गांव और संदूर निर्वाचन क्षेत्रों में जेडीएस नेताओं की बैठक आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपचुनाव के लिए एनडीए गठबंधन को मजबूत करने की रणनीति के तहत, राज्य जेडीएस नेता शनिवार को शिग्गांव और संदूर विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे और कार्यकर्ताओं और नेताओं की बैठक लेंगे। इन बैठकों में जेडीएस विधायक दल के नेता सुरेश बाबू, युवा जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, पूर्व मंत्री बंदेप्पा काशेमपुरा, वेंकटराव नादगौड़ा और अलकोडे हनुमंथप्पा भाग लेंगे। निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने के लिए स्थानीय जेडीएस नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के लिए ये बैठकें आयोजित की गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के संकल्प के तहत केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के मार्गदर्शन में बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

पत्नी व एक अन्य व्यक्ति की हत्या कर खुद लगाई फांसी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आंध्र प्रदेश के एक मजदूर ने बेंगलूरु के कोनानाकुंटे में निर्माणाधीन इमारत में कथित तौर पर अपनी पत्नी और एक अन्य व्यक्ति की हत्या कर दी और फिर खुद को भी फांसी लगा ली।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया पुलुसु गोल्ला ने गुरुवार को अपनी 33 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी गोल्ला और गणेश कुमार (20) नामक एक अन्य व्यक्ति की कथित तौर पर लकड़ी से हमला कर हत्या कर दी। सूत्रों ने बताया कि 35 वर्षीय व्यक्ति ने इसके बाद खुद को भी फांसी लगा ली। तीनों निर्माण मजदूर आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे।

चांद छूपा बादल में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल महिला मंडल द्वारा यशवंतपुर में स्थित एक होटल के सभागार में गुरुवार को करवा चौथ के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए प्रातः 11 बजे से चांद छूपा बादल में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, संजय जालान, बिपिन राम अग्रवाल, संजय तायल, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल और रवि तायल सहित अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल ने द्वीप प्रज्वलित कर रंगारंग कार्यक्रम कर शुरुआत की। उसके बाद रंगबिरंगे वेशभूषा में सजी महिलाओं ने नृत्य के साथ राजस्थानी गीतों पर प्रस्तुति से मनोरंजन किया। इस अवसर पर करवा क्वीन मुकाबले, लाख चूड़ी वाला, तम्बोला, हाउजी खेल के साथ अनेक खेल का आयोजन किया गया। सभी को पुरस्कृत किया गया। सभी महिलाओं ने आयोजन के लिए आभार प्रकट किया। पूर्व अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, कविता तायल, पूजा जालान, मीरा अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, राखी गोयल, सुनीता गुप्ता का सहरानीय सहयोग रहा। लक्की ड्रा विजेत-ाओं को भी पुरस्कृत किया गया।

पीने के पानी की कमी से जूझ रहा कश्मीर

जम्मू, 18 अक्टूबर।

धरती का स्वर्ग कश्मीर पीने योग्य पानी की आपूर्ति की कमी से जूझ रहा है क्योंकि लंबे समय से सूखे के कारण सतही जल स्रोत सूख रहे हैं। हालांकि घाटी में स्थिति चिंताजनक नहीं मानी जा रही है, लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई) विभाग (जल शक्ति) कश्मीर ने स्वीकार किया है कि क्षेत्र के लगभग 10-15 प्रतिशत हिस्से में पानी की कमी है, खासकर उत्तरी कश्मीर और श्रीनगर के कुछ हिस्सों में।

पीएचई कश्मीर के मुख्य अभियंता विवेक कोहली ने कहा, सोपोर और कुपवाड़ा के कुछ हिस्सों सहित कुछ जिले प्राकृतिक जल संसाधनों की कमी से प्रभावित हुए हैं। सतही जल स्रोत काफी हद तक सूख गए हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जो उन पर निर्भर हैं। श्रीनगर में, दाचीगाम जल स्रोत के सूखने के कारण हमारी जल उपचार योजना पूरी क्षमता से नहीं चल रही है। पानी

के टैंकर तैनात किए गए हैं और यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त टैंकर किराए पर उपलब्ध हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बिना पानी के न रहे। हम काम पर लगे हुए हैं और कश्मीर में पानी की आपूर्ति में किसी भी तरह की बड़ी बाधा को रोकने के लिए कदम उठा रहे हैं।

इस बीच, श्रीनगर के कई इलाकों में पानी की भारी कमी है, जिसके चलते पीएचई विभाग को शहर के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति में बदलाव करना पड़ रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह संकट मुख्य रूप से कच्चे पानी के स्रोतों के खत्म होने के कारण है, जो लंबे समय तक सूखे और कम वर्षा के कारण और बढ़ गया है। अधिकारियों का कहना था कि सिविल लाइंस इलाकों के लिए प्राथमिक जल स्रोत दाचीगाम नाला ने अपने जल निर्वहन में भारी कमी की है, जो वर्तमान में लगभग 10 क्यूसेक पानी दे रहा है, जबकि इसकी आवश्यकता लगभग 45 क्यूसेक है। अधिकारियों ने कहा कि बर्फबारी और बारिश में भारी कमी के कारण पानी की कमी हुई है, श्रीनगर में पिछले वर्षों की तुलना में वर्षा के स्तर में गिरावट देखी गई है।

उल्लेखनीय रूप से, शहर का आकस्मिक जल स्रोत डल झील भी झील से पानी खींचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पंपों में तकनीकी समस्याओं के कारण वैकल्पिक जल आपूर्ति के लिए तैयार नहीं हो पाई है। एक अधिकारी के अनुसार, जल संकट को कम करने के लिए पंपों पर मरम्मत का काम चल रहा है। अधिकारी का दावा था कि खासकर दाचीगाम नाला से कच्चे जल स्रोतों के खत्म होने के कारण हम लगातार पानी की आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। हमारे मुख्य जल स्रोतों में डिस्चार्ज काफी कम हो गया है। इसके जवाब में हमें पानी की आपूर्ति शिफ्ट में करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

अधिकारियों का मानना था कि कुछ क्षेत्रों में संकट के बावजूद, श्रीनगर के अन्य हिस्से अपेक्षाकृत अप्रभावित हैं। वे कहते थे कि हम लोगों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने और जब भी संभव हो पानी का भंडारण करने का आग्रह करते हैं। वे कहते थे कि रंगील जल संयंत्र, जो सिंध नाला से पानी प्राप्त करता है - एक बारहमासी जल स्रोत - बिना किसी बड़ी बाधा के शहर की लगभग 40% आबादी की सेवा कर रहा है। जबकि दूध गंगा नाला पर निर्भर क्षेत्र भी कम जल स्तर का प्रबंधन कर रहे हैं, हालांकि आपूर्ति की सावधानीपूर्वक निगरानी की जा रही है। प्रासंगिक रूप से, स्थिति गंभीर बनी हुई है, और आने वाले हफ्तों में बारिश या बर्फबारी के लिए किसी भी महत्वपूर्ण पूर्वानुमान की कमी से क्षेत्र में पानी की कमी के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चिंताएं पैदा होती हैं। इस बीच, श्रीनगर में स्थानीय मौसम केंद्र ने कहा कि 24 अक्टूबर से मौसम सामान्य रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है, निचले इलाकों में हल्की बारिश और अलग-अलग ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है।

न्यूजीलैंड के अंपायरों ने कश्मीर के क्रिकेट प्रेमियों को खुश कर दिया

जम्मू, 18 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जब सूरज ढलने लगा, तो पट्टन के गुइवा गांव में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। लोग, जिनमें से ज्यादातर क्रिकेट प्रेमी थे, एक-दूसरे से भिड़ गए और सेलिब्रिटी क्रिकेट विशेषज्ञ की एक झलक पाने के लिए एक-दूसरे से भिड़ गए। न्यूज़ीलैंड के क्रिकेट अंपायर बिली बोडेन और रैनमोर मार्टिनेज और निगेल लॉग सहित अन्य अंपायरों ने कश्मीर की अनदेखी जगहों को देखने के लिए गांव का दौरा किया। बोडेन के आने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई और लोग उनके साथ सेल्फी और वीडियो क्लिक करने के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए थे।

कश्मीर में रहने वाले बोडेन लीजेंड्स लीग क्रिकेट के अंपायरों में से एक थे। ट्रैवल एजेंट सुहैल अहमद खान ने बताया कि बिली बोडेन गुलमर्ग में रह रहे थे और उन्होंने गांव के जीवन को देखने की इच्छा जताई। इसलिए हम उन्हें घर ले गए और वे गांव की विशिष्ट संस्कृति को देखकर रोमांचित हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार बोडेन को स्थानीय कालीन सबसे ज़्यादा पसंद आया। खान ने बताया कि बोडेन ने जटिल डिजाइन और जीवंत रंगों की प्रशंसा की, और प्रत्येक टुकड़े में कारीगरों द्वारा डाले गए कौशल और समर्पण के बारे में जाना।

वह कालीन बनाने के बारे में पूछताछ करते रहे। ऐसा लगता है कि उन्होंने इसे पहले कभी नहीं देखा था। लगभग दो घंटे के अपने प्रवास के दौरान, बिली बोडेन ने अपने घर के लिए एक ऐसा कालीन रखने की इच्छा व्यक्त की। स्थानीय लोगों ने क्रिकेट के सबसे मजेदार अंपायर को वाजवान खिलाया। खान का कहना था कि उन्हें रिस्ता, गोश्ताबा, रोगनजोश और कबाब परोसा गया। उन्होंने कश्मीर की पाक कला के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने इन व्यंजनों को प्यार से खाया। उन्होंने केहवा की भी सराहना की।

स्थानीय लोगों की गर्मजोशी और उदारता से प्रभावित होकर, बोडेन ने भविष्य में कश्मीर लौटने की अपनी इच्छा साझा की। उन्होंने निवासियों के साथ रहकर स्थानीय संस्कृति में खुद को और अधिक गहराई से डुबोने की इच्छा व्यक्त की, समुदाय के दृष्टिकोण से जीवन का अनुभव करने के महत्व पर जोर दिया। बोडेन ने कहा कि कश्मीर लुभावना है, और यहाँ के लोग अविश्वसनीय रूप से स्वागत करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वह वापस आकर स्थानीय लोगों के साथ अधिक समय बिताना पसंद करेंगे, उनकी परंपराओं और जीवन शैली के बारे में सीखना चाहेंगे। स्थानीय लोगों ने अपने पसंदीदा अंपायर के साथ बातचीत करके खुशी व्यक्त की। स्थानीय निवासी गुलज़ार अहमद का कहना था कि हम उनके प्रशंसक हैं। जैसे ही हमें बिली बोडेन के बारे में पता चला, हमने मोहल्ले का दौरा किया और उनके साथ तस्वीरें क्लिक कीं।

कश्मीर में बिहार के श्रमिक की हत्या

जम्मू, 18 अक्टूबर (ब्यूरो)।

कश्मीर के शोपियां में आतंकियों ने एक प्रवासी श्रमिक की गोली मारकर हत्या कर दी है। उसका शव खेतों में मिला है। फिलहाल पुलिस का कहना है कि यह हत्या आतंकियों द्वारा की गई है या नहीं इसकी जांच की जा रही है। इस बीच पुलिस और सेना ने पुंछ में एक व्यक्ति को चार हथगोलों के साथ पकड़ा है। इन घटनाओं के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि शोपियां जिले में शुक्रवार को बिहार के रहने वाले एक मजदूर का गोलियों से छलनी शव बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि शव दक्षिण कश्मीर जिले के जैनापोरा के वाची इलाके से बरामद किया गया। बिहारी मजदूर की पहचान अशोक चौहान के रूप में हुई है, जो अनंतनाग के संगम इलाके में रहता था।

उसके एक सहकर्मी ने पत्रकारों को बताया कि वे सुबह सात बजे अपने किराए के कमरे से निकले थे और वह करीब एक घंटे तक उनके साथ था। सहकर्मी ने कहा, जब हम मकई की कटाई कर रहे थे, तब उसे एक फोन आया। उसने हमें बताया कि वह कहीं जा रहा है। जब वह कुछ देर तक नहीं

लौटा, तो हम उसे खोजने गए। हमने उसका नंबर कॉल किया, जो बजता रहा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। फिर हमें उसका शव मिला।

अधिकारियों ने कहा कि शव को चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच पुलिस ने शुक्रवार को पुंछ जिले के सुरनकोट के दुंदक इलाके से ग्रेनेड के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का दावा किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सेना की संयुक्त टीम ने एक संयुक्त अभियान में एक व्यक्ति को संदिग्ध रूप से घूमते हुए देखा, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान गिरफ्तार व्यक्ति के पास से चार ग्रेनेड बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

नेकां का होगा स्पीकर और भाजपा को डिप्टी स्पीकर का ऑफर

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 18 अक्टूबर।

उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) सरकार ने विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उपसभापति पद देने का फैसला किया है हालांकि नेकां के इस फैसले पर भाजपा के महासचिव अशोक कौल ने कहा कि वे उपसभापति पद पर कोई भी निर्णय लेने से पहले विपक्ष के नेता का चुनाव करेंगे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और सात बार के विधायक अब्दुल रहीम राथर के जम्मू कश्मीर विधानसभा के नए अध्यक्ष बनने की संभावना है। जबकि नेकां के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उपसभापति पद देने का फैसला किया है, जो नेशनल कॉन्फ्रेंस के बाद सदन में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है, जो मुख्य विपक्षी दल के रूप में काम करेगी। सरकार के इस फैसले पर पत्रकारों के साथ बात करते हुए भाजपा महासचिव अशोक कौल ने कहा कि विपक्ष को उपसभापति पद देने की प्रथा कोई नई नहीं है। वे कहते थे कि पीडीपी-भाजपा सरकार के दौरान, जब नेकां विपक्ष में थी, तो उसके नेता नजीर

गुरेजी को उपसभापति बनाया गया था। यह अभूतपूर्व नहीं है। हम पहले विपक्ष के नेता का चुनाव करेंगे, और फिर हमारे नेता उपसभापति पद पर फैसला करेंगे।

याद रहे हाल ही में, भाजपा संसदीय बोर्ड ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया, जो जम्मू कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों की देखरेख करते हैं। उनकी भूमिका जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भाजपा के विधायक दल के नेता के चयन की निगरानी करना है। कौल ने इसकी पुष्टि की कि विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए जल्द ही एक बैठक आयोजित की जाएगी, जिसका समन्वय नव नियुक्त पर्यवेक्षकों द्वारा किया जाएगा, संभवतः आने वाले सप्ताह के भीतर। जब डिप्टी स्पीकर पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के बारे में पूछा गया, तो कौल ने कहा कि पार्टी आंतरिक चर्चा के बाद फैसला करेगी।

यह घटनाक्रम 2015 में इसी तरह के एक उदाहरण को दर्शाता है जब दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद के नेतृत्व वाली पीडीपी-भाजपा सरकार ने केवल 15 सीटों की उपस्थिति के बावजूद डिप्टी स्पीकर का पद नेकां को आवंटित किया था। नजीर गुरेजी को डिप्टी स्पीकर चुना गया, जबकि स्पीकर का पद भाजपा के कविंदर गुप्ता के पास था, बाद में डॉ. निर्मल सिंह ने उनका स्थान लिया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस 42 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसने 95 सदस्यीय सदन में अपने गठबंधन सहयोगियों कांग्रेस और सीपीआई (एम) के साथ मिलकर आरामदायक बहुमत हासिल किया है, जिन्होंने क्रमशः छह और एक सीट जीती है। भाजपा ने महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करते हुए 29 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि आम आदमी पार्टी (आपा) ने डोडा निर्वाचन क्षेत्र को सुरक्षित करके जम्मू कश्मीर विधानसभा में अपनी शुरुआत की। चुनावों के अन्य उल्लेखनीय परिणामों में महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी शामिल है, जिसने तीन सीटें जीती हैं, और सज्जाद गनी लोन के नेतृत्व वाली पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (पीसी) और इंजीनियर राशिद के नेतृत्व वाली एआईपी, जिनमें से प्रत्येक ने उत्तर कश्मीर से एक सीट हासिल की है।

मंत्रियों को बाटे गए विभाग

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर सरकार के कामकाज के नियम 4 (2) के अनुसार केंद्र शासित प्रदेश के नए मंत्रियों को औपचारिक रूप से विभिन्न सरकारी विभाग सौंपे। 2024 के क्रमांक 1791-जेके (जीएडी) के तहत आम जानकारी के लिए प्रकाशित आदेश में मंत्रियों को जिम्मेदारियों के आवंटन की रूपरेखा दी गई है। आवंटन का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश के भीतर सुचारू शासन और प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करना है। राजभवन के आदेश में बताया गया कि उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र कुमार चौधरी को लोक निर्माण (आरएंडबी), उद्योग और वाणिज्य, खनन, श्रम और रोजगार और कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख का काम सौंपा गया है। इस बीच, सकीना मसूद को स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और समाज कल्याण सहित कई विभाग सौंपे गए हैं। अन्य उल्लेखनीय कार्यों में जावेद अहमद राणा शामिल हैं, जो जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों का प्रबंधन करेंगे, जबकि जावेद अहमद डार कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभागों के लिए जिम्मेदार होंगे। सतीश शर्मा को खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी युवा सेवा और खेल तथा एआरआई और प्रशिक्षण की देखरेख का काम सौंपा गया है। मंत्रियों को आवंटित नहीं किए गए कोई भी विभाग या विषय मुख्यमंत्री के प्रभार में रहेंगे, जिससे प्रमुख सरकारी गतिविधियों की केंद्रीकृत निगरानी सुनिश्चित होगी।

उमर कैबिनेट में पूर्ण राज्य की बहाली की मांग का प्रस्ताव पारित

जम्मू, 18 अक्टूबर (ब्यूरो)।

प्रदेश में तेजी से बदलते घटनाक्रम ने प्रदेश की जनता में पुनः राज्य का दर्जा पाने की आस जगा दी है। कल जहां सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करने की याचिका को स्वीकार किया तो देर रात प्रदेश सरकार ने कैबिनेट बैठक में राज्य का दर्जा पाने का प्रस्ताव भी पारित कर दिया।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में जम्मू कश्मीर मंत्रिमंडल ने राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित कर दिया है। गुरुवार को देर रात अपनी पहली बैठक के दौरान जम्मू कश्मीर मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार से राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री कुछ दिनों में नई दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रस्ताव सौंपेंगे और उनसे जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह करेंगे।

उमर ने विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि कैबिनेट

की पहली मीटिंग में ही जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा। 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अगले दिन ही उन्होंने प्रस्ताव पास किया। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम सुरेंद्र चौधरी, मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जाविद अहमद डार और सतीश शर्मा भी मौजूद थे। दरअसल, केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था।

यही नहीं प्रदेश की जनता में अब राज्य का दर्जा पा लेने की आस इसलिए भी जग गई है क्योंकि कल ही जम्मू कश्मीर को स्टेटहुड दिलाने की मांग की याचिका सुप्रीम कोर्ट में भी लगी है। जम्मू कश्मीर को दो महीने में पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार भी हो गया है।

एडवोकेट गोपाल शंकर नारायण ने जहूर अहमद भट और खुर्शीद अहमद मलिक की ओर से यह याचिका लगाई है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि वे इस पर सुनवाई करेंगे। और अगर प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाता है जम्मू कश्मीर में बहुत कुछ बदल जाएगा। कानूनविदों के अनुसार, राज्य की विधानसभा को पब्लिक आर्डर यानी सार्वजनिक व्यवस्था और समवर्ती सूची के मामलों में कानून बनाने के अधिकार मिलेंगे। सरकार कोई वित्तीय बिल पेश करती है तो इसके लिए उसे उपराज्यपाल की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी और उप राज्यपाल का पद राज्यपाल के पद में परिवर्तित हो जाएगा।

एंटी करप्शन ब्यूरो और अखिल भारतीय सेवाओं पर राज्य सरकार का पूरा नियंत्रण हो जाएगा। यानी राज्य में अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग राज्य की सरकार के हिसाब से होगी, उस पर राज्यपाल का नियंत्रण नहीं रहेगा। आर्टिकल 286, 287, 288 और 304 में बदलाव से व्यापार, टैक्स और वाणिज्य के मामलों में राज्य सरकार को सभी अधिकार हासिल हो जाएंगे। अभी यूटी में विधायकों की संख्या के 10 परसेंट मंत्री बनाए जा सकते हैं, राज्य का दर्जा बहाल होने से मंत्रियों की संख्या का यह बंधन भी खत्म हो जाएगा और विधायकों की संख्या के 15 परसेंट तक विधायक मंत्री बनाए जा सकेंगे।

हालांकि राज्य का दर्जा देने की प्रक्रिया आसान नहीं है। कैबिनेट से मंजूरी के बाद ही इसे आगे की प्रक्रिया के लिए भेजा जाएगा। राजनीतिक पंडितों के अनुसार, प्रस्ताव को उमर कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब इसे उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। आगे का निर्णय केंद्र सरकार को करना है। पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए केंद्र सरकार ही जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव की प्रक्रिया कर सकती है।

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होंगे। राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे, उसी तारीख से जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा।

कांग्रेस विधायक की आपत्तिजनक भाषा, भाजपा ने दर्ज कराई शिकायत

भोपाल, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के विधायक बाबू जंडेल के भगवान शंकर को लेकर इस्तेमाल की गई आपत्तिजनक भाषा पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई ने शिकायत दर्ज कराते हुए विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पार्टी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने कल शाम पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के नाम एक ज्ञापन भोपाल पुलिस आयुक्त कार्यालय में देकर श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाने की मांग की है। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में कहा है कि विधायक बाबू जंडेल ने जानबूझकर, सोचसमझकर भगवान शंकर के करोड़ों भक्तों के साथ हिंदू धर्म की समस्त मातृशक्ति की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि हिंदू धर्म की करोड़ों माताएं-बहनें भगवान शंकर का व्रत, पूजन व स्तुति करती हैं। बाबू जंडेल का चरित्र महिलाओं के प्रति पूर्व में भी निंदनीय रहा है। विधायक बाबू जंडेल का एक वीडियो कल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें वे कथित तौर पर नशे में दिखाई दे रहे हैं और भगवान शंकर के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुनाई दे रहे हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मचे बवाल के बीच भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से पूछा कि क्या सनातन का अपमान ही कांग्रेस का एजेंडा है। कांग्रेस की सनातन को खत्म करने की मानसिकता दिखाई देती है। कांग्रेस विधायक किस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। राहुल गांधी बताएं कि ये मुहब्बत की दुकान है या गाली की। उन्होंने कहा कि देश कांग्रेस से पूछना चाहता है कि क्या कांग्रेस गाली की दुकान बन गई है। सनातन को खत्म करना और हिंदू देवी देवताओं का लगातार अपमान करना ही क्या पार्टी का एजेंडा है।

यूपी में अपराध के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस

साढ़े सात साल में 80 हजार अपराधियों को मिली सजा

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में सर्वाधिक मृत्युदंड

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराध और अपराधियों की कमर तोड़ रही है। यूपी पुलिस जहां एक तरफ सीधा मुकाबला करते हुए अबतक 210 बदमाशों को ढेर कर चुकी है, वहीं एक बहुत बड़ी संख्या ऐसे अपराधियों की भी है, जिन्हें न्यायालय में पुलिस की प्रभावी पैरवी से बेदम कर दिया गया है। यूपी पुलिस का अभियोजन निदेशालय इसमें अहम रोल अदा कर रहा है। पिछली सरकारों में जहां अभियोजन निदेशालय हाशिये पर रहता था, वहीं योगी सरकार ने इसे खास तरजीह दी है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के विभिन्न न्यायालयों में अभियोजन निदेशालय की प्रभावी पैरवी से पिछले साढ़े सात वर्षों में 80 हजार से

अधिक अपराधियों को उनके गुनाहों की सजा मिल चुकी है।

अभियोजन निदेशालय के एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पिछले साढ़े सात साल में 81,196 से अधिक अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये सजा दिलाई गई है। इनमें 29,196 अपराधियों में से 54 को मृत्युदंड, 3125 अपराधियों को आजीवन कारावास, 9,076 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 16,941 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलाई गई है। इसके अलावा पिछले 16 माह में ऑपरेशन कन्वेंशन के तहत पुलिस और अभियोजन विभाग की ओर से अब तक 52,000 से अधिक अपराधियों को सजा दिलाई जा चुकी है। महिला संबंधी अपराधों में क्रमश: महिलाओं के खिलाफ लैंगिक, बलात्कार, गंभीर अपराध, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य अपराध के मामलों में अगस्त-24 तक 28,700 अपराधियों को सजा दिलाई जा चुकी है। इनमें केवल महिलाओं के खिलाफ लैंगिक, बलात्कार, गंभीर अपराध समेत अन्य अपराध में 16,565 अपराधियों को सजा दिलाई गई है। इन मामलों में 9 अपराधियों को मृत्युदंड, 1,720 को आजीवन कारावास, 4,443 को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 10,393 को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलाई गई है।

एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि पॉक्सो एक्ट के तहत अगस्त-24 तक 12,135 अपराधियों को गुनाहों की सजा दिलाई गई है। इनमें 44 अपराधियों को मृत्युदंड, 1,354 अपराधियों को आजीवन कारावास, 4,599 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 6,138 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलाई गई है। इसी तरह अगस्त-24 तक प्रदेश के दुर्दांत और टॉप 10 कैटेगरी के 496 अपराधियों को सजा दिलाई गई है। इनमें एक अपराधी को मृत्युदंड, 51 अपराधियों को आजीवन कारावास, 34 अपराधियों को 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 410 अपराधियों को 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलाई गई है। वहीं प्रदेश के 69 चिह्नित माफिया अपराधियों एवं उनके गिरोह के खिलाफ 25 मार्च 2022 से 31 अगस्त-24 तक कुल 42 मामलों में 29 अपराधियों को सजा दिलाई गई है। इनमें एक मामले में मृत्युदंड, 5 मामलों में आजीवन कारावास, 7 मामलों में 10 वर्ष से अधिक के कारावास और 29 मामलों में 10 वर्ष से कम के कारावास की सजा दिलाई है।

असीमित क्षमता का प्रदेश है उत्तर प्रदेश

पूरा होगा आर्थिक शक्ति बनने का संकल्प : योगी

2023-24 में 25.48 लाख करोड़ से ज्यादा हो गई जीडीपी

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के संकल्प की पूर्ति की दिशा में जारी प्रयासों, अब तक के परिणामों और भावी नीति पर विमर्श किया। बैठक में विभिन्न मंत्रीगणों, शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, सलाहकारों, विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 10 सेक्टरों में जारी कार्यों की समीक्षा की। कंसल्टिंग एजेंसी डेलॉयट इंडिया ने विस्तार से प्रदेश के आर्थिक परिवेश की वर्तमान स्थिति और संभावित भावी परिणाम, उद्योग जगत की अपेक्षाओं आदि के संबंध में सेक्टरवार विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा, विगत 07 वर्षों के नियोजित प्रयासों से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था आज सार्वकालिक सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है। 2021-22 में प्रदेश की कुल जीडीपी 16.45 लाख करोड़ थी जो आज 2023-24 में 25.48 लाख करोड़ से अधिक हो गई है। इस वर्ष हमारा जीडीपी लक्ष्य 32 लाख करोड़ का है। सभी के सहयोग से यह लक्ष्य भी पूरा होगा। इन 07 वर्षों में जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक हुई है। उत्तर प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

सीएम योगी ने कहा, सेक्टरवार विकास के हमारे प्रयासों के आशातीत परिणाम मिल रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अलग-अलग सेक्टरों के लिए सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) का जो लक्ष्य रखा गया, उसके सापेक्ष अधिक वृद्धि देखी गई है। कृषि और सहायक सेक्टर के लिए अनुमानित जीवीए 5.85 लाख करोड़ के सापेक्ष 5.98 लाख करोड़, विनिर्माण के 2.48 लाख करोड़ के सापेक्ष 2.79 लाख करोड़, ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज और कम्युनिकेशन के अनुमानित जीवीए के सापेक्ष 129% की वृद्धि दर्ज की गई है। स्पष्ट है व्यापार, होटल, परिवहन और प्रसारण से संबंधित संचार सेवाओं की वृद्धि दर में तेजी आई है। ऐसे ही हाल अन्य सेक्टरों में भी है। ओवरऑल 2023-24 में राज्य के लिए अनुमानित जीवीए 23 लाख करोड़ के सापेक्ष सकल मूल्य वर्धन 23.24 लाख करोड़ रहा है। यह स्थिति अर्थव्यवस्था की बेहतर स्थिति को प्रदर्शित करती है।

सीएम ने कहा, 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की प्राप्ति में सभी विभागों की भूमिका महत्व-पूर्ण है। यह लक्ष्य बड़ा है। पिछले वर्ष का रिपोर्ट कार्ड भी विभागों की सक्रियता को प्रदर्शित करता है। हमारी नीति और नियोजन सही है। आवश्यकता है बड़े लक्ष्य के लिए अपनी स्पीड तेज करने की जरूरत है। इसकी रेग्युलर मॉनीटरिंग होनी चाहिए। इसके लिए हर विभाग में इसके लिए एक नोडल अधिकारी नामित किया जाए। नोडल अधिकारी साप्ताहिक, प्रमुख सचिव स्तर पर पाक्षिक और विभागीय मंत्री के स्तर पर मासिक समीक्षा बैठक की जाए।

यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह का विवादास्पद बयान

प्रियंका गांधी की लाइफस्टाइल भारतीय संस्कार के अनुरूप नहीं

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह के कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी पर दिए गए बयान पर एक तरफ कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं तो दूसरी तरफ मंत्री ने एक और बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी की लाइफस्टाइल भारतीय संस्कार और संस्कृति के अनुरूप नहीं हैं। लखनऊ में एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने मंत्री के आवास का घेराव कर नारेबाजी की और अमेठी में विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला जलाया।

मंत्री ने अपने ताजा दिए गए बयान में कहा है कि राजनीतिक सवाल पर राजनीतिक जवाब होता है।

प्रियंका गांधी को चाहिए कि अपने कार्यकर्ताओं से बात करें और उन्हें अपनी बात समझाएं। मेरे लिए भारतीय संस्कार और संस्कृति से युक्त हर नारी मां भगवती के समान है, लेकिन मैं प्रियंका गांधी को भारतीय संस्कार और संस्कृति के अनुरूप नहीं पाता हूं। इसलिए किसी से सहमत और असहमत होना हमारा विचार और हमारा अधिकार है।

उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी हार के डर से रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ रही हैं वायनाड से चुनाव लड़ रही हैं। हम लोगों की यह

परंपरा है कि चुनाव की शुरुआत हर कोई अपने घर से करता है किंतु पूरे गांधी परिवार का एक भी व्यक्ति कभी भी अपने जन्मस्थान और निवास से चुनाव नहीं लड़ा। गांधी परिवार पीढ़ियों से दिल्ली के लुटियंस जोन में रहता आया है लेकिन कभी भी दिल्ली की किसी भी विधानसभा या फिर लोकसभा सीट से चुनाव नहीं लड़ा। इसका मतलब है कि आपके अपने ही घर की जनता आपको प्रेम नहीं करती है तभी आप बाहर से चुनाव लड़ते हैं।

इसके पहले उन्होंने प्रियंका गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने को लेकर टिप्पणी की थी जिस पर कांग्रेस नेताओं ने लखनऊ स्थित उनके आवास के बाहर प्रदर्शन करते हुए मुख्य द्वार पर चोर-बेईमान लिख दिया था। उधर, शुक्रवार को अमेठी में मंत्री के बयान पर युवक कांग्रेस ने गौरीगंज कस्बे के हनुमान तिराहे पर दिनेश प्रताप सिंह का पुतला फूंककर जमकर नारेबाजी की। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने दो दिन पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को लेकर एक्स पर एक पोस्ट किया था और लिखा था कि अंततः लड़की लड़ नहीं पाई और भाग ही गई वहां जहां लड़ना न पड़े, बूढ़ी जो हो गई है। राज्यमंत्री द्वारा पोस्ट करते ही कांग्रेस के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने वीडियो जारी कर दिनेश सिंह की आलोचना की। राज्यमंत्री के बयान पर कांग्रेसियों में आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष शुभम सिंह के नेतृत्व गौरीगंज कस्बे के हनुमान तिराहे पर राज्यमंत्री दिनेश सिंह का पुतला फूंककर नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष शुभम सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दिनेश सिंह ने अमेठी की बेटी प्रियंका गांधी को लेकर अभद्र टिप्पणी की है जिससे कांग्रेसियों और अमेठी की जनता में जबरदस्त आक्रोश है। इसी को लेकर आज विरोध प्रदर्शन करते हुए दिनेश सिंह का पुतला फूंका गया है।

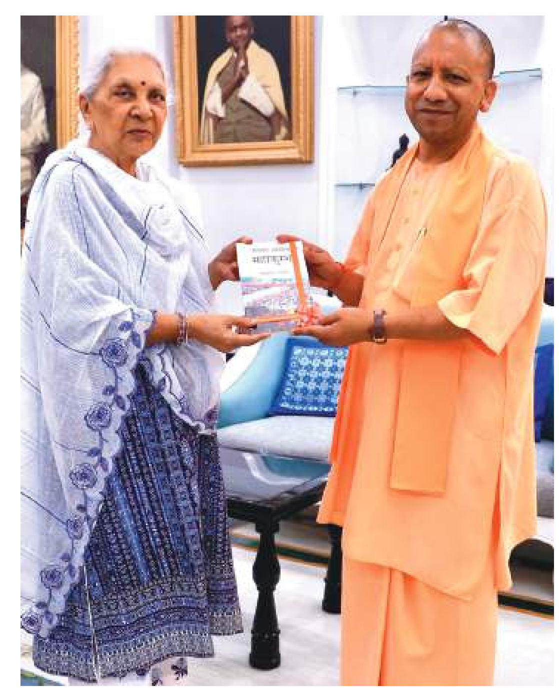

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें विवेकानंद तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक सनातन-समागम महाकुम्भ की प्रति भेंट की

अनाथालय के बाथरूम की खिड़की काटकर भागीं 9 किशोरियां

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के अलीगंज के सेक्टर-आई स्थित श्रीराम औद्योगिक अनाथालय से शुक्रवार तड़के 9 किशोरियां बाथरूम की खिड़की काटकर भाग निकलीं। पुलिस ने किसी तरह सीसीटीवी कैमरों की मदद से दो किशोरियों को बरामद किया जबकि सात का पता नहीं चल सका है। पुलिस की टीमें उनकी तलाश में लगी हैं। इस संबंध में अलीगंज थाने में केस भी दर्ज किया गया है।

एसीपी अलीगंज ब्रज नारायण सिंह ने बताया कि सेक्टर आई गोयल चौकी के पास श्रीराम

औद्योगिक अनाथालय है। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे के आसपास इस अनाथालय में रहने वाली 9 किशोरियां बाथरूम में लगी लकड़ी की खिड़की काटकर भाग निकलीं।

अनाथालय शासन ने सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे चेक किया और फुटेज की मदद से दो किशोरियों को पुरनिया पुल के पास से सकुशल बरामद किया। वहीं, सात किशोरियों का पता नहीं चल सका है।

एसीपी ने बताया कि पुलिस की टीमें उनकी तलाश में लगी हैं। जगह-जगह रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। इसके अलावा बस अड्डे व रेलवे स्टेशन पर भी पुलिस की टीमें भेजी गई हैं। किशोरियों के भागने के संबंध में अनाथालय प्रशासन की तरफ से अलीगंज थाने में केस दर्ज कराया गया है। इंस्पेक्टर अलीगंज ने बताया कि भागी हुई सभी किशोरियां अलग-अलग मुकदमों में आरोपी हैं।

लव-जेहादियों को मुस्लिम लड़की का हिंदू लड़के से प्रेम बर्दाश्त नहीं

दिवाकर की ईरानी पत्नी फायजा को मिली धमकी

देश छोड़ दो अन्यथा दोनों को मार दिया जाएगा

मुरादाबाद, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद के दिवाकर से प्रेम विवाह करने वाली ईरान की फायजा मिल रही धमकियों से परेशान हैं। कुछ लोग उन्हें भारत छोड़ने की धमकी दे रहे हैं। इस डर के कारण फायजा ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुरादाबाद के दिवाकर से शादी करने वाली ईरान की युवती फायजा को सोशल मीडिया पर लगातार धमकियां मिल रही हैं। फायजा को भारत छोड़ने की

धमकी दी जा रही है। उन्होंने एसएसपी सतपाल अंतिल से मिलकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। दिवाकर ने बताया कि शादी की खबरें सामने आने के बाद पत्नी फायजा को सोशल मीडिया पर धमकी भरे मैसेज मिलने लगे हैं। इनमें कहा जा रहा है कि वह भारत छोड़कर वापस ईरान चली जाएं। कुछ संदेशों में जाकिर नाइक के वीडियो देखने की बात भी कही जा रही है।

फायजा ने एसएसपी सतपाल अंतिल को एक शिकायती पत्र दिया है। इसमें उन्होंने सोशल मीडिया पर मिल रही धमकियों का जिक्र किया है। फायजा ने कहा कि इन धमकियों से वह और उनका परिवार बेहद परेशान हैं। उन्होंने पुलिस से तुरंत सुरक्षा की मांग की है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी को जांच के आदेश दिए हैं। एसपी सिटी ने बताया कि फायजा ने सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और धमकियों के संबंध में शिकायत की है। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है, और दोषियों के खिलाफ जल्द ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिवाकर और फायजा का कहना है कि जैसे-जैसे यह मामला मीडिया में आया, धमकियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पहले केवल कुछ ही मैसेज आ रहे थे, लेकिन अब लगातार धमकी दी जा रही है।

फायजा ने बताया कि वह अब डर के साये में जी रही हैं। एक ही धर्म के लोगों द्वारा दी जा रही धमकियों में फायजा को निशाना बनाया जा रहा है। क्योंकि उन्होंने एक हिंदू युवक से शादी की है। सोशल मीडिया पर उन्हें अपमानित करने और देश छोड़ने के लिए मजबूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है और जांच में जुटी है। अब पुलिस की जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि धमकियां देने वाले कौन लोग हैं।

मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव याचिका वापस लेने का फैसला टला

हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को नोटिस भेजने का आदेश दिया

लखनऊ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर लंबित चुनाव याचिका को वापस लेने की अपील पर गुरुवार को फैसला नहीं हो सका। 2022 विधानसभा चुनाव के बाद सपा नेता अवधेश प्रसाद के खिलाफ हाइकोर्ट की लखनऊ पीठ में याचिका दाखिल की गई थी जिसके लंबित होने के कारण चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर सीट पर चुनाव की घोषणा नहीं की थी। याचिका दाखिल करने वाले भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ ने याचिका वापस लेने की अपील की थी जिस पर अदालत ने एक हफ्ते में अधिकृत गजट प्रकाशित करने का आदेश दिया। गजट प्रकाशित होने के 15 दिन बाद मामले की सुनवाई होगी।

न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने भाजपा नेता गोरखनाथ की याचिका वापस लेने की अपील पर यह आदेश गुरुवार को सुनाया। अदालत ने 2022 विधानसभा चुनाव के सभी प्रत्याशियों को नोटिस भेजने का आदेश दिया साथ ही याची को एक हफ्ते के अंदर अधिकृत गजट प्रकाशित करने

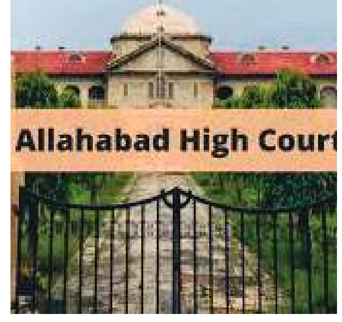

का भी आदेश दिया। भाजपा नेता के अधिवक्ता संदीप यादव ने बताया कि चुनाव याचिका वापस लेने की अपील पर सपा नेता अवधेश प्रसाद के अधिवक्ता ने विरोध जताया। विपक्षी अधिवक्ता का कहना था कि मामले से जुड़े सभी पक्षों को नोटिस भेजी जानी चाहिए। चुनाव याचिका दाखिल करते समय सभी पक्षों को नोटिस भेजी गई थी। यदि किसी पक्ष को अपनी बात कहनी होती तो वह अदालत पहुंच सकता था। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेशानुसार अधिकृत गजट का प्रकाशन एक-दो दिन में कर दिया जाएगा। 2022 विधानसभा चुनाव में अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर सपा नेता अवधेश प्रसाद ने भाजपा नेता बाबा गोरखनाथ को 13 हजार से ज्यादा मतों से हराया था। इन दोनों के अलावा कांग्रेस से ब्रजेश कुमार, बसपा से मीरा देवी, मौलिक अधिकार पार्टी से राधेश्याम और निर्दलीय प्रत्याशी शिवमूर्ति ने चुनाव लड़ा था। भाजपा नेता ने याचिका वापस लेने के बाद चुनाव आयोग से अन्य 9 सीटों के साथ मिल्कीपुर विधानसभा में चुनाव कराने के लिए अनुरोध करने की बात कही थी। अदालत में बृहस्पतिवार के फैसले के बाद अन्य सीटों के साथ चुनाव की संभावना कम हो गई है।

संपादकीय

आतंकवाद पर अकेली आवाज

आतंकवाद अलगाववाद, चरमपंथ के साथ-साथ संवाद, सहयोग और कारोबार नहीं चल सकते। यह भारत की बुनियादी सोच है। बेशक हम पाकिस्तान के संदर्भ में यह सोच दोहराते रहे हैं, लेकिन इस बार 'शंघाई सहयोग संगठन' का मंच था, जिस पर पाकिस्तान और चीन के अलावा कुछ और राष्ट्र भी थे। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किसी भी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन एक बार फिर पाकिस्तान को 'आतंकीस्तान' करार दे दिया। दुनिया जानती है कि आतंकवाद का पर्याय कौनसा देश है। 'शंघाई सहयोग संगठन' के जरिए जिस क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक मदद, आपसी कारोबार, ऊर्जा, डिजिटल सहयोग, क्षेत्रीय एकजुटता आदि की अपेक्षाएं की जा रही हैं, वे आतंकवाद के रहते हुए संभव नहीं हैं, लिहाजा इस अंतरराष्ट्रीय संगठन का मकसद नाकाम होता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने चौतरफा विकास के लिए वास्तविक साझेदारी, शांति और स्थिरता के महत्व पर अपना पक्ष रखा। यदि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आतंकवाद जारी रहता है, तो कमोबेश देशों के बीच शांति, स्थिरता और ईमानदारी की स्थितियां बरकरार नहीं रह सकतीं। तो फिर इस संगठन का औचित्य ही क्या है? इस संगठन की स्थापना 15 जून, 2001 को चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान द्वारा शंघाई में की गई थी। समय के साथ इसका विस्तार हुआ और भारत, पाकिस्तान, ईरान सरीखे देश जुड़ते गए। इस बार पाकिस्तान में 'शंघाई सहयोग संगठन' की शासनाध्यक्ष परिषद की 23वीं बैठक हुई थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की तरफ से शिरकत की, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी अन्य कार्यों में व्यस्त थे। जयशंकर जैसे भाव 2015 में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने, पाकिस्तान की जमीं पर ही, व्यक्त किए थे, लेकिन इन 9 सालों में कुछ भी बदलाव नहीं हुआ। पाकिस्तान का सीमापार आतंकवाद आज भी जारी है और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद तथा आम सभा में पाकिस्तान के आतंकवाद का बचाव करता रहा है, लिहाजा चीन भी आतंकवाद में भागीदार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की 'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना को भी खारिज किया है, क्योंकि यह गलियारा पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। यह कश्मीर भी बुनियादी तौर पर भारत का ही है। आज भी हमारे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद सक्रिय है। घटनाएं हर रोज हो रही हैं। इस गलियारे के जरिए आतंकवाद की भी मदद की जा सकती है। हालांकि 'शंघाई सहयोग संगठन' की बैठक के अंत में जारी एक साझा विज्ञप्ति में रूस, बेलारूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान आदि देशों ने चीनी संपर्क पहल, 'वन बेल्ट वन रोड', के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की है। साफ है कि चीन पाक आर्थिक गलियारे के मुद्दे पर इस संगठन के अधिकतर देश भारत के निर्णय के विरोधी हैं। तो शंघाई सहयोग संगठन में भारत की मौजूदगी के फायदे क्या हैं? संगठन के लगभग सभी देशों के साथ, पाकिस्तान को छोड़ कर, भारत के व्यापारिक, सांस्कृतिक, राजनयिक रिश्ते हैं। शंघाई के कारण उनमें इजाफा नहीं हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकवाद जैसे मुद्दे पर भारत अकेली आवाज है, लेकिन उसकी गूंज 'आसमानी' है। भारत ने आतंकवाद को कई और वैश्विक मंचों पर उठाया है। उसे साझा घोषणा-पत्र में शामिल किया गया है। यदि वर्षों से भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत बंद है, तो उसकी बुनियादी वजह आतंकवाद ही है। भारत के प्रति पाकिस्तान का दुश्मनी और नफरत वाला व्यवहार किसी से छिपा नहीं है। जब शंघाई जैसे मंच पर आतंकवाद को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, पाकिस्तान आतंकवाद को अब भी कबूल नहीं करता, तो संबंधों में सुधार कैसे संभव है।

बेशक हम पाकिस्तान के संदर्भ में यह सोच दोहराते रहे हैं, लेकिन इस बार 'शंघाई सहयोग संगठन' का मंच था, जिस पर पाकिस्तान और चीन के अलावा कुछ और राष्ट्र भी थे। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने किसी भी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन एक बार फिर पाकिस्तान को 'आतंकीस्तान' करार दे दिया। दुनिया जानती है कि आतंकवाद का पर्याय कौनसा देश है। 'शंघाई सहयोग संगठन' के जरिए जिस क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक मदद, आपसी कारोबार, ऊर्जा, डिजिटल सहयोग, क्षेत्रीय एकजुटता आदि की अपेक्षाएं की जा रही हैं, वे आतंकवाद के रहते हुए संभव नहीं हैं, लिहाजा इस अंतरराष्ट्रीय संगठन का मकसद नाकाम होता है। विदेश मंत्री जयशंकर ने चौतरफा विकास के लिए वास्तविक साझेदारी, शांति और स्थिरता के महत्व पर अपना पक्ष रखा। यदि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आतंकवाद जारी रहता है, तो कमोबेश देशों के बीच शांति, स्थिरता और ईमानदारी की स्थितियां बरकरार नहीं रह सकतीं।

पूरे राज्य में सैकड़ों घटनाएं ऐसी हुई जब भाजपा प्रत्याशी को चुनाव प्रचार बीच में छोड़कर ही वापस आना पड़ा

हरियाणा चुनाव परिणाम : इस घर को आग लग गई घर के चिराग़ से

निर्मल रानी

राज्य में भाजपा विरोधी लहर के कई प्रमुख ठोस कारण थे। इनमें पहला सबसे बड़ा कारण इस कृषि बाहुल्य राज्य के किसानों की भाजपा से ज़बरदस्त नाराज़गी थी। साथ ही अग्निवीर योजना को लेकर भी यहाँ के युवाओं में काफ़ी रोष था। महिला पहलवानों के अपमान को लेकर भी राज्य में काफ़ी नाराज़गी थी। यह नाराज़गी केवल किसी पूर्वाग्रही पक्ष द्वारा प्रचारित की जा रही ज़बरदस्ती या दिखावे की नाराज़गी नहीं थी बल्कि जनता का यह रोष उस समय सिर चढ़कर बोलता था जबकि जनता के इसी विरोध के चलते राज्य के अधिकांश भाजपा उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार के दौरान जनता के विरोध प्रदर्शनों व काले झंडों का सामना करना पड़ता था।

हरियाणा व जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव परिणाम आ चुके हैं। कश्मीर में जहां कांग्रेस – नेशनल कॉन्फ्रेंस (इंडिया) गठबंधन ने जीत हासिल की है वहीं हरियाणा में कांग्रेस के दस सालों बाद सत्ता में वापसी की लगाई जा रही तमाम अटकलों, संभावनाओं, भविष्यवाणियों यहाँ तक कि लगभग सभी एजेंसियों द्वारा दिए जा रहे एग्ज़िट पोल के बावजूद भारतीय जनता पार्टी राज्य के इतिहास में पहली बार एक ऐसा राजनैतिक दल साबित हुआ जिसने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की हो। राज्य में भाजपा विरोधी लहर के कई प्रमुख ठोस कारण थे। इनमें पहला सबसे बड़ा कारण इस कृषि बाहुल्य राज्य के किसानों की भाजपा से ज़बरदस्त नाराज़गी थी। साथ ही अग्निवीर योजना को लेकर भी यहाँ के युवाओं में काफ़ी रोष था। महिला पहलवानों के अपमान को लेकर भी राज्य में काफ़ी नाराज़गी थी। यह नाराज़गी केवल किसी पूर्वाग्रही पक्ष द्वारा प्रचारित की जा रही ज़बरदस्ती या दिखावे की नाराज़गी नहीं थी बल्कि जनता का यह रोष उस समय सिर चढ़कर बोलता था जबकि जनता के इसी विरोध के चलते राज्य के अधिकांश भाजपा उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार के दौरान जनता के विरोध प्रदर्शनों व काले झंडों का सामना करना पड़ता था। पूरे राज्य में सैकड़ों घटनाएं ऐसी हुईं जबकि भाजपा प्रत्याशी को चुनाव प्रचार बीच में छोड़कर ही वापस आना पड़ा। भाजपा के बड़े से बड़े स्टार प्रचारकों को सुनने के लिये जुटने वाली कम भीड़ भी यही इशारा कर रही थी कि राज्य के मतदाता भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिये कमर कस चुके हैं। कांग्रेस ने तो इन नतीजों को परिभाषित करते हुये कहा है कि – 'यह तंत्र की जीत और लोकतंत्र की हार है, हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। और 'हम इन सारी शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग जाएंगे।' बहरहाल जो विश्लेषक व समीक्षक कल तक हरियाणा में कांग्रेस को प्रचंड बहुमत दिला रहे थे और भाजपा को 15 से बीस सीटों पर धकेल रहे थे वही लोग अब भाजपा की अप्रत्याशित वापसी के कारण खोजने में जुट गए हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने ग़ैर जाट वोट बैंक तैयार कर उनका ध्रुवीकरण इतनी

ख़ामोशी व चतुराई से किया कि विपक्ष उसे भांप ही नहीं पाया। राज्य में कांग्रेस नेताओं की आपसी कलह को भी कुछ लोग इस हार का ज़िम्मेदार बता रहे हैं। परन्तु हक़ीक़त यह है कि हरियाणा में भाजपा की वापसी का सबसे बड़ा कारण भाजपा विरोधी मतों का विभाजन है। ख़ासकर आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आज़ाद पार्टी (चंद्रशेखर रावण), जन नायक जनता पार्टी, इनेलो जैसे दल जोकि भाजपा विरोधी स्वरों के साथ चुनाव तो ज़रूर लड़े परन्तु हक़ीक़त में इनके मतों के विभाजित होने के कारण ही भाजपा बहुमत के आंकड़े तक पहुँच सकी। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी जोकि इण्डिया गठबंधन का हिस्सा भी है उसने तो हठधर्मिता की सभी हदें पार करते हुये राज्य की सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिये। परिणाम यह निकला कि उसके तो सभी उम्मीदवारों की ज़मानत ज़ब्त हो गयी। परन्तु इससे भाजपा को यह फ़ायदा ज़रूर हुआ कि भाजपा ने अनेक सीटों पर मात्र 2-3 हज़ार मतों से जीत दर्ज की। यानी उतने ही वोट आप ले गयी। यदि कांग्रेस के साथ आप का सीट बंटवारा हो गया होता और आप अपनी हैसीयत से अधिक सीटों के लिए ज़िद न करती तो नतीजे कुछ और ही हो सकते थे। मज़े की बात तो यह भी है कि इन चुनावों को केजरीवाल ने अपनी ईमानदारी का प्रमाणपत्र समझ रखा था। उन्होंने कहा था कि 'इन चुनावों में देश की जनता अपने वोट के माध्यम से ही यह बताएगी कि हम कितने ईमानदार हैं।' तो अब हरियाणा में आप के सभी प्रत्याशियों की ज़मानत ज़ब्त होने का क्या अर्थ निकाला जाये? आप के चुनावी मैदान में उतरने और सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के फ़ैसले को राज्य के मतदाताओं ने केजरीवाल की ईमानदारी या भ्रष्टाचार पर जनमत संग्रह के रूप में तो नहीं देखा हाँ चुनाव पूर्व केजरीवाल की ज़मानत होना और हरियाणा में कांग्रेस से समझौता न कर सभी सीटों पर आप के चुनाव लड़ने के फ़ैसले को आप को भाजपा की सहयोगी यानी बी टीम के रूप में ज़रूर देखा। जिसका नतीजा आप को बुरी तरह भुगतना पड़ा। इसी तरह मायावती की बसपा व आज़ाद समाज पार्टी ने भी अपने प्रत्याशी उतारकर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को ही मदद पहुंचाई। सवाल यह है कि पिछले लोकसभा चुनावों में जब इण्डिया गठबंधन की एकता यह साबित कर चुकी थी कि जिन जिन राज्यों में भाजपा के मुक़ाबले में इण्डिया गठबंधन का एक ही उम्मीदवार चुनाव लड़ा ऐसे अनेक सीटों पर इण्डिया गठबंधन को सफलता मिली और जहाँ जहाँ इण्डिया गठबंधन बिखरा रहा वहां वहाँ उसे ज़्यादा नुक्सान हुआ। भाजपा ख़ुद भी यह अच्छी तरह जानती है कि विपक्ष के एक के मुक़ाबले अपना एक प्रत्याशी लड़वाकर उसे आसानी से जीत नहीं मिल सकती। इसलिये वह इण्डिया के उन घटक दलों के प्रति नर्म रुख़ से पेश आती है जो इण्डिया गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़कर चुनावी संघर्ष को त्रिकोणीय या चतुर्थकोणीय बनाने की क्षमता रखते हैं। कांग्रेस के लिये भी यह गहन चिंतन का समय है। जिस तरह चुनाव परिणाम आने से पहले चुनाव के दौरान ही मुख्यमंत्री पद को लेकर 'सूत न कपास, जुलाहों में लट्ठम लट्ठ' जैसी स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। इतना ही नहीं बल्कि राज्य कांग्रेस के मुख्य मंत्री पद के दावेदार कुछ प्रमुख नेता अत्यधिक आत्मविश्वास में डूबे हुये अपने परिजनों व अपने समर्थकों को टिकट दिलाने की जुगत भिड़ा रहे थे यहाँ तक कि जातिगत दुर्भावना फैलाने तक की ख़बरें आने लगीं, इन बातों से भी कांग्रेस को नुक्सान उठाना पड़ा। राहुल गांधी ने भी अपनी तरफ़ से राज्य में चुनावी माहौल कांग्रेस के पक्ष में तैयार करने में कोई क़सर न छोड़ी। परन्तु पार्टी के नेताओं की आपसी फूट, उनका अत्यधिक आत्म विश्वास और इण्डिया गठबंधन का पूरी मज़बूती के साथ खड़े न होना यानी भाजपा विरोधी मतों का विभाजन कांग्रेस की हार व भाजपा की विजय का कारण बना।

दृष्टि कोण

प्रशिक्षक कैडर के साथ अन्याय क्यों

फिजिकल व अन्य विषय पढ़ाने के लिए उस विषय का दक्ष शिक्षक नियुक्त होता है। जिन खेलों में हम विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की बात करते हैं, उनके लिए भारत में कितने प्रशिक्षक नियुक्त हैं? किसी भी विषय को सही तरीके से पढ़ाने के लिए उस विषय का शिक्षक जरूरी होता है। उसी तरह हर खेल को सिखाने के लिए उस खेल का प्रशिक्षक चाहिए होता है। विद्यालयों व महाविद्यालयों में नियुक्त शारीरिक शिक्षा के शिक्षक इस कार्य को नहीं कर सकते हैं। इसलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ। आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल परिणाम अपने उच्च स्तर तक पहुंच गए हैं। इस स्तर को प्राप्त करने के लिए राज्य में जहां जिस जिस खेल की सुविधा उपलब्ध है, वहां पर उस खेल का प्रशिक्षक नियुक्त होना चाहिए। आज हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड उपलब्ध हैं। वहां पर सम्मानजनक तरीके से प्रशिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में प्रशिक्षकों की पदोन्नति व पूर्व सैनिक आरक्षित पदों पर नियुक्त प्रशिक्षकों का दशकों बाद भी वेतन निर्धारण नहीं हुआ है। हिमाचल प्रदेश में खेलों के उत्थान के लिए अस्सी के दशक के शुरू में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन हुआ। इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है। केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाए हैं। उपनिदेशक और कभी-कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है। दो वर्ष पूर्व हुई एक उपनिदेशक की सेवानिवृत्ति के बाद अब तक हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के पास कोई भी उपनिदेशक नहीं है। नियमित जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी भी केवल चुनिंदा ही जिलों में हैं। राज्य के शेष जिलों में कामचलाऊ अधिकारी बिठा रखे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्दी ही उपनिदेशक के पद पर नियमित पदोन्नति की जाए तथा जिलों में भी नियमित अधिकारी हों। इस समय जो प्रशिक्षक जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी के पद पर तदर्थ कार्य कर रहे हैं, उन्हें एकमुश्त नियमों में छूट देकर नियमित अधिकारी बना दिया जाए। विभाग में नाममात्र के प्रशिक्षक हैं। अधिकतर खेलों में तो एक भी प्रशिक्षक पूरे जिले के लिए उपलब्ध नहीं है। विभाग में जो प्रशिक्षक नियुक्त हैं, उन्हें कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर नियुक्ति मिली है। उसके बाद वे सेवानिवृत्ति तक भी प्रशिक्षक नहीं बन पाए हैं। विभाग में नियुक्त प्रशिक्षकों को जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए केवल 25 प्रतिशत ही कोटा है। 50 प्रतिशत युवा संयोजक व 25 प्रतिशत पद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं। प्रशिक्षक बनने की योग्यता बहुत कठिन है। स्नातक डिग्री के साथ जो प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हो या तीन बार वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हुआ हो या शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में खेला हो, उसके बाद राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान में प्रवेश परीक्षा पास कर एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण व शिक्षण के बाद प्रशिक्षक बनता है। पिछली बार हुई भर्ती में विभाग ने नियमों को ठेंगा दिखा कर छह सप्ताह में प्रशिक्षण पूरा किए सर्टिफिकेट कोर्स वाले को प्रशिक्षक भर्ती कर दिया है। सेवा नियमों में एक समय एमपी एड के साथ कंडेंस कोर्स जो छह माह का होता था, उसे पास किया हुआ प्रशिक्षक के पद के लिए योग्य था, न कि छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स किया हुआ। भविष्य में इस तरह का गोलमाल नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे हिमाचल प्रदेश की खेल जगत में काफी खिल्ली उड़ी है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश में नियुक्त कनिष्ठ प्रशिक्षकों को पांच साल के बाद प्रशिक्षक के पद पर पदोन्नति कर 50 प्रतिशत कोटा जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए दिया जाए, क्योंकि प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है। अगर हर खेल में जिला स्तर पर पांच प्रशिक्षक भी हों तो प्रशिक्षकों की संख्या सौ से भी अधिक जा सकती है। इसके मुकाबले बारह जिलों में बारह ही युवा संयोजक नियुक्त हैं। इस तरह देखा जाए तो यह प्रशिक्षकों के साथ बहुत अन्याय है। प्रदेश में विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तो पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल के कार्यकाल में बन गई थी, मगर उनका न तो सही रखरखाव है और न ही उन पर उस स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम हो रहा है।

कुछ अलग

ऊष्मावान लेखक...

दो साहित्यकार थे। दोनों पक्के दोस्त थे। एक का नाम मगन लाल तथा दूसरे का नाम छगन लाल था। दोनों स्वयं को साहित्य का सपूत तथा महान लेखक मानने की भूल भी पाले हुए थे। एक साहित्यिक गोष्ठी में मैंने दोनों को देखा, दोनों मित्रधर्म का निर्वाह बखूबी कर रहे थे। मगन लाल ने छगन लाल को महान बताया तो छगन लाल ने मगन लाल को एक मात्र ऊर्जावान लेखक ठहराया। उन दोनों का मानना था कि राज्य में तमाम साहित्यकारों की ऊर्जा समाप्त हो गई है तथा यदि ऊष्मा बची है तो केवल उन दोनों के पास। उनका तर्क था कि लघु पत्रिकाएं बंद हो जाने से साहित्य की बहुत हानि हुई है, यदि आज वे होतीं तो वे दोनों अपनी रचनाएं उनमें छपवाकर अपनी ऊष्मा को और अधिक तेज बनाए रखते। परंतु व्यावसायिक पत्र-पत्रिकाओं के दलदल में फंसकर साहित्य का सत्यानाश हो गया है तथा उनके लिए व्यर्थ का 'काम्पीटीशन' बढ़ गया है। मित्रों की लघु पत्रिकाओं में छपना आसान होता है तथा उन्हें किसी संघर्ष व साधना की जरूरत नहीं होती। मैं सदैव महान साहित्यकारों का अनुगामी रहा हू तथा उनसे कुछ सीखने की लालसा भी रखता हूं। इसलिए एक दिन मैंने उनसे साक्षात्कार का मूड बनाया और जा पहुंचा छगन लाल जी के निवास पर। मगन लाल जी भी वहीं मिल गए। दोनों पहुंची हुई आत्माओं को एक साथ पाकर मन गदगद हो गया। दोनों को सादर प्रणाम के बाद मैंने अपना मंतव्य बताया तो वे बल्लियों उछल गए और बोले, 'भाई पूछो, हम तो साहित्य-चर्चा को सदैव लालायित रहते हैं।' मैंने कहा, 'मगन लाल जी साहित्य में बड़ा घान-मसान हो रहा है, आपकी क्या राय है इस बारे में?' मनचाहा प्रश्न पाकर खुल पड़े दोनों। एक साथ ही बिलबिलाए, 'वाह, शर्मा जी क्या प्रश्न पूछा है आपने भी। व्यावसायिक लेखकों ने साहित्य की तो कब्र खोदकर ही धर दी है। हर कोई लेखक बन गया है। किसी जमाने में हम दो-चार लेखक थे। आज दो-चार सौ हो गए हैं। इतनी संख्या में भी कोई लेखक होते हैं? परंतु दुर्भाग्य साहित्य का कि हर ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा साहित्य लिखने लगा है। लोगों की किताबें आने लगी हैं। पच्चीस कविताएं लिखीं कि कविता संकलन छपा डालेंगे। हम दोनों को देखो, अभी तक एक पुस्तक भी नहीं आई है। हम अभी तक अपने लेखन को धार दे रहे हैं तथा ऊष्मा प्रदान कर रहे हैं।' 'यह ऊष्मा से आपका क्या तात्पर्य है?' मगन लाल मेरी नासमझी पर कुटिलता से हंसे और बोले-'यह थोड़ा साहित्यिक मसला है -शर्मा जी। आप नहीं समझेंगे। फिर भी मैं आपको समझाऊं, मानवीय व सामाजिक संवेदनाओं से जुड़ी रचनाओं की गर्मी को ऊष्मा कहते हैं। आज पत्रिकाओं की स्थिति को देखिए-हर किसी की रचनाएं छप रही हैं।' 'तो क्या, ये लोग जो छप रहे हैं, वे लेखक नहीं हैं?' मैंने पूछा। 'हो सकता है वे अपने आप को लेखक मानते हों, लेकिन हम नहीं मानते।' इस बार छगन लाल बोले। 'लेकिन क्यों?' 'वह इसलिए कि उनकी रचनाओं में ऊर्जा नहीं है। वे सर्वहारा के दर्द को समझ ही नहीं रहे हैं।' मैं बोला-'जो भी लिखता है, वह अपने आसपास को देखकर ही लिखता है, इसलिए यह कैसे हो सकता है कि उनमें सामाजिक संवेदना ही नहीं है।' 'होगा, लेकिन वैसी ऊष्मा नहीं है, जैसी मेरी व छगन लाल जी की रचनाओं में पाई जाती है।' फिर वे छगन लाल जी से 'हां' भरवाने के लिए बोले-'क्यों छगन लाल जी, मैं सत्य ही कह रहा हूं न।'

देश दुनिया से

मनुष्यता की पराजय का दंश न झेले देश

सांप्रदायिकता की आग को हवा देकर मनुष्य को मनुष्य से दूर करने का 'खेल' हमारी राजनीति का आजमाया हुआ हथियार रहा है। आज़ादी से पहले और आज़ादी प्राप्त करने के बाद भी अक्सर हमारे यहां धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम राजनीतिक ताकतें करती रही हैं। यह खतरनाक 'खेला' कितना राजनीतिक लाभ देता है या दे सकता है, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। सच तो यह है कि सांप्रदायिकता और जातीयता के नाम पर वोटों की राजनीति सब कर रहे हैं। क्या यह सच्चाई नहीं है कि हमारे राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन का आधार 'जीतने की संभावना' को बताकर जातीयता या धर्म का ही सहारा लेते हैं।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में जो कुछ हुआ और हो रहा है वह कोई नई बात नहीं लग रही। सांप्रदायिकता की आग को हवा देकर मनुष्य को मनुष्य से दूर करने का 'खेल' हमारी राजनीति का आजमाया हुआ हथियार रहा है। आज़ादी से पहले और आज़ादी प्राप्त करने के बाद भी अक्सर हमारे यहां धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम राजनीतिक ताकतें करती रही हैं। यह खतरनाक 'खेला' कितना राजनीतिक लाभ देता है या दे सकता है, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। सच तो यह है कि सांप्रदायिकता और जातीयता के नाम पर वोटों की राजनीति सब कर रहे हैं। क्या यह सच्चाई नहीं है कि हमारे राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन का आधार 'जीतने की संभावना' को बताकर जातीयता या धर्म का ही सहारा लेते हैं। कौन-सा दल ऐसा है जो अपना उम्मीदवार तय करने के लिए यह नहीं देखता कि क्षेत्र विशेष में किस जाति या धर्म के लोग अधिक प्रभावशाली हैं? यह एक पीड़ादायक सच्चाई है कि विविधता में अपनी ताकत देखने वाला हमारा देश धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्रीयता आदि के आधार पर भीतर ही भीतर लगातार बंटता जा रहा है? हमारे राजनेता कुछ भी कहें, पर राजनीतिक नफे-नुकसान का गणित अक्सर इन्हीं आधारों पर तय होता है। यह एक शर्मनाक सच्चाई है। पर कितनों को शर्म आती है इस सच्चाई पर? सच तो यह है कि हम इस सच्चाई से रूबरू होना ही नहीं चाहते। यदि ऐसा न होता तो कभी तो हम अपने राजनेताओं से पूछते कि उनकी कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है? क्यों अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए वे धर्म या जाति के नाम पर बंटने के खतरों को समझना नहीं चाहते? आज भाजपा वाले कांग्रेस पर यह आरोप लगाते नहीं थकते कि वह तुष्टिकरण की राजनीति करती रही है, अब भी कर रही है, और दूसरी ही सांस में उनकी सरकारें एक तरफ बहुसंख्यकों को रिझाने में लगी दिखती हैं और दूसरी ओर अल्पसंख्यकों पर डोरे डालती! उत्तर प्रदेश में मदरसों की राजनीति का खेल हम अरसे से देखते चले आ रहे हैं। 'मदरसों की राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों' का हवाला देने से न थकने वाले जब महाराष्ट्र में चुनाव के मद्देनजर मौलवियों का वेतन बढ़ाते दिखते हैं, हां राजनीति का दोमुंहापन छिपाये नहीं छिपता। सवाल मौलवियों को उचित वेतन मिलने का नहीं है। सबको उनका उचित देय मिलना ही चाहिए, पर जब दूसरे द्वारा किया कोई काम 'रेवड़ी बांटना' लगे और स्वयं वही काम करना 'न्याय देना' तो इसे एक राजनीतिक विद्रूप के अलावा और क्या कहा जाएगा? हाल ही में एक मुकदमे की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने यह आशा व्यक्त की थी कि धर्म को राजनीति से दूर रखा जायेगा। पर देश ने यह आशा कब नहीं की थी? और कब उसकी यह आशा पूरी हुई? जब बड़े-बड़े राजनेता चुनावी सभाओं में कपड़ों के आधार पर लोगों को पहचानने की बात करते हैं, मंगलसूत्र छीनने का हवाला देते हैं, मंदिर-मस्जिद के नाम पर राजनीति करते हैं, तो सवाल उठाना ही चाहिए कि यह सब कहने का अधिकार और अवसर उन्हें क्यों दिया जाये? जब हमने आज़ादी पायी थी तो अपने लिए धर्मनिरपेक्षता का रास्ता चुना था। आज भी कुल मिलाकर देश की जनता सर्वधर्म समभाव के आदर्श में ही विश्वास करती है लेकिन, आज भी कुछ लोग हैं हमारे देश में जो बंटवारे के समय रह गए कथित काम को अब पूरा करने की दुहाई दे रहे हैं! क्या अर्थ है इसका? आखिर वे चाहते क्या हैं? और क्यों ऐसी बात कहने वालों को बेनकाब नहीं किया जाता? बहुसंख्यकों को एकजुट होने के समय का हवाला देने वालों को यह क्यों नहीं पूछा जाना चाहिए कि विश्वास, भगवान और राजनीति के बीच रेखाएं क्यों मिटायी जा रही हैं? जीवन में विश्वास और धर्म का अपना स्थान है—इन्हें राजनीतिक नफे-नुकसान के तराजू पर नहीं तोला जाना चाहिए। पर दुर्भाग्य से ऐसा करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। और यह काम बिना किसी हिचकिचाहट के हो रहा है! कहीं कोई मुख्यमंत्री अपने राज्य में मंदिरों के विकास का आश्वासन दे रहा है तो कहीं चुनावी सभाओं में बड़े राजनेता धार्मिक नारे लगवाना ज़रूरी समझने लगे हैं। हद तो तब हो जाती है जब 'ईश्वर-अल्लाह तेरा नाम' कहना भी किसी राजनेता को खटकने लगता है! उनकी शिकायत यह है कि राष्ट्रपिता बापू के प्रिय भजन के यह शब्द तो मूल भजन में थे ही नहीं! इसे बीमार मानसिकता के अलावा और क्या संज्ञा दी जा सकती है? यह देश 140 करोड़ भारतीयों का है, हम सबका है। इसकी पहचान को किसी धर्म विशेष के नाम से जोड़े जाने की कतई आवश्यकता नहीं है। हम किसी भी धर्म को मानने वाले क्यों न हों, मूलतः हम सब भारतीय हैं। हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हम सब धर्मों को आदर की दृष्टि से देखते हैं। ईश्वर एक है, धर्म उस तक पहुंचने का मार्ग है। मार्ग भले ही अलग-अलग हों, पर सब पहुंचाते एक ही लक्ष्य पर हैं।

आप का नजरिया

पानी में आत्मनिर्भरता का अक्स

कानूनों के लंबित सफों की अंदरूनी परख अगर हो जाए, तो कई रास्ते कम गुनहगार हो जाएंगे। वाटर सेस एक कानूनी मजमून बनकर अदालत की सीढ़ियों से भले ही फिसल गया, लेकिन यह हिमाचल का आर्थिक आईना है, जिसे यूं ही नहीं तोड़ा जा सकता। ऐसे में हिमाचल सरकार पानी की जिरह की मजबूती के उद्देश्य से तत्संबंधी सभी कानूनों की झाड़पौंछ करके, एक अंब्रेला एक्ट की शक्ल में सशक्त कर रही है। यह हार नहीं मानने का जज्बा है, जो वर्षों की गाद से लड़ रहा है। संघर्ष के पांव अपना दर्द या रास्ता नहीं देखते, मंजिलों को आबाद करना है तो निरंतर प्रयास करना होगा, लेकिन इस परिपाटी में केवल शिखर नहीं, जमीन को भी तपना पड़ेगा। हमें यह तो मालूम नहीं कि अंब्रेला एक्ट के बदौलत वर्षों से जनरेशन टैक्स की राह खोज रहा हिमाचल कहां तक सफल होगा, लेकिन इतना तय है कि इस केस की केस स्टडी अपनी सार्थकता का भूगोल पैदा कर रही है। अंततः सवाल हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने का है, तो प्रयास भी इसी उत्कंठा से करने होंगे। हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जमीन-आसमान एक करने के लिए यहां की आबोहवा, जंगल और पानी के योगदान का विस्तार व मूल्यांकन जरूरी है। यानी आबोहवा अगर पर्यटन के माफिक रख पाए, तो यह उद्योग आर्थिकी को ऐसे स्थान पर पहुंचा सकता है, जहां रोजगार व स्वरोजगार प्रदेश की युवाशक्ति को सफल होने का हर अवसर मुहैया करवा सकता है। विडंबना यह है कि पर्यटन की आबरू का चीरहरण करते हुए हम जिन मंजिलों को तराश रहे हैं, वहां दृश्यावलियों से छेड़छाड़ रुकनी चाहिए, वरना सारे मकसद एक समय धराशायी हो जाएंगे। इस आबोहवा का बेहतर इस्तेमाल होना चाहिए, न कि पर्यटन के दबाव में सब कुछ नष्ट हो जाए। इसलिए हम पांच करोड़ पर्यटकों के बजाय एक करोड़ पर्यटकों की पांच रातें और दिन बढ़ाने की वकालत करते हैं। दूसरा आर्थिक स्रोत जंगल में जाया हो चुकी जमीन है। प्रदेश की सत्तर फीसदी जमीन के बजाय अगर पचास प्रतिशत भूमि वन के नाम रह जाए, तो अतिरिक्त बीस फीसदी जमीन हासिल करके हिमाचल को नई आर्थिक संरचना करनी चाहिए। प्रदेश की आत्मनिर्भरता का झगड़ा जमीन की अनुपलब्धता से है। हम वनापत्तियों के मारे अपने होने का सबूत कैसे दें। अंततः किसी दिन संघर्ष की डालियां जंगल की उस जमीन पर उगानी पड़ेंगी, जो विकास की बाड़बंदी करने पर आमादा है। इतना ही नहीं हिमाचल के जंगलों को चीड़ से हटाकर चारे, चाय, कॉफी या जड़ी-बूटियों से जोड़कर पर्वतीय आर्थिकी का संचार हो सकता है। अंत में पानी हमारी आशाओं की किश्ती को ढो सकता है। पहले एक बार शांता कुमार की वजह से विद्युत उत्पादन की मुफ्त रॉयल्टी से संबल मिला था। दूसरी बार प्रेम कुमार धूमल ने 23 हजार मेगावाट विद्युत क्षमता के उत्पादन का शपथपत्र तैयार करके रास्ता दिखाया, लेकिन अब वाटर सेस की परिभाषा जलाधिकार को पुकार रही है।

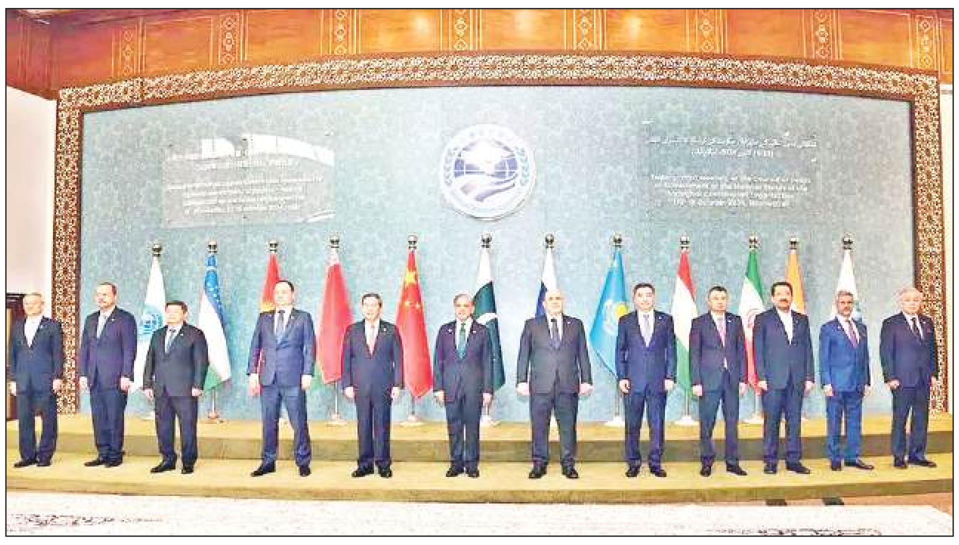

एससीओ बैठक में रूस-पाकिस्तान के रिश्तें हुए मजबूत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को बनी सहमति

इस्लामाबाद, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और रूस के बीच रिश्ते और मजबूत होते दिख रहे हैं। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की इस्लामाबाद में हुई बैठक में पाकिस्तान और रूस के बीच व्यापार, उद्योग, ऊर्जा, रक्षा, कनेक्टिविटी, साइंस, तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। इस बैठक के बीच में ही पाकिस्तान-रूस सेना ने सैन्य अभ्यास भी किया। यही नहीं पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने चीन के बीआरआई के साथ-साथ रूस के इंटरनैशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के विस्तार का भी खुलकर समर्थन किया।

आईएनएसटीसी कॉरिडोर व्लादिमीर पुतिन का एक ड्रीम प्रॉजेक्ट है जो मुंबई को रूस की राजधानी मास्को और अन्य शहरों से सीधे जोड़ता है। पाकिस्तान के रूस के साथ दोस्ती बढ़ाने के पीछे उसकी छिपी हुई मंशा है और इसमें उसे चीन का भी समर्थन मिल रहा है। एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के लिए रूस के पीएम मिखाइल मिशूस्टीन 300 सदस्यों का भारी भरकम दल लेकर इस्लामाबाद पहुंचे थे। पाकिस्तान और रूस ने पिछले 2 दशक से मजबूत हो रहे रिश्तों को और बेहतर बनाने सहयोग पर जोर दिया। रूस और पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान रूस के साथ राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। रूस के पीएम ने कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाया जाएगा। रूसी नेता ने कहा कि उनका देश पाकिस्तान के साथ व्यापार बढ़ाना चाहता है। दोनों देशों के बीच व्यापार में इस साल 13 फीसदी की तेजी आई है। रूस ने कहा कि उसने पाकिस्तान को ऊर्जा की सप्लाई बढ़ा दी है। रूसी कंपनियां पाकिस्तान में गैस उद्योग का विकास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि रूस का मानना है कि पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति बेहद फायदेमंद है। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान रूस एक तीर से कई शिकार करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान चाहता है कि उसे ब्रिक्स की सदस्यता मिल जाए।

न्यूज ब्रीफ

पेजर बम वाली तकनीक का हुआ खुलासा, देशी जुगाड़ ने दुनिया को हिला दिया

बैरुत। हिजबुल्लाह पर पिछले महीन इजरायल ने पेजर अटैक कर हर किसी को चौंका दिया। इतने छोटे से दिखने वाले पेजर को आखिर इजरायल ने कैसे चलते फिरते बम में बदल दिया, ये सोचकर हर कोई हैरान था। एक एजेंसी की तरफ से अब इस मामले में एक अहम रिपोर्ट प्रकाशित की गई है, जिसमें लेबनान सूत्रों के हवाले से पेजर को बम में बदलने की इजरायली तकनीक के बारे में विस्तार में बताया गया है। फरवरी में पेजर प्राप्त करने के बाद हिजबुल्लाह ने विस्फोटकों की उपस्थिति की जांच की। उन्हें हवाई अड्डे के सुरक्षा स्कैनर के माध्यम से यह देखने के लिए डाला कि क्या वे अलार्म ट्रिगर करते हैं। कुछ भी संदिग्ध नहीं बताया गया। दो बम विशेषज्ञों ने कहा कि उपकरणों को बैटरी पैक के अंदर एक चिंगारी उत्पन्न करने के लिए सेट किया गया था, जो विस्फोट करने वाली सामग्री को जलाने के लिए पर्याप्त था, और शीट को विस्फोट करने के लिए ट्रिगर करता था। क्योंकि विस्फोटक और उसके कवर ने लगभग एक तिहाई हिस्सा ले लिया था, लिहाजा बैटरी पैक में 35 ग्राम वजन के अनुरूप शक्ति का एक अंश था। दरअसल, पेजर बनाने वाले एजेंटों ने एक ऐसी बैटरी डिजाइन की थी, जिसमें प्लास्टिक विस्फोटक का एक छोटा लेकिन शक्तिशाली चार्ज और एक नया डेटोनेटर छिपा था, जिसे देख पाना भी संभव नहीं है। पेजर बम का गुप्त डिजाइन और बैटरी की सावधानीपूर्वक बनाई गई कवर स्टोरी, दोनों के बारे में विस्तार में बताया गया। ये पूरा ऑपरेशन एक दो दिन या महीने में नहीं, बल्कि सालों की मेहनत के बाद पूरा हुआ। छह ग्राम सफेद पेंटाएरीथ्रिटोल टेट्रानाइट्रेट प्लास्टिक विस्फोटक का इसमें इस्तेमाल किया गया। उसके साथ एक पतली स्क्वेयर शीट का इस्तेमाल किया गया। दोनों की कोशिकाओं को आपस में निचोड़ा गया। बताया गया कि बैटरी कोशिकाओं के बीच बाकी स्थान अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ की एक पट्टी द्वारा कब्जा कर लिया गया था, जिसने डेटोनेटर के रूप में काम किया। इस पूरे प्रोसेस की तस्वीर भी दिखाई गई, जिससे पता चलता है कि इस तीन-परत वाले सैंडविच को एक काले प्लास्टिक की स्लीव में डाल दिया गया था और एक धातु के कवर में वो लगभग एक माचिस के आकार का था।

कनाडा के पीएम ट्रूडो पर इस्तीफे का दबाव

ओटावा। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मोर्चों पर कठिनाइयों का सामना कर रहे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। उनकी अपनी लिबरल पार्टी के कुछ सांसदों ने अब सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ बोलने के साथ-साथ औपचारिक रूप से उनके इस्तीफे की मांग करने की योजना बनाई है। कनाडा की रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 20 सांसदों ने ट्रूडो को पद से हटाने की मांग पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमति दी है।ट्रूडो हाल ही में विदेशी हस्तक्षेप के मुद्दे पर भी आलोचना का सामना कर रहे हैं। उन पर आरोप लगाया गया है कि उनके पास कंजर्वेटिव सांसदों के नाम हैं जो विदेशी हस्तक्षेप में शामिल हो सकते हैं। इस आरोप पर कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए ट्रूडो को उन सांसदों के नाम सार्वजनिक करने की चुनौती दी है।

नवाज शरीफ ने कही दिल की बात,बोले- मेरी दिली तमन्ना है कि भारत जाऊं

इस्लामाबाद। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के समिट में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे तो सवाल यह भी था कि क्या भारत-पाकस्तिान के क्रिकेट संबंध आगे बढ़ेंगे भारतीय टीम लंबे अर्से से पाकिस्तान में नहीं खेल रही है, वहीं जब भी कोई आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसलि) या एसीसी (एशयिन क्रिकेट काउंसलि) का टूर्नामेंट होता है तो भी भारतीय टीम किसी न्यूट्रल वेन्यू पर खेलती है। 2025 में आईसीसी चैम्पयिंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होनी है, ऐसे में अब तक का जो अपडेट है, उसके अनुसार भारतीय टीम हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मुकाबले खेलेगी। वहीं भारत और पाकिस्तान के मंत्रियों की बैठक क्रिकेट पर होनी थी, जो एससीओ समटि के दौरान नहीं हो पाई। इसी बीच भारतीय विदेश मंत्री के दौरे के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का बयान आया। वहीं उन्होंने भारत पाकिस्तान के क्रिकेट संबंधों पर भी बात की। उन्होंने एससीओ सम्मेलन में भाग लेने के लिए इस्लामाबाद में आए भारतीय विदेश मंत्री की यात्रा को एक शुरुआत बताया।

नेपाल में अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या को नेपाली नागरिकता दिलाने में इस्लामिक संघ सक्रिय

काठमांडू, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिमों को अवैध रूप से प्रवेश कराने में स्थानीय इस्लामी संगठनों का हाथ है। सरकार को सौंपी गई सुरक्षा एजेंसियों की एक रिपोर्ट में इन अवैध घुसपैठियों को नेपाल की नागरिकता भी दिलाए जाने का खुलासा किया गया है।

इस रिपोर्ट के मुताबिक ये अप्रवासी मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल से जुड़े नेपाल के पूर्वी हिस्से में काकरभिट्टा सीमा क्षेत्र से प्रवेश कर रहे हैं। नेपाल पुलिस की इंटेलिजेंस शाखा ने सरकार को सौंपी रिपोर्ट में बांग्लादेशी मुस्लिमों की मजदूर के रूप में घुसपैठ का भी उल्लेख है। इस रिपोर्ट में नेपाल के इस्लामिक संघ पर मुस्लिम समुदाय को देश में अवैध प्रवेश करवाकर नेपाली नागरिकता दिलाने में मुख्य भूमिका निभाने का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामिक संघ इन बांग्लादेशी मुसलमानों की सूची संकलित करके नेपाल मुस्लिम आयोग और उसके अध्यक्ष को भेजकर इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाता है। आयोग इन व्यक्तियों को बांग्लादेशी नागरिकों के परिवार के सदस्यों के रूप में गलत तरीके से सत्यापित करता है, जिन्होंने पहले ही नेपाली नागरिकता हासिल कर ली है, जिससे उन्हें कानूनी जांच से बचने की अनुमति मिलती है।

बांग्लादेश और रोहिंग्या मुसलमानों में से कुछ इस्लामिक संघ की मदद से नेपाली पासपोर्ट प्राप्त करने में सफल रहे हैं, और इनमें से कुछ को हाल ही में पकड़ा गया था। नागरिकता प्राप्त करने वाले बांग्लादेशी मुसलमानों की बढ़ती संख्या ने मधेस और तराई क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बारे में चिंता बढ़ा दी है। लंबे समय तक नेपाल पुलिस के विशेष ब्यूरो में काम करने वाले नेपाल पुलिस के अवकाश प्राप्त एआईजी पुष्कर कार्की ने बताया कि ये कार्रवाइयां जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान जैसे विदेशी कट्टरपंथी संगठनों के व्यापक एजेंडे का हिस्सा हैं, जो कथित तौर पर इस्लामिक संघ नेपाल के साथ सहयोग करते हैं। इन संगठनों का उद्देश्य अवैध आप्रवासन और नागरिकता हेरफेर के माध्यम से बांग्लादेशी मुसलमानों की आबादी बढ़ाकर दक्षिणी नेपाल में जनसांख्यिकीय संतुलन को बदलना है।

नेपाल में सुरक्षा मामलों के जानकार डॉ. दीपेश केसी ने बताया कि बांग्लादेशी मुसलमानों के लिए नागरिकता सुरक्षित करने के अपने प्रयासों के अलावा, इस्लामिक संघ के नेता कथित तौर पर विभिन्न नेपाली राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ नियमित चर्चा में लगे हुए हैं। माना जाता है कि इन बैठकों के दौरान वे नेपाल में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की नागरिकता की स्थिति को वैध बनाने के लिए राजनीतिक हस्तियों पर दबाव डाल रहे हैं, जिससे मामला और जटिल हो गया है। गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नेपाल भी म्यांमार से भागकर आए रोहिंग्या शरणार्थियों की बढ़ती आमद का सामना कर रहा है और 2017 के बाद से बड़ी संख्या में रोहिंग्या नेपाल में प्रवेश कर चुके हैं। गृह मंत्रालय के पास यह तथ्य है कि नेपाल में रोहिंग्या शरणार्थियों की संख्या अब लगभग 800 तक पहुंच गई है। हालांकि नेपाल आधिकारिक तौर पर उन्हें शरणार्थी के रूप में मान्यता नहीं देता है। यूएनएचसीआर (शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त) ने नेपाल में 370 रोहिंग्या व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए हैं, जबकि अतिरिक्त 123 आवेदन लंबित हैं। इनमें से कई शरणार्थी अब काठमांडू के बाहरी इलाके में जमीन किराए पर लेना चाह रहे हैं, खासकर ललितपुर के टीकाथली और भक्तपुर के बाहरी इलाके में। इससे नेपाल में ही सुरक्षा और जनसांख्यिकीय चिंताएं भी बढ़ गई हैं।

सरकार को सौंपी गई ताजा रिपोर्ट में नेपाल में सुरक्षा एजेंसियों ने रोहिंग्या शरणार्थियों सहित अवैध अप्रवासियों की बढ़ती आमद पर चिंता जताई है। यह बढ़ती प्रवृत्ति नेपाल की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन गई है क्योंकि अवैध आप्रवासन से देश के सामाजिक, राजनीतिक और जनसांख्यिकीय ताने-बाने के बाधित होने का खतरा है। सरकार की तरफ से सुरक्षा अधिकारियों से आग्रह किया जा रहा है कि वे मुस्लिम संगठनों द्वारा नेपाल में ऐसे बांग्लादेशी मुसलमानों को बुलाने और उनके रहने की सुविधा प्रदान करने के किसी भी प्रयास को रोककर, सीमा निगरानी को मजबूत करने और अवैध आव्रजन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ शरणार्थी संकट के मानवीय पहलू का प्रबंधन करके इस चुनौती को अधिक प्रभावी ढंग से संबोधित करें।

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट का आरोप रॉ अधिकारी ने रची थी खालिस्तानी अलगाववादी पन्नू की हत्या की साजिश

न्यूयॉर्क, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने के मामले में संघीय अभियोजकों ने न्यूयॉर्क की अदालत में एक भारतीय रॉ अधिकारी विकास यादव पर हत्या की साजिश रचने और मनी लांड्रिंग के आरोप लगाए हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने कहा कि विकास यादव फरार है। उसके सह-षड्यंत्रकारी निखिल गुप्ता को पिछले साल प्राग में गिरफ्तार किया गया था और प्रत्यर्पण के बाद वह अमेरिकी जेल में बंद है।

विकास यादव पहले रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) से जुड़े हुए थे। अमेरिका ने उन पर खालिस्तानी अलगाववादी पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोप लगाया है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने उन पर पैसे देकर हत्या की कोशिश और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है। विकास यादव पर पन्नू की हत्या के लिए भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को हायर करने का आरोप है। अभियोग में बताया गया है कि कैसे रॉ एजेंट विकास यादव ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या की साजिश रचने के लिए हायर किया था। विकास यादव फिलहाल भारत में हैं लेकिन अमेरिकी अधिकारी उनके प्रत्यर्पण की मांग कर सकते हैं।

निखिल गुप्ता को पिछले साल जून में प्राग में गिरफ्तार किया गया था और बाद में अमेरिका में उनको प्रत्यर्पित किया गया। हालांकि निखिल ने निर्दोष होने का दावा किया था। एफबीआई डायरेक्टर क्रिस्टोफर रे ने एक बयान में कहा कि एफबीआई अमेरिका में रहने वालों के खिलाफ हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगी। उनके मुताबिक ये साजिश कथित तौर पर मई 2023 में रचनी शुरू की गई थी और उस समय विकास यादव ने कथित तौर पर हत्या के लिए भारत और विदेशों में रह रहे लोगों की मदद की। उनका टारगेट गुरपतवंत सिंह पन्नू था।

इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने इसी मामले की जांच को लेकर बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि हम भारत के सहयोग से संतुष्ट हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। हम सहयोग की सराहना करते हैं।

सूडान में 30 लाख से अधिक लोग शरण की तलाश में

जेनेवा, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूडान में 18 महीने से जारी संघर्ष ने मानवीय संकट को और भी गहरा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुसार, अब तक लगभग 30 लाख शरणार्थी और वापस लौटे सूडानी लोग अपनी जान बचाने के लिए पड़ोसी देशों की शरण में जा चुके हैं। इनमें अधिकांश लोग मध्य अफ्रीकी गणराज्य, चाड, मिस्र, इथियोपिया, लीबिया, दक्षिण सूडान और युगांडा में शरण ले रहे हैं।संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने सूडान में लगातार हो रहे विस्थापन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, अक्टूबर के पहले पखवाड़े में ही लगभग 40,000 लोग सूडान के भीतर विस्थापित हुए हैं। पिछले साल अप्रैल में शुरू हुए संघर्ष के बाद से अब तक सूडान में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या बढ़कर 8।2 मिलियन हो गई है, जिससे देश के भीतर मानवीय संकट गहरा गया है। दारफुर क्षेत्र में बढ़ते हिंसक संघर्ष के कारण अकेले अक्टूबर के पहले सप्ताह में 25,000 लोग पूर्वी चाड पहुंचे, जो इस वर्ष के किसी एक सप्ताह में पलायन करने वालों की सबसे अधिक संख्या है। चाड में इस समय 681,944 सूडानी शरणार्थी हैं, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा हैं।

नेपाल : प्रतिपक्षी गठबंधन की बैठक में सत्तापक्ष के नेता के शामिल होने से राजनीतिक गलियारे में हड़कंप

काठमांडू, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल के राजनीतिक गलियारे में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सत्ता पक्ष में शामिल लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष की प्रतिपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल होने की तस्वीर सार्वजनिक हुई। सत्ता पक्ष के नेताओं की समझ में नहीं आया कि यह अचानक कैसे हो गया।हालांकि, इस बारे में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के महासचिव डॉ. सुरेंद्र झा ने जल्द ही स्पष्टीकरण देने की बात कही है।

प्रमुख प्रतिपक्षी दल के नेता तथा माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल प्रचंड ने शुक्रवार को सभी विपक्षी दलों की एक बैठक सरकार के विरुद्ध रणनीति बनाने के लिए बुलाई थी। इस बैठक में प्रतिपक्षी दल राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, एकीकृत समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी सहित कुछ छोटे दल के नेता शामिल हुए लेकिन सर्वाधिक चर्चा सत्ता पक्ष के एक नेता की उपस्थिति की रही। बैठक में केपी ओली की सरकार का हिस्सा लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंत ठाकुर भी मौजूद रहे। प्रचंड ने बैठक की एक तस्वीर सार्वजनिक कर दी, जिसमें उनके सबसे करीब बैठे महंत ठाकुर को लेकर सत्ता पक्ष के नेताओं ने सवाल खड़ा किया है।

सत्तारूढ़ नेकपा एमाले के महासचिव शंकर पोखरेल ने प्रतिपक्षी गठबंधन की बैठक में ठाकुर की सहभागिता पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि इस बारे में उनसे स्पष्टीकरण लिया जाएगा। पोखरेल का कहना है कि सत्ता गठबंधन में शामिल ठाकुर के इस तरह विपक्षी गठबंधन की बैठक में जाने से गलत संदेश गया है। इस भ्रम को जल्द ही खत्म किया जाएगा।

हालांकि, इस बारे में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के महासचिव डॉ. सुरेंद्र झा ने कहा कि हमारी पार्टी के अध्यक्ष महंत ठाकुर को माओवादी पार्टी के अध्यक्ष प्रचंड ने सामान्य मुलाकात के लिए बुलाया था। उनको प्रतिपक्षी बैठक होने की जानकारी नहीं थी। प्रचंड ने भ्रम में रखकर उसी समय विपक्षी दल के अन्य नेताओं को बुलाकर राजनीतिक स्टंट किया है। झा ने बताया कि जल्द ही हमारी पार्टी की तरफ से एक बयान जारी करके इस बारे में स्पष्टीकरण दिया जाएगा।

इजराइली कार्रवाई में हमास प्रमुख सिनवार की मौत पर बोले बाइडेन- यह दुनिया के लिए अच्छा दिन

वॉशिंगटन, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इजराइल डिफेंस फोर्सेज ने अपने सैन्य अभियान के तहत गाजा में गुरुवार को अपने सबसे बड़े दुश्मन हमास प्रमुख याह्या सिनवार को मार गिराया। सिनवार ने पिछले साल इजराइल पर हमास के आतंकी हमले की अगुवाई की थी और वह इजराइल के हिट लिस्ट में था। सिनवार की मौत के बाद इजराइल ने अपना बदला पूरा कर लेने की बात कही लेकिन बंधकों की रिहाई तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी।

> **अब गाजा में युद्ध खत्म करने का एक मौका: कमला हैरिस**
>
> **सिनवार की मौत से बदला पूरा, जारी रहेगी लड़ाई : नेतन्याहू**

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने याह्या सिनवार की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पूरी दुनिया के लिए एक अच्छा दिन है। उन्होंने कहा कि डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई है कि सिनवार मारा गया है। यह इजराइल और अमेरिका के साथ पूरी दुनिया के लिए एक अच्छा दिन है। यह इजराइली बंधकों की रिहाई के लिए एक अच्छा अवसर है। इससे एक साल से जारी गाजा युद्ध समाप्त हो जाएगा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने भी कहा है कि हजारों निर्दोष लोगों की हत्या के लिए जिम्मेदार हमास नेता याह्या की मौत की वजह से अमेरिका, इसराइल और पूरी दुनिया बेहतर स्थिति में है। यह गजा में हो रहे युद्ध को खत्म करने का एक मौका है।

इजराइल ने गुरुवार रात हमास प्रमुख याह्या सिनवार को मार गिराने का दावा किया था। इजराइल और अमेरिका की तरफ से दावा किया जाता रहा है कि पिछले साल 7 अक्तूबर को दक्षिणी इजराइल में हुए आतंकी हमले का नेतृत्व याह्या सिनवार ने ही किया था जिसमें 12 सौ लोग मारे गए थे और लगभग ढाई सौ लोगों को बंधक बनाया गया था।

उल्लेखनीय है कि जुलाई में हमास नेता इस्माइल हनिया के तेहरान में इजराइली कार्रवाई में मारे जाने के बाद सिनवार को हमास प्रमुख बनाया गया था। सिनवार का जन्म 1962 में खान यूनिस के गाजा शहर के एक शरणार्थी शिविर में हुआ था। हमास का गठन 1987 में हुआ था और याह्या सिनवार उसके संस्थापक सदस्यों में से एक था। अपनी क्रूरता के लिए कुख्यात सिनवार ने संदेह होने पर अपने 12 सहयोगियों की हत्या कर दी थी, जिसके बाद उसे खान यूनिस का कसाई कहा जाने लगा।

गगन नारंग ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक में सरकार के प्रयासों की सराहना की

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग ने ड्राफ्ट नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल लाने में सरकार के प्रयासों की सराहना की और इसे भारत के खेल महाशक्ति बनने की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।

खेल मंत्रालय ड्राफ्ट नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल लाने पर काम कर रहा है, जिसे पूर्व-विधायी परामर्श प्रक्रिया के हिस्से के रूप में आम जनता और हितधारकों की टिप्पणियों/सुझावों को आमंत्रित करने के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है।

नारंग ने एक्स पर पोस्ट किया, मनसुख मांडविया सर, एक मजबूत और पारदर्शी खेल प्रशासन मॉड्यूल बनाने में सरकार के प्रयास उल्लेखनीय हैं। आगामी ड्राफ्ट नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2024 निश्चित रूप से एक मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि भारत खेल प्रशासन के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाने और एक खेल महाशक्ति बनने की अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, ये उपाय ओलंपिक और पैरालंपिक चार्टर का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब हैं और एक पूर्व एथलीट के रूप में, खेलों में हमारे देश के विकास को देखकर मुझे गर्व होता है। मसौदा विधेयक पारदर्शिता और जवाबदेही लाकर देश में खेल प्रशासन में सुधार करेगा, जो कि मुख्य रूप से समय की मांग है। विधेयक में खिलाड़ियों के विकास और कल्याण को बढ़ावा देने, नैतिक शासन सुनिश्चित करने और प्रभावी विवाद समाधान तंत्र प्रदान करने के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित किया गया है। यह खेल महासंघों के शासन के लिए संस्थागत क्षमता और विवेकपूर्ण मानक भी स्थापित करेगा जो ओलंपिक और खेल आंदोलन, ओलंपिक चार्टर, पैरालिंपिक चार्टर, अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और स्थापित कानूनी मानकों के सुशासन, नैतिकता और निष्पक्ष खेल के बुनियादी सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधारित हैं। साथ ही यह एकीकृत, न्यायसंगत और प्रभावी तरीके से खेल शिकायतों और खेल विवादों के समाधान के लिए एक उपाय स्थापित करेगा।

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को विधेयक पर विचार-विमर्श करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ, राष्ट्रीय खेल महासंघों और राष्ट्रीय खेल संवर्धन संगठनों के साथ हितधारकों की परामर्श बैठक की अध्यक्षता की थी।

न्यूज ब्रीफ

हम किसी भी टीम से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं : आमिर अली

जोहोर। मलेशिया के जोहोर में शनिवार से 12वें सुल्तान ऑफ जोहोर कप की शुरुआत हो रही है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम शनिवार को अपने पहले मैच में जापान से भिड़ेगी। मैच से पहले कप्तान आमिर अली ने कहा कि वह प्रतियोगिता में किसी भी टीम से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत का सामना मेजबान मलेशिया, जापान, ग्रेट ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 26 अक्टूबर को होगा। मलेशिया में भारतीय टीम नए मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में प्रतिस्पर्धा करेगी। हॉकी इंडिया की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान में टीम के कप्तान आमिर अली ने कहा कि टीम नए मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रही है। हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं। पिछली बार जर्मनी से हारने के बाद, हम अपना खिताब बरकरार नहीं रख पाए थे, लेकिन इस बार टीम पूरी तरह से सुसज्जित है और प्रतियोगिता में किसी भी टीम से मुकाबला करने के लिए तैयार है। उप कप्तान रोहित ने कहा कि टुर्नामेंट से पहले सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में रहने के लिए हम पिछले कुछ दिनों से कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस बार टीम में कई नए खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।

इंडो-फ्रेंच फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने वाला पहला भारतीय क्लब बना मोहम्मडन एससी

कोलकाता। मोहम्मडन एससी की अंडर-18 टीम 25 से 30 नवंबर तक पेरिस में होने वाले इंडो-फ्रेंच फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेगी। इसी के साथ वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाला पहला भारतीय पेशेवर क्लब बन जाएगा। मोहम्मडन लड़कों को पेरिस सेंट-जर्मेन और पेरिस एफसी जैसे कुछ शीर्ष क्लबों का सामना करने का अवसर मिलेगा। भारतीय युवा क्लब पिछले एक साल से अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में नियमित रूप से हिस्सा ले रहे हैं। वहीं, मुंबई सिटी एफसी की अंडर-15 टीम ने मीना कप 2024 में भाग लिया, पंजाब एफसी की अंडर-21 टीम ने नेक्स्ट जनरेशन कप 2024 में भाग लिया, जिसमें एस्टन विला की अकादमी टीमों को 2-0 और एवर्टन को 2-1 से लगातार गेम में हराया।

पीठ की चोट के कारण पैन पैसिफिक ओपन से हटीं नाओमी ओसाका

टोक्यो। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को टोक्यो में अगले सप्ताह होने वाले पैन पैसिफिक ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी इस महीने की शुरुआत में चाइना ओपन में अंतिम-16 के मैच से रिटायर होने के बाद से ही कोर्ट से बाहर हैं, जिसमें वह अंतिम चैंपियन कोको गॉफ के खिलाफ खेली थीं। इसके बाद उन्होंने इस सप्ताह जापान ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। 27 वर्षीय खिलाड़ी को वाइल्ड कार्ड के रूप में पैन पैसिफिक ओपन में भाग लेना था, लेकिन आयोजकों ने कहा कि वह पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण अनुपस्थित रहेंगी। ओसाका का चाइना ओपन में खेलना पैट्रिक मौराटोग्लू के नेतृत्व में उनका पहला टूर्नामेंट था, जो फ्रांसीसी खिलाड़ी हैं और सेरेना विलियम्स के लंबे समय तक कोच रहने के लिए जाने जाते हैं। जुलाई 2023 में अपनी बेटी शाई के जन्म के बाद जनवरी में टेनिस में वापसी करने के बाद से वह निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही हैं। माता-पिता बनने के बाद से उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम दो क्वार्टर फाइनल में पहुंचना रहा है।

महिला टी-20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मैकग्राथ ने की दक्षिण अफ्रीका की तारीफ, कहा- उन्होंने अनुशासित गेंदबाजी की

दुबई, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली 8 विकेट से हार के बाद 2024 टी20 विश्व कप से बाहर होने पर ऑस्ट्रेलिया की कार्यवाहक कप्तान ताहलिया मैकग्राथ ने कहा कि उनकी टीम ने कुछ रन कम बनाए। छह बार की चैंपियन टीम गुरुवार (17 अक्टूबर) को दुबई में पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका से 8 विकेट से हारकर 2024 टी20 विश्व कप से बाहर हो गई। ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वेयरहैम के जल्दी आउट होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने मजबूती से वापसी की और बेथ मूनी और मैकग्राथ ने सतर्क साझेदारी की। मूनी ने 42 गेंदों पर 44 रन बनाए जबकि मैकग्राथ ने 33 गेंदों पर 27 रन बनाए और दोनों ने मिलकर केवल तीसरे विकेट के लिए 55 गेंदों पर 50 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया पावरप्ले में केवल 35 रन और 10 ओवर में 53 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 134 रन बनाए।

मैकग्राथ ने अपनी टीम को कम स्कोर पर रोकने के लिए दक्षिण अफ्रीका की अनुशासित गेंदबाजी को श्रेय दिया। मैकग्राथ ने कहा, शुरुआती बल्लेबाजी में हमें लगा कि यह काफी मुश्किल विकेट है। दक्षिण अफ्रीका ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और स्टंप पर हमला किया और गति को कम कर दिया और हमारे लिए इसे मुश्किल बना दिया, या हमें वास्तव में जोखिम उठाने पर मजबूर कर दिया। इसलिए शायद बल्ले से कुछ शॉर्ट रन दिए और फिर भी हमने सोचा कि हम खेल में बने रहेंगे। फिर भी हमने सोचा कि अगर हमने अच्छी गेंदबाजी की तो यह एक प्रतिस्पर्धी स्कोर होगा। लेकिन हाँ, उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए इसे काफी अच्छा विकेट बना दिया और हम अपनी योजना से थोड़ा हट गए। हम हर तरफ से थोड़े पीछे थे और एक ऐसी टीम के खिलाफ आए जिसने सब कुछ वास्तव में अच्छी तरह से अंजाम दिया। उन्होंने कहा, हमने पाया कि गेंद बल्ले पर उतनी अच्छी तरह से नहीं आ रही थी जितनी हम चाहते थे। दक्षिण अफ्रीका ने वास्तव में अच्छी गति से गेंदबाजी की और जैसा कि मैंने कहा, उन्होंने हमारे लिए बहुत सीधी गेंदबाजी की। हमें लगा कि थोड़ा सा मजबूत होना चाहिए, कोशिश करनी चाहिए और स्ट्राइक रोटेट करनी चाहिए, पारी को आगे बढ़ाना चाहिए और फिर खेल को आगे बढ़ाना चाहिए। लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। हमने लगभग हर चीज की कोशिश की और हम लगातार संवाद कर रहे थे, लगातार एक योजना बनाने की कोशिश कर रहे थे। बस, हाँ, यह हमारे हिसाब से नहीं हुआ और हां शायद कुछ खिलाड़ियों के बाहर रहने से भी नुकसान हुआ। इसके विपरीत, दक्षिण अफ्रीका ने एनेके बॉश की 48 गेंदों पर 74* रनों की धमाकेदार पारी की बदौलत लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की। लौरा वोल्वार्ड्ट (42) ने दूसरे विकेट के लिए बॉश के साथ 96 रनों की साझेदारी कर सहायक की भूमिका निभाई।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विएटेक के कोच बने विम फिसेट

वारसॉ, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बेल्जियम के विम फिसेट विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्विएटेक के कोच बन गए हैं। डब्ल्यूटीए फाइनल्स की तैयारी कर रहीं स्विएटेक ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में उक्त जानकारी दी।

अक्टूबर की शुरुआत में, स्विएटेक ने कोच टॉमस विक्टरोव्स्की से नाता तोड़ लिया था। उन्होंने वुहान ओपन से यह बताते हुए नाम वापस ले लिया था कि वह अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करने पर ध्यान केंद्रित कर रही थीं। स्विएटेक ने सियोल और बीजिंग में टूर्नामेंट भी मिस किए थे। उन्होंने आखिरी बार सितंबर की शुरुआत में खेला था, जब वह यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में जेसिका पेगुला से हार गई थीं।

23 वर्षीय स्विएटेक ने बयान में कहा,मैं विम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे लगता है कि उनका दृष्टिकोण, विजन बहुत अच्छा है, और उनकी अतिरिक्त संपत्ति टेनिस में उच्चतम स्तर पर विशाल अनुभव है। बेशक, एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानना हमेशा महत्वपूर्ण होता है, लेकिन हमारे सहयोग की शुरुआत बहुत अच्छी रही है। मैं प्रतिस्पर्धा में वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, मैं वर्तमान में डब्ल्यूटीए फाइनल की तैयारी कर रही हूं, लेकिन मेरे करियर के बारे में मेरा दृष्टिकोण हमेशा दीर्घकालिक रहा है। मैंने कई बार उल्लेख किया है कि यह मेरे लिए मैराथन है, स्प्रिंट नहीं। मैं इसी सोच को ध्यान में रखते हुए काम करती हूं और निर्णय लेती हूं। फिसेट ने पहले एंजेलिक कर्बर और कई अन्य शीर्ष खिलाड़ियों के साथ काम किया है। जर्मन ने 2018 में उनके मार्गदर्शन में विंबलडन जीता। 44 वर्षीय ने नाओमी ओसाका के करियर को विकसित करने में भी मदद की, जिन्होंने 2020 में यूएस ओपन और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता। फिसेट ने कहा, मैं इगा के साथ काम करने और उनकी टीम में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

डेनियल कोलिन्स ने रिटायरमेंट की योजना को स्थगित किया, कहा-2025 में टूर पर वापस आऊंगी

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी डेनियल कोलिन्स ने अपनी रिटायरमेंट की योजना को स्थगित करते हुए कहा है कि वह अगले साल टूर पर वापस आएंगी।

इस साल की शुरुआत में, कोलिन्स ने कहा था कि 2024 उनका टूर पर आखिरी सीजन होगा, लेकिन अब उन्होंने 2025 में टूर पर वापस लौटने का फैसला किया है।

कोलिन्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, डेनियल की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। मैं 2025 में टूर पर वापस आऊंगी। हालांकि जीवन में कोई गारंटी नहीं है, लेकिन मैं 2024 की अपनी गति को बनाए रखने और तब तक खेलना जारी रखने की उम्मीद करती हूं, जब तक कि मेरी व्यक्तिगत प्रजनन यात्रा के बारे में अधिक निश्चितता न हो जाए। अभी के लिए एकमात्र गारंटी कुछ और शानदार मैच होंगे।

उन्होंने आगे कहा,इस दौरान मेरे सभी प्रशंसकों और मेरे पीछे खड़े अद्भुत लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे इतना प्रोत्साहित किया और साथ ही टूर पर मेरे सबसे करीबी दोस्तों का भी, जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया।

30 वर्षीय कोलिन्स के लिए मौजूदा सीज़न काफी फलदायी रहा है क्योंकि 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनलिस्ट ने मार्च और अप्रैल में मियामी और चार्ल्सटन में लगातार दो टूर्नामेंट जीते हैं।

उन्होंने कहा, मैं अपने एंडोमेट्रियोसिस और अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों से जुड़ी कुछ समस्याओं से जूझ रही हूँ। जबकि मैं इस साल अपने टेनिस करियर को एक उच्च नोट पर समाप्त करने और अपने जीवन के अगले अध्याय में जाने के लिए बहुत उत्साहित और उत्सुक थी, लेकिन चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों में कुछ स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के अलावा, मैं हाल ही में कुछ विशेषज्ञों से मिल रही हूं ताकि यह बेहतर ढंग से समझ सकूं कि अपने अंतिम सपने, परिवार शुरू करने को प्राप्त करने के लिए मेरे लिए सबसे अच्छा रास्ता क्या है।

हालांकि, पेरिस में अमेरिकी खिलाड़ी को हीट स्ट्रोक हुआ और इगा स्विएटेक के खिलाफ ओलंपिक क्वार्टरफाइनल के दौरान उन्हें पेट में चोट लग गई।

सिक्स किंग्स स्लैम सेमीफाइनल : नडाल अल्काराज से हारे, सिनर ने जोकोविच को दी शिकस्त

रियाद, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कार्लोस अल्काराज ने गुरुवार को सिक्स किंग्स स्लैम के सेमीफाइनल में राफेल नडाल को 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। हार के बावजूद डेविस कप पर नजर रखे हुए राफेल नडाल ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से खुश हैं।

इस प्रदर्शनी टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में जननिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को 6-2, 6-7 (0), 6-4 से हराया। इस प्रतियोगिता में जीतने पर धनराशि प्रदान की जाती है, लेकिन एटीपी रैंकिंग अंक नहीं दिए जाते हैं और यह सऊदी अरब का टेनिस में नवीनतम प्रयास है।

अल्काराज के खिलाफ मैच नडाल का पहला मैच था, क्योंकि उन्होंने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वे अगले महीने डेविस कप में स्पेन के लिए खेलने के बाद संन्यास ले लेंगे। नडाल और अल्काराज ने पेरिस खेलों में एक साथ युगल मैच खेले थे और डेविस कप के लिए फिर से टीम बना सकते हैं।

नडाल ने कहा, मेरे सामने एक महीने में डेविस कप है, इसलिए हर दिन बेहतर से बेहतर होने और अपने टेनिस करियर के इस अंतिम टूर्नामेंट के लिए तैयार होने का अवसर है। मैं इसके लिए तैयार रहने और किसी तरह से टीम की मदद करने की पूरी कोशिश करना चाहता हूँ।

गुरुवार का मैच जुलाई में पेरिस ओलंपिक में बाहर होने के बाद नडाल के लिए पहला मुकाबला था।

नडाल ने कहा, कार्लोस बहुत अच्छा था। मैं कुछ महीने पहले से प्रतिस्पर्धी मंच पर नहीं था। तो हाँ, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा प्रदर्शन था, भले ही यह उसके जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के लिए पर्याप्त नहीं था। लेकिन यह मेरे लिए एक सकारात्मक मैच था, और मैं खुश हूँ।

नडाल शनिवार को तीसरे स्थान के लिए जोकोविच से खेलेंगे, उसके बाद सिनर का सामना अल्काराज से होगा। शीर्ष रैंकिंग वाले सिनर को पिछले महीने यू.एस. ओपन जीतने से कुछ समय पहले डोपिंग मामले में बरी कर दिया गया था, हालांकि विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी ने उन्हें बरी किए जाने के खिलाफ अपील की है।

पैरालंपिक चैंपियन शूटर अवनि लेखरा ने दिल्ली हाफ मैराथन से पहले मिर्ची गेट एक्टिव एक्सपो में भरा जोश

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फिटनेस के दीवानों के लिए प्रेरणास्रोत-मिर्ची गेट एक्टिव एक्सपो का शानदार शुभारंभ हुआ। इसमें पैरालंपिक में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाली राइफल शूटर अवनि लेखरा ने हिस्सा लिया। बहुप्रतीक्षित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन से पहले आयोजित इस एक्सपो में दो बार की पैरालंपिक चैंपियनअवनि ने औपचारिक दीप प्रवलित कर एक्सपो का शुभारंभ किया।

यह एक्सपो 17-19 अक्टूबर, 2024 तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव कुश्ती स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है, जो रविवार, 20 अक्टूबर को होने वाली बहुप्रतीक्षित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के लिए मंच तैयार कर रहा है।

इस अवसर पर लेखरा ने कहा, पदक जीतने से ज़्यादा, किसी के जीवन में बदलाव लेन वाला बनना - उनके आत्मविश्वास को जगाना - यही मेरे जुनून को बढ़ाता है।

शार्पशूटिंग चैंपियन ने 2024 पैरालंपिक जीत से पहले के संघर्षों का खुलासा किया,

जिसमें एक गंभीर सर्जरी भी शामिल है और जिसके कारण उन्हें एक महीने तक प्रशिक्षण से दूर रहना पड़ा था।

लेखरा ने बताया, मैं वहाँ थी, सर्जरी के बाद मार्च में सपने टूटते हुए दिख रहे थे। उसके बाद एक महीने तक बिस्तर पर आराम करना पड़ा, जबकि दूसरे लोग कड़ी मेहनत कर रहे थे। लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ - यही मेरा लक्ष्य है। भारत के लिए मेरा प्यार, उसका प्रतिनिधित्व करने की मेरी इच्छा - यही कारण है कि मैंने यह यात्रा शुरू की।

लेखरा का मंत्र, एक दिन सब ठीक हो जाएगा तैयारी के उन कठिन हफ्तों के दौरान उनका युद्धघोष बन गया। उन्होंने कहा, संदेह के उस क्षण से लेकर भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतने तक - यह विश्वास की एक बड़ी छलांग थी।

मिर्ची गेट एक्टिव एक्सपो, वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के लिए तैयार होने वाले धावकों के लिए केंद्र के रूप में कार्य करता है। यहाँ, प्रतिभागी अपने आवश्यक रनिंग बिब्स प्राप्त कर सकते हैं और शीर्ष स्तरीय खेल और जीवन शैली ब्रांडों से विशेष ऑफर्स का पता लगा सकते हैं।

एक्सपो में गुरुवार और शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक और शनिवार को सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आगंतुकों का स्वागत किया जाता है।

कंटेंट क्रिएशन का बाजार 2035 तक होगा 480 अरब डॉलर का : सिंधिया

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारत दुनिया की कंटेंट निर्माण की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है, जिसका बाजार 2035 तक 30 अरब डॉलर से बढ़कर 480 अबर डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ज्योतिरादित्य सिंधिया राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रही 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024' के ''एआई और डिजिटल प्लेटफॉर्म'' का उपयोग करना शीर्षक पर एक पैनल चर्चा को संबोधित कर रहे थे। संचार मंत्री ने चर्चा के दौरान सूचना तक पहुंच के लोकतंत्रीकरण और डिजिटल क्रांति का नेतृत्व करने के लिए 6-जी जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों को अपनाने के लिए भारत की तत्परता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआई वास्तविक समय में वैयक्तिकरण और दर्शकों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करता है। इसलिए रचनात्मक अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ने वाली है। यह बातचीत एआई की मानवीय रचनात्मकता को प्रतिस्थापित करने के बजाय पूरक करने की क्षमता पर केंद्रित थी। चर्चा के दौरान उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि एआई-संचालित सामग्री शिक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने में भी मदद कर सकती है, जो सार्थक जानकारी फैलाने के अभूतपूर्व अवसर प्रदान करती है। चर्चा में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि कंटेंट निर्माण में एआई राजस्व धाराओं का विस्तार करने, लागत कम करने और नए बाजारों में प्रवेश करने का एक अवसर है, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में जहां कंटेंट उपभोग पैटर्न विकसित हो रहे हैं। ये बातचीत एआई की मानवीय रचनात्मकता को प्रतिस्थापित करने के बजाय पूरक करने की क्षमता पर केंद्रित थी। एआई क्षेत्रीय सामग्री को बढ़ा रहा है, भारत में यूट्यूब की 95 फीसदी खपत अब क्षेत्रीय भाषाओं में हो रही है, जो कुछ साल पहले मुख्य रूप से अंग्रेजी बोलने वाले डिजिटल क्षेत्र से बदलाव को दर्शाता है।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। वहीं, डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली की वजह से वॉल स्ट्रीट की सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। डाउ जॉन्स ऊपरी स्तर से करीब 60 अंक तक लुढ़क गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स भी ऊपरी स्तर से 55 अंक लुढ़क कर 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,841.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने बिकवाली के दबाव की वजह से ऊपरी स्तर से 168 अंक टूट कर 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 18,373.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,216.32 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 8,385.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.21 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,583.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 150.58 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,583.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 159.50 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूट कर 24,700.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.68 प्रतिशत लुढ़क कर 2,591.45 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 38,907.54 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,729.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सीतारमण ने मैक्सिको के ग्वाडलजारा में टेक लीडर्स राउंडटेबल की अध्यक्षता की

मैक्सिको सिटी/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को यहां ग्वाडलजारा में चैंबर ऑफ कॉमर्स में टेक लीडर्स राउंडटेबल की अध्यक्षता की। सीतारमण ने बैठक के दौरान भारत और मैक्सिको के बीच तकनीकी सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि इस बैठक का उद्देश्य वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं को एक साथ लाना था, जिसमें इस क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख भारतीय आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। इस गोलमेज सम्मेलन का आयोजन मैक्सिकन एसोसिएशन ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री और टाटा कंसल्टिंग सर्विसेज ने मैक्सिको में भारतीय दूतावास और आर्थिक मामलों के विभाग के सहयोग से किया था। वित्त मंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए समान स्थिति वाली अर्थव्यवस्थाओं के लिए अवसर और जिम्मेदारियों के बारे में बात की और बताया कि कैसे भारत और मेक्सिको एक-दूसरे का लाभ उठाने के साथ सहयोग कर सकते हैं। सीतारमण ने कहा कि मेक्सिको निकटवर्ती क्षेत्र के माध्यम से फल-फूल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीच सहयोग हुआ है और प्रतिभाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त प्रयास भी संभव हुए हैं।

मूडीज ने बजाज फाइनेंस को पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) को स्थिर दृष्टिकोण के साथ निवेश 'ग्रेड' का संकेत देते हुए पहली बार 'बीएए3' रेटिंग दी है। मूडीज के बयान का हवाला देते हुए बीएफएल ने कहा कि कंपनी की रेटिंग उसकी मजबूत तथा स्थापित फ्रेंचाइजी को भारत में सबसे बड़ी खुदरा उन्मुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में मान्यता देती है, जिसके पास बड़ा ग्राहक आधार तथा वितरण नेटवर्क है। इसमें विविधतापूर्ण ऋण पुस्तिका जो इसके उच्च जोखिम-समायोजित लाभप्रदता का समर्थन करती है।

तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से की शानदार रिकवरी

निवेशकों ने 1 दिन में कमाए 1.05 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लगातार 3 दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार रिकवरी के मूड में नजर आया। कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद गिरावट और बढ़ती चली गई लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिससे शेयर बाजार की रफ्तार में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल, फाइनेंशियल, यूटिलिटी, रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर आईटी, ऑयल एंड गैस, टेक और एफएमसीजी इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 458.30 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 457.25 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,043 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,932 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,004 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,494 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,183 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,311 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 257.35 अंक की गिरावट के साथ 80,749.26 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण के ये सूचकांक अगले 15 मिनट में ही 597.36 अंक की कमजोरी के साथ 80,409.25 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि इसके बाद तेजड़ियों ने बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 981.90 अंक उछल कर 384.54 अंक की मजबूती के साथ के सर्वोच्च स्तर 81,391.15 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 218.14 अंक की बढ़त के साथ 81,224.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 84.90 अंक की कमजोरी के साथ 24,664.95 अंक के स्तर से के कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 182.20 अंक टूट कर 24,567.65 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि शुरुआती 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले निचले स्तर से 318.55 अंक उछल कर 136.35 अंक की तेजी के साथ 24,886.20 अंक तक पहुंच गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 104.20 अंक की मजबूती के साथ 24,854.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एक्सिस बैंक 5.74 प्रतिशत, विप्रो 3.76 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 3.07 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 2.70 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 2.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। इंफोसिस 4.50 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 2.08 प्रतिशत, ब्रिटानिया 1.69 प्रतिशत, नेस्ले 1.20 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,270 रुपये से लेकर 78,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,760 रुपये से लेकर 71,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,120 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,170 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से सोना महंगा हुआ है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कुछ खतरनाक...

श्री धनखड़ ने भारत में भेदभाव रहित विकास के परिवर्तनकारी दशक पर प्रकाश डाला जिससे वर्ग, जाति, जनसांख्यिकी के बावजूद समाज के हर वर्ग के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत की आर्थिक वृद्धि अजेय रही है और यह पिरामिडीय नहीं है और सभी को लाभ मिल रहा है। किफायती आवास, गैस कनेक्शन, नल का पानी, इंटरनेट कनेक्टिविटी, सड़क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं गैर-भेदभावपूर्ण प्रगति है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी विकासात्मक परियोजना कभी भी उन परिस्थितियों के अलावा अन्य परिस्थितियों से निर्धारित नहीं हुई है जो मानवाधिकारों के अंतिम उद्देश्य को पूरा करती हैं।इससे पहले आयोग की कार्यवाहक अध्यक्ष विजया भारती सयानी ने कहा कि आयोग मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों सहित हाशिए पर मौजूद लोगों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर सभी के लिए सम्मान, स्वतंत्रता और कल्याण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे उन्हें अपने अधिकारों का दावा करने और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने में मदद मिलेगी। यह पर्यावरणीय अधिकारों की आवश्यकता, स्थायी प्रथाओं और प्रदूषण के लिए जवाबदेही पर जोर देता है। इसके स्थापना दिवस और उपलब्धियों का जश्न मनाना, हमें कमजोर समूहों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहने, उनकी अनूठी स्थितियों के लिए करुणा के साथ उनके मानवाधिकारों को प्राथमिकता देने की याद दिलाता है।उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत की प्रगति मानव अधिकारों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से निकटता से जुड़ी हुई है, जो हमारी सभ्यता में गहराई से अंतर्निहित है और हमारे संविधान में निहित है। व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान भारतीय लोकाचार का केंद्र है, जो वेदों और गीता जैसे प्राचीन ग्रंथों में निहित है। मानवता के छठे हिस्से के घर के रूप में, भारत व्यक्तिगत गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में दुनिया के लिए एक आदर्श बन रहा है। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री विविधता में हमारी ताकत को प्रदर्शित करती है।उन्होंने कहा कि आयोग ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न की गंभीर रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया दी। आयोग द्वारा मौके पर की गई जांच से पता चला कि भय और धमकी का माहौल पीड़ितों को न्याय मांगने से रोकता है। आयोग के महासचिव भरत लाल ने स्वागत भाषण में कहा कि आयोग सभी के लिए सम्मान और गरिमा की संस्कृति को बढ़ावा देता है। आयोग के व्यापक जनादेश की झलक देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में 68 हजार से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं और लगभग 70 हजार का निपटारा किया गया और पीड़ितों और उनके परिजनों को 17 करोड़ से अधिक का मुआवजा दिया गया। राज्य मानवाधिकार आयोगों के सदस्य, न्यायपालिका के सदस्य, राजनयिक, वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक समाज के प्रतिनिधि, मानवाधिकार रक्षकों सहित अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों ने समारोह में भाग लिया।

बेनामी लेनदेन...

और मामले को नए सिरे से विचार के लिए छोड़ दिया गया था।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से श्री मेहता ने तर्क दिया कि फैसले से ही यह स्पष्ट था कि दोनों पक्षों में से किसी ने भी असंवैधानिकता के बारे में कोई दलील नहीं दी। उन्होंने कहा कि फैसले ने असंशोधित प्रावधानों को खारिज कर दिया, जबकि उन्हें 2016 में संशोधित किया गया था। शीर्ष अदालत के अगस्त 2022 के फैसले में कहा गया कि बेनामी अधिनियम में 2016 के संशोधन का पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं होगा। तत्कालीन भारत के मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम 1988 के प्रावधानों को खारिज कर दिया, जिसमें तीन साल तक की कैद या जुर्माना लगाया जाता था।

शीर्ष अदालत ने ...

वह धर्मनिरपेक्ष कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करे। पीठ ने फाउंडेशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और वी गिरी से कहा, इसका उद्देश्य संगठन को बदनाम करना नहीं है, बल्कि आपको धर्मनिरपेक्ष प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। उल्लंघनों को सुधारना होगा।शीर्ष अदालत ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा की गई कार्यवाही के बाद तीन अक्टूबर को उस मामले को अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। इसके बाद शीर्ष अदालत की पीठ ने दोनों महिला साध्वियों से वर्चुअली और चैंबर में बातचीत की और पाया कि वे अपनी मर्जी से और बिना किसी दबाव के वहां रह रही हैं। उच्च न्यायालय के निर्देश पर तमिलनाडु पुलिस ने एक अक्टूबर को ईशा फाउंडेशन के आश्रम में तलाशी ली थी।

मुडा ऑफिस ...

उनके परिवार से जुड़ी नहीं है। छापेमारी पर कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बी सुरेश ने कहा- यह छापेमारी नहीं है। वे दस्तावेज मांगने आए थे। आप दस्तावेज मांगने को छापेमारी कैसे कह सकते हैं? बता दें, कि मुडा इनके मंत्रालय के तहत ही आता है। सुरेश ने आगे कहा- जिन भी दस्तावेजों की मांग की जाएगी, वे उपलब्ध कराए जाएंगे। देसाई कमेटी को 8 लाख पेज के रिकॉर्ड दिए गए थे। मांगने पर वह भी दिए जाएंगे। लेकिन ये एक दिन में नहीं हो पाएगा, क्योंकि 8 लाख पेज की फोटोकॉपी में एक सप्ताह लग सकता है।ईसीआईआर (इंफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट) दर्ज होने के बाद ईडी को छापेमारी का अधिकार है। वे जो भी दस्तावेज मांगेंगे, मुडा देगा। इसमें हमारे शामिल होने का सवाल ही नहीं है, अधिकारी दस्तावेज मुहैया कराएंगे। ईडी, पुलिस और अदालतें अपने अधिकार क्षेत्र की सीमाएं जानती हैं, ईडी को जांच करने दें। दो दिन पहले 16 अक्टूबर को मुडा के चेयरमैन मारी गौड़ा ने इस्तीफा दिया था। उन्होंने रेजिग्नेशन लेटर में लिखा था कि सीएम ने उन्हें इस्तीफा देने को कहा था। लेकिन उन्होंने किसी दबाव में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया है। उन्होंने यह कदम मुडा जमीन घोटाले की लोकायुक्त जांच के बीच उठाया था। गौड़ा सीएम सिद्धारमैया के करीबी हैं। उन्होंने 40 साल से ज्यादा समय तक काम उनके साथ काम किया है। ईडी के साथ ही मैसुरु लोकायुक्त भी घोटाले की जांच कर रहे हैं। जांच शुरू होने के बाद से अब तक सिद्धारमैया की पत्नी मुडा की तरफ से मिले 14 प्लॉट वापस करने की बात कह चुकी हैं, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे राहुल खड़गे ने भी अपने ट्रस्ट को दी गई 5 एकड़ जमीन लौटा चुके हैं।कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने 21 सितंबर को कहा- याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। सीएम ने 19 अगस्त को इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

हरियाणा में एससी ...

कांग्रेस की सरकार युवाओं के जीवन में अंधेरा कर रही थी। कांग्रेस राज में पर्ची खर्ची के साथ नौकरी मिल रही थी। युवाओं को रोजगार देना हमारा दायित्व है। कांग्रेस युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही थी। हमारी सरकार ने बिना पर्ची खर्ची के नौकरी दी है। अगले पांच साल में हरियाणा का और विकास होगा।

भाजपा 68, आजसू...

उल्लेखनीय है कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में 13 नवंबर और 20 नवंबर को मतदान होगा। वहीं 23 नवंबर को नतीजों का एलान किया जाएगा। पहले चरण में राज्य की 43 विधानसभा सीटों पर और दूसरे चरण में 38 सीटों पर मतदान होगा। झारखंड में एनडीए का मुकाबला झामुमो के नेतृत्व वाली इंडी गठबंधन से होगा, जिसमें झामुमो, कांग्रेस, राजद शामिल हैं। इस बार झारखंड की 81 में से 25 विधानसभा सीटें हॉट मानी जा रही हैं। इनमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत उनके कैबिनेट के सभी 12 मंत्री, स्पीकर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, पूर्व सीएम चंपाई सोरेन, आजसू पार्टी सुप्रीमो, सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन और पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा या उनकी पत्नी और गीता कोड़ा का निर्वाचन क्षेत्र शामिल है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बरहेट सीट से पिछला चुनाव लड़े थे, इस बार उनके यहीं से लड़ने की संभावना है। ऐसे में यह राज्य की सबसे ज्यादा हॉट सीट बन रही है।

रक्षा क्षेत्र में ...

यह निजी क्षेत्र के लिए नेतृत्व करने का समय है क्योंकि इसमें तेजी से बदलावों को अपनाने और नए नवाचार की क्षमता है।श्री सिंह ने गैर परंपरागत युद्ध में बढत हासिल करने के लिए लीक से हटकर विचारों को अपनाने का एकमात्र तरीका बताया। इसे एक कठिन कार्य बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रयास में युवाओं, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों और एमएसएमई को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र को और अधिक नवीन और प्रौद्योगिकी-उन्मुख बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। अनुसंधान एवं विकास परिदृश्य को मजबूत करने और वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ावा देने के लिए डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना पात्र उद्योगों को अनुदान सहायता के रूप में कुल परियोजना लागत का 90 प्रतिशत तक प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि कुल सहायता 50 करोड़ रुपये तक है, जो किसी भी एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास में निवेश के लिए एक अच्छी राशि है। छह साल पहले शुरू होने के बाद से, 79 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 18 परियोजनाओं में प्रौद्योगिकी सफलतापूर्वक विकसित की गई है। श्री सिंह ने अगली पीढ़ी के नवप्रवर्तकों और स्टार्ट-अप को रक्षा अनुप्रयोगों के लिए परिवर्तनकारी विचारों के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से डेयर टू ड्रीम 5.0 की शुरूआत की। डीआरडीओ की नवाचार प्रतियोगिता के पांचवें संस्करण का उद्देश्य रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए भारत के लिए अत्याधुनिक समाधान तैयार करना है।रक्षा मंत्री ने डेयर टू ड्रीम 4.0 के विजेताओं को भी सम्मानित किया। उन्होंने चुनौतियों को रक्षा क्षेत्र में भविष्य के लिए देश के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, हमारे बहादुर सैनिकों की तरह, वैज्ञानिक, उद्योग जगत के नेता, शिक्षाविद, स्टार्ट-अप, एमएसएमई और उद्यमी भी देश के योद्धा हैं, जो हर कार्य को पूरा करने के लिए तैयार हैं। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में प्रगतिशील और विघटनकारी दोनों प्रौद्योगिकियों में प्रगति हासिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डेयर टू ड्रीम जैसी पहल के माध्यम से प्राप्त चुनौतियों का समाधान दो प्रकार की प्रौद्योगिकियों के बीच महत्वपूर्ण अंतर को पाटता है। उन्होंने वैज्ञानिकों, स्टार्ट-अप और युवा उद्यमियों से लीक से हटकर सोचने और नवीनतम नवाचारों के साथ सामने आने का आह्वान किया, जैसे कि चुनौतियों को स्वीकार करना और उनसे पार पाना उनकी आदत हो।श्री सिंह ने निजी क्षेत्र से दुनिया भर में जिस अभूतपूर्व गति से तकनीकी परिवर्तन हो रहे हैं, उसके अनुरूप आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे समय पर मूल्यांकन के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि जब कोई तकनीक लागू हो तो वह पुरानी न हो जाए। उन्होंने टीडीएफ के तहत अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित परियोजनाओं के विकास और प्रौद्योगिकियों के दोहराव से बचने के लिए योजना के भीतर व्यापक स्कैन की एक प्रणाली तैयार करने का भी आह्वान किया।

राष्ट्रवाद एवं समाज...

समाज के लिए कुछ नवनीत करके जाएंगे तभी महोत्सव की असली सफलता मानी जायेगी।श्री आर्लेकर ने कहा कि राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय एकता मुख्य परिधि में होनी चाहिए। उन्होंने जयपुर लिटरेरी फेस्टिवल की भी याद दिलाई। जहां भारत विरोधी गतिविधियों की ही बातें की जाती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि साहित्यिक दर्जा किसे मिले इस पर गहन विचार की जरूरत है। राष्ट्रवादी विचार धाराएं कैसे आगे आएंगी, इस पर भी चिंतन होना चाहिए। राज्यपाल ने भोजपुरी भाषा में फैली अश्लीलता पर चिंता जताते कहा कि इसे शुद्ध कर साहित्य से जोड़ने की जरूरत है। साथ ही उन्होने कहा कि देश के अलग- अलग प्रान्तों के अल- अलग भाषायों को भी हिंदी साहित्य सम्मेलन से जोड़ने की जरूरत है ताकि पूरे देश के प्रान्तों को पता चले साहित्य की परिभाषा क्या है और लोग हमारी भाषा को किस रूप में जान रहे है।साहित्य सम्मेलन में बिहार के साथ मिथिला के सांस्कृतिक धरोहर पर्व-त्योहार को लेकर आकर्षक नृत्य और संगीत का अभूतपूर्व प्रदर्शन भी किया गया जिसमें छठ महापर्व से लेकर लोकनृत्य झिझिया के अलावा सामा चकेवा पर्व गीत संगीत के साथ चंद्रगुप्त मौर्य के सम्राट बनने तक को नाट्य कला के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। उद्घाटन सत्र को युवराज कपिलेश्वर सिंह, साहित्य अकादमी दिल्ली की उपाध्यक्ष डॉ: कुमुद शर्मा, कार्यक्रम के संयोजक राजेन्द्र गुप्ता एवं नरेंद्र ठाकुर ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय पिछले कई दिनों से विशेष सक्रिय रहे। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय कुमार चौधरी ने भी अपनी भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में बिहार के अधिकांश विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में दरभंगा राज घराने के राजकुमार कुमार कपिलेश्वर सिंह ने बिहार के राज्यपाल श्री अर्लेकर का मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग और चादर देकर स्वागत किया।

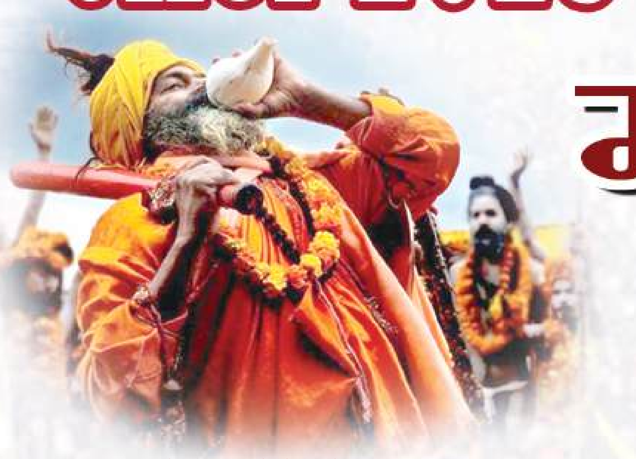

साल 2025 में कब लगेगा महाकुंभ?

जानें क्यों मनाया जाता है यह महापर्व

हिंदू धर्म में कुंभ मेले को बहुत ही खास माना जाता है। कुंभ की भव्यता और मान्यता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं, कि कुंभ में स्नान करने के लिए लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। अगला महाकुंभ, प्रयागराज इलाहाबाद में आयोजित होने जा रहा है। इसका आयोजन केवल सिर्फ प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में ही होता है। जिसके पीछे एक पौराणिक कथा मिलती है। चलिए जानते हैं इस बारे में।

कुंभ पर्व 2025 शाही स्नान तिथियां

महाकुंभ की शुरुआत पौष पूर्णिमा स्नान के साथ होती है, जोकि 13 जनवरी 2025 को है. वहीं महाशिवरात्रि के दिन 26 फरवरी 2024 को अंतिम स्नान के साथ कुंभ पर्व का समापन होगा। इस दौरान शाही स्नान की तिथियां कुछ इस प्रकार रहने वाली हैं।

14 जनवरी 2025 – मकर संक्रांति
29 जनवरी 2025 – मौनी अमावस्या
3 फरवरी 2025 – बसंत पंचमी
12 फरवरी 2025 – माघी पूर्णिमा
26 फरवरी 2025 – महाशिवरात्रि

क्यों लगता है महाकुंभ ?

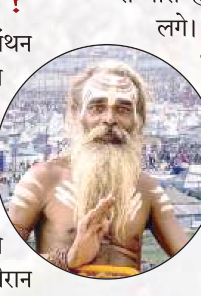

महाकुंभ की पौराणिक कथा समुद्र मंथन से जुड़ी हुई है। कथा के अनुसार, जब एक बार राक्षसों और देवताओं के बीच समुद्र मंथन हुआ, तो इस दौरान मंथन से निकले सभी रत्नों को आपस में बांटने का फैसला हुआ। सभी रत्न को राक्षसों और देवताओं ने आपसी सहमति से बांट लिए, लेकिन इस दौरान निकले अमृत के लिए दोनों पक्षों के बीच युद्ध छिड़ गया।

ऐसे में असुरों से अमृत को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने अमृत का पात्र अपने वाहन गरुड़ को दे दिया। असुरों ने जब देखा कि अमृत गरुड़ से पास है, तो वह इसे छीनने का प्रयास करने लगे। इस छीना-झपटी में अमृत की कुछ बूंदें धरती की चार जगहों पर यानी प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिरी। जहां-जहां यह बूंदे गिरी थी आज वहीं पर 12 सालों के अंतराल में कुंभ मेले का आयोजन होता है।

इसलिए 12 साल में होता है आयोजित

समुद्र मंथन के दौरान देवताओं और राक्षसों के बीच अमृत पाने को लेकर 12 दिनों तक लड़ाई चली थी। वही शास्त्रों के अनुसार, देवताओं के बारह दिन मनुष्य के बारह वर्षों के समान होते हैं। इसलिए महापर्व कुंभ प्रत्येक स्थल पर बाहर वर्ष बाद लगता है। वहीं 12 साल में कुंभ लगने का एक कारण बृहस्पति ग्रह की गति को भी माना जाता है, जो इस प्रकार है –

जब बृहस्पति ग्रह, वृषभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मकर राशि में आते हैं, तो कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में होता है।

इसी तरह जब बृहस्पति, कुंभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मेष राशि में आते हैं, तो कुंभ आयोजन हरिद्वार में होता है।

सूर्य और बृहस्पति जब सिंह राशि में हों तब महाकुंभ मेला नासिक में लगता है।

जब देवगुरु बृहस्पति सिंह राशि में हों और सूर्य मेष राशि में हों, तो कुंभ का मेला उज्जैन लगता है।

धनतेरस पर न खरीदें ये चीजें, हो सकती है रुपए पैसों की किल्लत

धनतेरस का त्योहार हिंदुओं के सबसे शुभ त्योहारों में से एक माना जाता है। यह हर साल अत्यधिक भव्यता और उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनत्रयोदशी के इस शुभ दिन पर लोग अपने घर को रोशनी से सजाते हैं और दीपक जलाते हैं। साथ ही नई चीजें खरीदते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, साल 2024 में धनतेरस कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानी 29 अक्टूबर को

मनाया जाएगा। ऐसी मान्यता है कि इस शुभ दिन पर कुबेर देव की पूजा से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही घर में बरकत आती है।

धनतेरस पर न खरीदें ये चीजें

धनतेरस के शुभ अवसर पर नुकीली चीजें जैसे – चाकू और कैंची, कांच, चीनी मिट्टी, प्लास्टिक, लोहा, स्टील, एल्युमिनियम आदि वस्तुएं नहीं खरीदनी चाहिए, क्योंकि इससे घर में दुर्भाग्य का आगमन होता है। इसके अलावा इस दिन काला कंबल, काले व नीले वस्त्र और तेल आदि का खरीदना भी अशुभ माना जाता है। वहीं, इस दिन जूते व चमड़े से बनी चीजों को भी नहीं खरीदना चाहिए, क्योंकि जूते शनि का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए शनि से संबंधित कोई भी वस्तु खरीदना शुभ नहीं माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन खाली मिट्टी का घड़ा भी घर नहीं लाना चाहिए।

ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दिन खाली मिट्टी का बर्तन या सुराही लाने से घर की बरकत जाती है। ऐसे में इसे पहले चावल, गेहूं जैसे किसी भी अनाज से भर लें फिर इसे अपने घर ले आएं।

धनतेरस का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 29 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी।

वहीं, इस तिथि का समापन 30 अक्टूबर को दोपहर 01 बजकर 15 मिनट पर होगा। उदया तिथि को देखते हुए 29 अक्टूबर को धनतेरस मनाया जाएगा। वहीं, इस दिन की पूजा का शुभ मुहूर्त संध्याकाल 06 बजकर 31 मिनट से लेकर 08 बजकर 13 मिनट तक है। ऐसे में पूजा के दौरान समय का विशेष ख्याल रखें।

पूजा के समय करें कुबेर देव के इन मंत्रों का जाप

1. ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः।।
2. ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं कुबेराय अष्ट-लक्ष्मी मम गृहे धनं पुरय पुरय नमः।।
3. ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये, धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।।

25 वर्षों से जल रही अखंड ज्योति

दर्शन से पूरी होती हैं मुरादें

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में स्थित प्राचीन मठिया देवी मंदिर, आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर में पिछले 25 वर्षों से लगातार अखंड ज्योति जल रही है, जो भक्तों की अपार श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। यहां आने वाले लाखों भक्त इस अखंड ज्योति के सामने अपनी मुरादें मांगते हैं, और माना जाता है कि माता रानी की कृपा से उनकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। भक्तजन हमेशा मंदिर से आशीर्वाद लेकर ही लौटते हैं, क्योंकि यहां किसी की झोली खाली नहीं जाती।

फर्रुखाबाद के रेलवे रोड पर स्थित मठिया देवी मंदिर लगभग 200 वर्ष पुराना है। नवरात्रि के शुभ अवसर पर यहां विशेष हवन-पूजन और देवी मां का आवाहन किया जाता है। मंदिर की यह प्राचीनता और श्रद्धा इसे भक्तों के लिए खास बनाती है।

इस मंदिर में वर्ष 1999 से लगातार अखंड ज्योति जलती आ रही है। मां मंगला गौरी की प्रतिमा के पास स्थित अलमारी में रखी इस अखंड ज्योति को निरंतर जलाए रखने में भक्तगण हमेशा सहयोग करते हैं। यह ज्योति दिन-रात बिना रुके जलती रहती है। माना जाता है कि जो भी भक्त एक बार इस अखंड ज्योति के दर्शन कर लेता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

शारदीय नवरात्र के दौरान, माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। अखंड ज्योति के दर्शन के लिए भक्त दूर-दूर से आते हैं और अपने जीवन में सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मंदिर आजादी के दौर में अंग्रेजी हुकूमत के निशाने पर था। उन्होंने इसे हटाने के कई प्रयास किए, लेकिन मंदिर पर संकट डालने की उनकी कोशिशें नाकाम रहीं। इसके बाद अंग्रेजी शासन पर विपत्तियां आने लगीं। यहां मान्यता है कि जो भक्त माता के दर्शन करता है, उसकी बीमारियां दूर होती हैं और जीवन में आने वाली विपत्तियां टल जाती हैं। मठिया देवी मंदिर की यह अद्वितीय आस्था और इतिहास आज भी लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

विवाहित महिलाएं क्यों पहनती हैं बिछिया? क्या है इसे पहनने के नियम

हिन्दू धर्म में होने वाले विवाह में कई सारी परंपराओं का निर्वाहन किया जाता है। इनमें प्राचीन संस्कृति भी विशेष महत्व रखती हैं। इनमें से एक है विवाहित महिलाओं का बिछिया पहनना है, जो पैरों की कई उंगलियों में पहनी जाती है। इन्हें सबसे पहले शादी के दौरान मंडप में पहनाया जाता है, लेकिन इसके बाद वे इसे समय-समय पर बदल सकती हैं। बिछिया को सिर्फ परंपरा या संस्कृति से जोड़कर नहीं देखा जाता है बल्कि स्वास्थ्य के हिसाब से भी यह विशेष स्थान रखती हैं। इसलिए इसे बदलने यानी कि नई बिछिया पहनने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कुछ नियम बताए गए हैं।

क्या है बिछिया पहनने का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, बिछिया को स्त्रियों के लिए वैवाहिक जीवन का प्रतीक माना जाता है। अधिकांश बिछिया पैर की दूसरी उंगली में पहनी जाती है। वहीं कई महिलाएं अन्य उंगलियों में भी पहनती हैं। ज्योतिष में, बिछिया को चंद्रमा से जोड़कर देखा जाता है और बिछिया चांदी की बनी होती है। ऐसा माना जाता है कि यह महिलाओं को शीतलता प्रदान करती हैं, जिससे उन्हें मानसिक शांति मिलती है।

क्यों बदली जाती हैं बिछिया?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, वैवाहिक जीवन में संस्कृति या परंपरा से जुड़ी किसी भी चीज को पुरानी या टूटी पहनना अच्छा नहीं माना गया है। ऐसे में जब बिछिया पुरानी हो जाती है या टूट जाती है तो उसे बदल दिया जाता है क्योंकि, यदि आप इसे बदलते नहीं हैं तो इसके अशुभ परिणाम आपको दिखाई देने लगते हैं।

कब बदलना चाहिए बिछिया?

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि ज्योतिष शास्त्र में शुभ समय का अत्यधिक महत्व होता है। वहीं बिछिया बदलने के लिए अमावस्या, पूर्णिमा, वट सावित्री, अक्षय तृतीया, नवरात्रि और करवा चौथ जैसे त्योहारों का समय शुभ माना गया है। ज्योतिषियों के अनुसार, इन तिथियों पर आप सिर्फ बिछिया ही नहीं किसी भी प्रकार के आभूषण को बदल सकते हैं या पहन सकते हैं। इसके अलावा बिछिया बदलने के लिए रविवार का दिन शुभ माना गया है।

सिर्फ एक उपाय से घर में नहीं होगा वास्तु दोष

वास्तु का अर्थ है भगवान और मनुष्य का साथ। हमारा शरीर पांच मुख्य पदार्थों से बना है और वास्तु का संबंध इन पांचों ही तत्वों से माना जाता है। कई बार ऐसा होता है कि हमारा घर, दुकान या ऑफिस हमारे शरीर के अनुकूल नहीं होता, तब यह बात हम पर विपरीत असर डालती है और इसे ही वास्तु दोष कहा जाता है। घर के किसी भी भाग को तुड़वाकर दोबारा बनवाने से भी वास्तु भंग दोष लगता है। वास्तु देवता को वास्तु रक्षक, वास्तु भूत और वास्तु पुरुष जैसे नामों से जाना जाता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, हवन करने से वास्तु दोष दूर होते हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। वास्तु देवता से जुड़े हवन से जुड़ी कुछ खास बातें:

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, हवन करने के लिए घर के अग्नि कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा को सबसे अच्छा माना जाता है।

✻ हवन करने वाले व्यक्ति का मुंह दक्षिण-पूर्व की तरफ़ होना चाहिए।

✻ हवन में अग्नि प्रज्वलित करने के बाद शहद, घी, फल वगैरह की आहुति दी जाती है।

✻ हवन के बाद ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए और उन्हें वस्त्र और मुद्रा का दान देना चाहिए।

✻ हवन करने से वातावरण शुद्ध होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

✻ वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर बनाने से पहले भूमि पूजन और शिलान्यास की पूजा करनी चाहिए।

✻ घर बनने के बाद गृह प्रवेश की पूजा करनी चाहिए

न शादी होने देगा, न लिवर-किडनी रहेगी सलामत, बर्बादी लाता है ये ग्रह, ज्योतिष से जानिए इसके उपाय

वास्तु दोष को दूर करता है हवन

वास्तु शास्त्र के अनुसार, हवन-पूजा कराने से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है। घर बनाने के दौरान वास्तु दोष को दूर करने के लिए हवन किया जाता है। घर बनाने में किसी तरह का कोई वास्तु दोष न रह जाएं, इसलिए निर्माण से पहले शुभ मुहूर्त में भूमि पूजन और शिलान्यास की पूजा की जाती है। इसके बाद घर बनने के बाद गृह प्रवेश की पूजा की जाती है, जिससे आंतरिक और बाहरी वातावरण शुद्ध और पवित्र बना रहे।

वास्तु दोष के निवारण के लिए ही वास्तु हवन किया जाता है। वास्तु हवन मुख्यतः नए घर या ऑफिस में प्रवेश से पहले किया जाता है। हवन करवाने वाले व्यक्ति को या दंपति को हवन होने तक उपवास रखना चाहिए।

वास्तु हवन की विधि

वास्तु हवन के लिए सबसे पहले हवन वेदी की स्थापना की जाती है फिर चारों दिशाओं में 32 देवता और मध्य मे 13 देवता स्थापित किए जाते है। मंत्रोच्चरण से सभी देवताओं का आह्वान किया जाता है। इसके बाद आठों दिशाओं, पृथ्वी व आकाश की पूजा की जाती है। हवन वेदी पर हवन कुंड रखकर अग्नि की स्थापना की जाती है। फिर अग्नि प्रज्वलित करके इसमें हवन सामग्री में तिल, जौ, चावल, घी, बताशे मिलाकर वास्तु मंत्र पढ़ते हुए 108 आहुतियां दी जाती है। अंत में हवन कुंड में पूर्ण आहुति दी जाती है। भोग लगाया जाता है और इसी के साथ हवन संपन्न किया जाता है।किसी शुभ दिन या रवि पुष्य योग को वास्तु हवन पूजन कराना चाहिए।

वास्तु पूजन का मंत्र

वास्तोष्पते प्रति जानीह्यस्मान् त्स्वावेशो अनमीवोरू भवान्
यत् त्वेमहे प्रति तन्नो जुषस्व शं नो भव द्विपदे शं चतुष्पदे

वास्तु हवन पूजन सामग्री

पूजन सामग्री में सिक्के, सुपारी, सुगंधित द्रव्य, नारियल, मौली, कुमकुम, चावल, खोपरा गोला, आम की लकड़ी, आम के पत्तें, जौ, काले तिल, असली घी, पंचमेवा, पांच प्रकार की मिठाई, पांच प्रकार के फल, पांच प्रकार के फूल, हवन सामग्री, तिल, जौ, चावल, घी, बताशे, हवन कुंड आदि।वास्तु हवन घर या ऑफिस की गलत दिशात्मक संरचना के दुष्प्रभाव से बचाता है। सभी महत्वपूर्ण कार्यो जैसे अनुष्ठान, भूमि पूजन, नींव खनन, कुआं खनन, शिलान्यास, द्वार स्थापन व गृह प्रवेश आदि अवसरों पर वास्तु देव पूजा का विधान है। वास्तु हवन के लिए सबसे पहले हवन वेदी की स्थापना की जाती है। चारों दिशाओं में 32 देवता और मध्य में 13 देवता स्थापित किए जाते हैं। मंत्रोच्चारण से देवताओं का आह्वान किया जाता है। आठों दिशाओं, पृथ्वी और आकाश की पूजा की जाती है। हवन कुंड में अग्नि प्रज्वलित करके हवन सामग्री में तिल, जौ, चावल, घी, बताशे मिलाकर 108 आहुतियां दी जाती हैं। अंत में पूर्ण आहुति दी जाती है।वास्तु हवन में सिक्के, सुपारी, सुगंधित द्रव्य, नारियल, मौली, कुमकुम, चावल, खोपरा गोला, आम की लकड़ी, आम के पत्तें, जौ, काले तिल, असली घी, पंचमेवा, पांच प्रकार की मिठाई, पांच प्रकार के फल, पांच प्रकार के फूल, हवन सामग्री, तिल, जौ, चावल, घी, बताशे, और हवन कुंड की आवश्यकता होती है।

पुष्पा: द रूल से अल्लू अर्जुन की नई झलक आई सामने

6 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा: द रूल इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म पुष्पा: द राइज (2021) का सीक्वल है।अब फिल्म से अल्लू की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। पुष्पा राज बन वह एक बार फिर धमाल मचाएंगे को तैयार हैं।पुष्पा: द रूल 6 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना फिल्म छावा से होगा।बता दें, साउथ एक्टर ब्रह्मा ने फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी है. एक्टर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है. वीडियो में पुष्पा 2 के डायरेक्टर, ब्रह्मा, फहाद फासिल और एनिमल एक्टर सौरभ सचदेवा भी दिख रहे हैं. यह सभी एक कार में हैं. कार पुष्पा 2 के विलेन भंवर सिंह शेखावत फहाद चला रहे हैं. वहीं, पुष्पा 2 में शॉकिंग एंट्री सौरभ सचदेवा की है, जिन्होंने फिल्म एनिमल में बॉबी देओल के छोटे भाई का रोल प्ले किया था. सौरभ को फिल्म एनिमल से खूब शोहरत मिली है. अब पुष्पा 2 में सौरभ की एंट्री बताती है कि फिल्म और भी ज्यादा धांसू होने वाली है.पुष्पा: द रूल के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था।इस फिल्म में फहद फासिल भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। एसपी भंवर सिंह शेखावत उनकी झलक पहले ही सामने आ चुकी है।पुष्पा: द रूल हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ के साथ बंगाली भाषा में भी रिलीज होगी।यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज होने वाली है।

विनीत कुमार सिंह की फिल्म मैच फिक्सिंग की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अभिनेता विनीत कुमार सिंह का नाम बॉलीवुड के उन अभिनेताओं की सूची में शामिल है, जिन्होंने अलग-अलग किरदार निभाकर प्रशंसकों के बीच खास जगह बनाई है।पिछली बार उन्हें वेब सीरीज रंगबाज: डर की राजनीति में देखा गया था, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया। यह जी5 पर उपलब्ध है।मौजूदा वक्त में विनीत अपनी आगामी फिल्म मैच फिक्सिंग को लेकर चर्चा में हैं। अब इस फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।राजनीतिक थ्रिलर फिल्म मैच फिक्सिंग 15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।

फिल्म से विनीत की पहली झलक भी सामने आ गई है।मैच फिक्सिंग कंवर खताना की किताब द गेम बिहाइंड सैफरन टेरर से प्रेरित है। फिल्म की कहानी अनुज एस मेहता ने लिखी है।इस फिल्म में अनुजा साठे और मनोज जोशी जैसे सितारे भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

केदार गायकवाड़ ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

वरुण धवन की बेबी जॉन में नजर आएंगी कीर्ति सुरेश

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की 32वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा मिला है। दरअसल, वरुण धवन की आगामी फिल्म बेबी जॉन की स्टार कास्ट में कीर्ति शामिल हो गई हैं।पिछले काफी समय से यह खबरें आ रही थीं, लेकिन अब कीर्ति के जन्मदिन पर इसका आधिकारिक ऐलान हो गया है।इस फिल्म के जरिए कीर्ति बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।जियो स्टूडियोज ने कीर्ति को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, कीर्ति सुरेश को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हम बेबी जॉन में आपका जादू देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।कीर्ति और वरुण के अलावा वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।बेबी जॉन को 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके निर्देशन की कमान कलीज ने संभाली है, वहीं फिल्म कहानी जवान के निर्देशक एटली ने लिखी है।

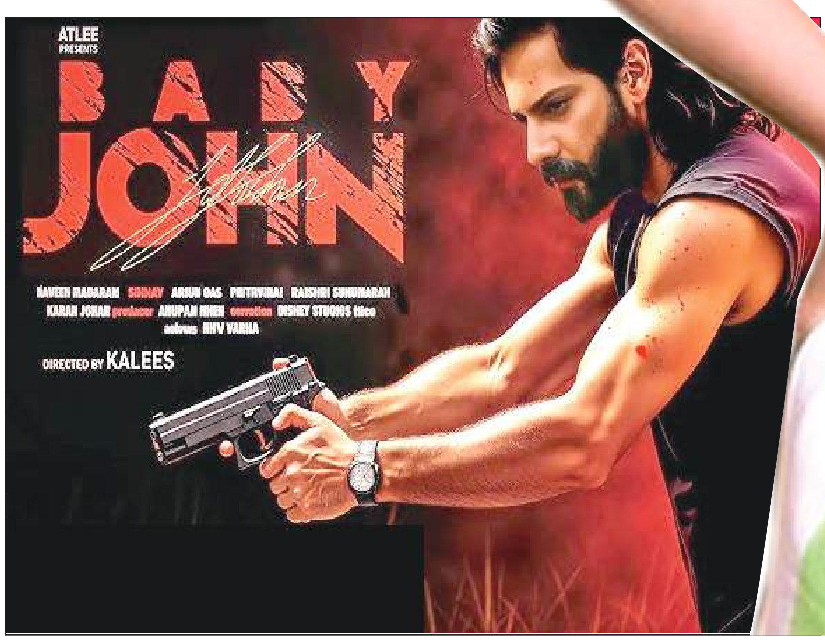

श्रद्धा कपूर को मिला नया प्यार

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं।हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने खुलासा किया था कि वह रिलेशनशिप में हैं और अपने साथी के साथ समय बिताना पसंद करती हैं।पिछले कुछ समय से श्रद्धा का नाम फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के लेखक राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा है।अब खबर आ रही है कि श्रद्धा और राहुल का ब्रेकअप हो गया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा और राहुल को ब्रेकअप हो चुका है। दोनों स्त्री 2 की रिलीज से पहले ही अलग हो चुके हैं।राहुल से अलग होने के कुछ महीनों बाद अब श्रद्धा को नया प्यार मिल गया है।खबर आ रही है कि अभिनेत्री एक सिंधी व्यवसायी को डेट कर रही हैं, जो बॉलीवुड से ताल्लुक नहीं रखते। हालांकि, उन्होंने कुछ फिल्मों पर निवेश किया है। अब यह सच है या नहीं, ये तो श्रद्धा ही बताएंगी।खबर यह भी है कि श्रद्धा जिस सिंधी बिजनेसमैन को डेट कर रही हैं, वह उनसे उम्र में छोटा है। कहा जा रहा है कि वह स्त्री 2 के प्रचार-प्रसार के दौरान श्रद्धा के साथ दिल्ली में ही थे।रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि श्रद्धा जल्द ही सिंधी व्यवसायी से शादी के बंधन में बंध सकती हैं।राहुल और सिंधी बिजनेसमैन से पहले श्रद्धा का नाम अभिनेता आदित्य रॉय कपूर के साथ भी जुड़ चुका है।

कृति सैनन ने पहनी लगभग 3 लाख रुपए की डेनिम जैकेट और ट्राउजर

कृति सैनन ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह डेनिम जैकेट और ट्राउजर पहने नजर आ रही हैं।उनकी यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। अभिनेत्री का यह लुक भी उनके प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है।हर शख्स कृति की इन कपड़ों की कीमत जानना चाहता है, जो लाखों में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कृति के इन कपड़ों की कीमत 2.93 लाख रुपये है।कृति इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो पत्ती को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस फिल्म के जरिए कृति बतौर निर्माता बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। दो पत्ती कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म है।इस फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री काजोल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। शाहीर शेख भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।इस फिल्म का प्रीमियर 25 अक्टूबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते है। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं स्वास्थ्य परेशान कर सकता हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढाना पड सकता हैं। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च मे कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे । आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाए । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज बडे बुजुर्गो का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपका किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैतृक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गौ सेवा करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किस्मत का सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यों पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड रही हैं तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भागमदौड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किस्मत का साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ़ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान है तो दुर्गा की उपासना करें कार्यसिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्रभु की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं सतर्क रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुडे हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव हैं प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की जिम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगें। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। क्षमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप मे जोश और उर्जा का संचार रहेगा । आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्ध्य देकर दिन की शुरुआत करें आपका दिन ऊर्जावान रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी–मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज–भूज का परिचय देना पडेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती हैं ज्यादा महनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरुरत नही है। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम मे जाना पड सकता हैं खर्चा भी ज्यादा हो सकता हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नही दे पांएगे । व्यवसाय मे धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पडेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जलदबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बडे सीनियर्स से वाद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितैषी का साथ मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप द्विज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड सकता है। बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से घिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। जमीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करते समय शब्दों का चयन बडी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 19 अक्टूबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रात: 09:51 तक
नक्षत्र : भरणी प्रात: 10:57 तक
योग : सिद्धि सायं 05:40 तक
करण : गर प्रात: 09:51 तक
चन्द्रराशि : मेष सायं 04:10 तक
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10, सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:50 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 05:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 08:14 से , चातुर्मास व्रती को कार्तिक महीने में दाल खाना वर्जित है

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनता ने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति खारिज कर राजग के सुशासन के एजेंडे पर जताया भरोसा : मोदी

चंडीगढ़, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हरियाणा की जनता ने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को खारिज कर स्पष्ट संदेश दिया है कि उसका भरोसा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रगति और सुशासन के एजेंडे पर है। प्रधानमंत्री ने राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुरुवार को यह बात कही। एक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सुशासन की लोकप्रियता का कारण शिकायत निवारण पर ध्यान देने वाला समाधान–केंद्रित शासन बताया है और जनभागीदारी पर जोर देते हुए कहा है कि शासन में लोगों की भागीदारी से संतुष्टि बढ़ने के साथ ही सरकार का बोझ भी कम हुआ है। प्रधानमंत्री ने सभा की सराहना करते हुए इसे 1975 के बाद गैर–कांग्रेसी राजनीतिक दलों का सबसे बड़ा समूह बताया। इस सम्मेलन में कुल 17 मुख्यमंत्रियों और 18 उपमुख्यमंत्रियों ने भाग लिया।

उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी बैठकें हर साल दो बार होनी चाहिए। श्री मोदी ने हरियाणा में जीत को महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि राजग ने समाज के सभी वर्गों का विश्वास और समर्थन हासिल किया है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कैसे विपक्ष ने राजग के किसान विरोधी होने के झूठे आख्यानों को चित्रित करने की कोशिश की जबकि यह किसान ही थे जो राजग को आशीर्वाद देने के लिए बड़ी संख्या में सामने आए थे। उन्होंने विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को खारिज करने और उन्हें स्पष्ट संदेश देने के लिए हरियाणा के लोगों को धन्यवाद दिया कि वे राजग के प्रगति और सुशासन के एजेंडे के साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज राजग सरकार आम नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा कर रही है और अंतिम छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित करना हमारी सरकार की विशिष्टता रही है जिससे 2014 के बाद से जनता में सरकार के प्रति विश्वास पैदा करने में मदद मिली है। इस तथ्य पर प्रकाश डालते हुए कि सुशासन का अर्थ अंततः लोगों की समस्याओं का समाधान खोजना है, श्री मोदी ने कहा कि शिकायत निवारण पर ध्यान देने वाला समाधान–केंद्रित शासन सभी राजग राज्य सरकारों की एक विशिष्ट पहचान है।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार से तुलना करते हुए प्रधानमंत्री ने

शिकायत निवारण पर आधारित समाधान–केंद्रित शासन राजग सरकारों की पहचान

कहा कि संप्रग सरकार के 10 वर्षों में पांच लाख पत्रों की तुलना में पिछले 10 वर्षों में उन्हें 4.5 करोड़ पत्र मिले हैं, जो राजग सरकार में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। श्री मोदी ने कहा कि सुचारू शासन, तेजी से निर्णय लेने और शासन में पारदर्शिता ने राजग राज्यों में निवेशकों और निवेश को आकर्षित करने में मदद की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में राजग–भाजपा की जीत पर प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए एक प्रस्ताव पेश किया, जिसका नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने समर्थन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के संविधान के निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने को संविधान का अमृत महोत्सव के रूप में मनाने के विषय पर एक प्रस्ताव पेश किया। इसमें संविधान की गरिमा की बहाली पर प्रकाश डाला गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के इतिहास में पहली बार नयी सरकार का शपथ ग्रहण भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार आयोजित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2025 को लोकतंत्र की हत्या के 50वें वर्ष के रूप में मनाने का प्रस्ताव पेश किया।

नेताओं ने तीन अन्य प्रस्तावों में वर्ष 2025 में भगवान बिरसा मुंडा और सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी मनाने का भी संकल्प लिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं राजग के वरिष्ठ नेता एन. चंद्रबाबू नायडू ने आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और विश्व स्तर पर भारत को गौरव दिलाने के लिए श्री मोदी के नेतृत्व में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से राज्यों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री मोदी ने जन–समर्थक सक्रिय सुशासन या पी2जी2 की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी राजग राज्यों और इन राज्यों के मंत्रियों और विधायकों के बीच अधिक बातचीत की आवश्यकता पर जोर दिया और सोशल मीडिया के माध्यम से एक–दूसरे से जुड़े रहने की आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने जनभागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि शासन में लोगों की भागीदारी से सरकार का बोझ कम हुआ है। उन्होंने देश के युवाओं के साथ राजग सरकार के सीधे जुड़ाव और उन्हें विकसित भारत की यात्रा में शामिल करने की भी सराहना की।

श्री मोदी ने नेताओं से टीबी मुक्त भारत की दिशा में एकजुट होकर काम करने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, अपशिष्ट प्रबंधन, बड़े शहरों को राज्यों के विकास इंजन बनाने, पर्यटन को बढ़ावा देने और कल्याण और विकास के 11–सूत्रीय कार्यक्रम को अपनाने का भी आग्रह किया। श्री मोदी ने राजग नेताओं को सबसे स्वच्छ पर्यटन स्थलों, सबसे स्वच्छ अस्पतालों, सबसे स्वच्छ पंचायतों आदि के लिए राजग शासित राज्यों के शहरों के बीच प्रतिस्पर्धा आयोजित करने का सुझाव दिया।

राजस्थान के सात विस क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

जयपुर, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा की रिक्त सात सीटों पर आगामी तेरह नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई और इसी के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि अधिसूचना के साथ ही उपचुनाव वाले झुंझुनूं, दौसा, रामगढ़, देवली–उनियारा, खींवसर, सलूम्बर और चौरासी विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचन अधिकारियों की ओर से सार्वजनिक सूचना जारी की गई है और उम्मीदवारों के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

श्री महाजन ने बताया कि नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। नामांकन–पत्र सम्बंधित रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रतिदिन पूर्वाह्न ग्यारह से अपराह्न तीन बजे के बीच प्रस्तुत किए जा सकेंगे। रविवार 20 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं किए जायेंगे। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की संवीक्षा 28 अक्टूबर को होगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर तय की गई है। सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में मतदान 13 नवम्बर को होगा और मतदान की प्रक्रिया सुबह सात बजे शुरू होकर शाम छह बजे संपन्न होगी। इसके बाद मतगणना 23 नवम्बर को कराई जायेगी। श्री महाजन ने बताया कि नामांकन के समय अभ्यर्थी सहित अधिकतम पांच व्यक्तियों को रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रवेश की अनुमति होगी। कार्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि में एक अभ्यर्थी केवल तीन वाहनों के साथ प्रवेश कर सकेंगे। अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में पूर्ण भरा हुआ नामांकन–पत्र और शपथ–पत्र प्रस्तुत करेंगे, जिसमें उसके तथा उसके परिवार के सदस्यों की चल–अचल संपत्ति और स्वयं की आपराधिक पृष्ठभूमि का सम्पूर्ण ब्यौरा देना होगा। नामांकन के समय सामान्य अभ्यर्थी के लिए अमानत राशि 10 हजार रुपए तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए पांच हजार रुपये निर्धारित है। प्रत्येक प्रत्याशी के लिए चुनाव खर्च की सीमा 40 लाख रुपए है।

लापता युवक का शव बरामद

फतेहाबाद, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद पुलिस ने रतिया में लापता युवक का शव शुक्रवार को लहूलुहान हालत में फतेहाबाद रोड पर नहर के पास बरामद किया है। युवक का सिर बुरी तरह से ईंटों से कुचला हुआ था और परिजनों ने हत्या के आरोप जड़े हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है, अभी तक मामले का खुलासा नहीं हो पाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रतिया के लाली रोड निवासी आकाश (26) वेटर पार्टी में काम करता था। गुरुवार रात को वह घर से काम के लिये रवाना हुआ था। उसके बाद से रात भर वह घर नहीं आया और परिजनों उसे तलाश रहे थे। शुक्रवार सुबह फतेहाबाद रोड पर बड़ी नहर के पास युवक का शव लहूलुहान मिला तो उसकी पहचान आकाश के रूप में हुई। आकाश के भाई अजय ने बताया कि रात भर वे उसकी तलाश में जुटे थे और आज सुबह उन्होंने शव देखा कि उसका सर बुरी तरह ईंट पत्थरों से कुचला हुआ था और पास ही ईंट पत्थर पड़े थे। उन्होंने संदेह जताया कि युवक की ईंटों से सिर कुचल कर हत्या की गयी है। आकाश के चाचा ने बताया कि सात आठ दिन पहले बस्ती पीरु राम निवासी कुछ युवकों के साथ आकाश का झगड़ा हुआ था। उन्होंने संदेह जाता है कि इसी झगड़े के चलते आकाश की हत्या की गयी है। सिटी थाना प्रभारी रंजीत सिंह ने बताया कि परिजनों के बयान के आधार पर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

न्याय की प्रतिमा में बदलाव आवश्यक व स्वागत योग्य

जोधपुर, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अखिल भारतीय अधिवक्ता यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रामावतार सिंह चौधरी ने कहा है कि न्याय की प्रतिमा में तलवार की जगह संविधान का होना न्याय व्यवस्था को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण क़दम साबित होगा। श्री चौधरी ने शुक्रवार को जोधपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर में स्थित दी राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन लाइब्रेरी हॉल में न्याय की प्रतिमा में बदलावों का न्यायिक व्यवस्था में महत्व एवं प्रभाव विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के संविधान के प्रावधानों की आवश्यकता एवं व्यवहारिकता बढ़ी है, आम जनता संविधान के अनुसार न्यायालयों से न्याय की उम्मीद करती है और न्यायपालिका ऐसा कर भी रही हैं। गोष्ठी में राजस्थान उच्च न्यायालय संघ जोधपुर के महासचिव एडवोकेट मनीष टाक ने कहा कि न्याय की प्रतिमा में बदलाव समय के अनुसार आवश्यक है एवं स्वागत योग्य है, लेकिन किसी भी न्यायिक प्रकिया में बदलाव के लिए निर्धारित न्यायिक एवं प्रशासनिक प्रकिया अपनाई जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरु ग्रंथ साहिब बेअदबी मामले में राम रहीम पर लगी रोक हटाई

चंडीगढ़, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा सिरसा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम को उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी मामले में पंजाब–हरियाणा उच्च न्यायालय की लगायी गयी रोक हटा दी है।

गौरतलब है कि मार्च में पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय ने बरगाड़ी में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले में गुरमीत राम रहीम के खिलाफ तीन मामलों में पंजाब सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच पर रोक लगा दी थी। पंजाब सरकार ने इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसे शुक्रवार को उच्च न्यायालय ने पंजाब/ हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गयी रोक हटा दी है। उच्च न्यायालय ने राम रहीम को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब

देने के लिये कहा है।

बता दें कि जस्टिस बी.आर. गवई और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने पंजाब सरकार की उस याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें हाईकोर्ट द्वारा राम रहीम के ट्रायल पर रोक को चुनौती दी गई थी। दरअसल, 2021 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम ने जून और अक्टूबर 2015 के बीच श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की तीन अलग–अलग घटनाओं की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए हाईकोर्ट का रुख किया, क्योंकि पंजाब सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने राम रहीम को आरोपी बनाया था। हाईकोर्ट में डेरा प्रमुख ने पंजाब सरकार की 6 सितंबर, 2018 की अधिसूचना को चुनौती दी थी, जिसमें सरकार ने जांच को सीबीआई को सौंपने की अपनी सहमति वापस ले ली थी। अपनी याचिका में डेरा प्रमुख ने मांग की थी कि सीबीआई को बेअदबी के मामलों की जांच जारी रखने का निर्देश दिया जाए। इस साल मार्च में हाईकोर्ट ने इस याचिका को बड़ी बेंच को भेज दिया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि सीबीआई जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा दी गई सहमति को बाद में वापस लिया जा सकता है या नहीं। इसके बाद कोर्ट ने आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। जिस पर पंजाब सरकार ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

बुगाना मर्डर केस : आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ग्रामीणों ने किया रोडजाम

हिसार, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला के बुगाना गांव में शुक्रवार को पिछले दिन युवक सोनू की गोली मारकर की गयी हत्या में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये परिवार और ग्रामीणों ने नागरिक अस्पताल के चौक पर रोड जाम कर दिया।

इस दौरान जमकर प्रदर्शन किया, भीड़ को देखते हुये भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा पुलिस ने लोगों को समझने का प्रयास किया।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण अड़े रहे। बीते दिन भी परिवार वालों ने सोनू के शव का पोस्टमॉर्टम करवाने से मना कर दिया था। फिलहाल बरवाला थाना पुलिस दो लोगों को हिरासत में ले चुकी है। करीब डेढ़ घंटे रोड जाम के बाद ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रवाना हो गये। इसके बाद, प्रदर्शनकारी पैदल मार्च करते हुये हिसार के लघु सचिवालय पहुंचे, जहां उन्हें गेट पर रोक लिया गया। प्रदर्शनकारियों ने लघु सचिवालय के गेट पर बैठकर अपनी मांगों को लेकर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।

गौरतलब है कि सोनू वीरवार सुबह ही अपनी किराना की दुकान खोल कर बैठा था। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर तीन युवकों ने सोनू पर फायरिंग शुरू कर दी। कई गोलियां लगने से सोनू की मौके पर ही मौत हो गयी। इसके बाद हमलावर फरार हो गये, घटना से सनसनी फैल गयी। परिजन दुकान पर पहुंचे, तो देखा सोनू का खून से लथपथ शव दुकान के बाहर पड़ा था।सूचना देने के करीब एक घंटे बाद बरवाला थाना प्रभारी राजकुमार, सीआईडी, सीआईए एसटीएफ, एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। इससे परिजनों और ग्रामीणों में रोष फैलगया। परिजनों ने कहा जब तक आरोपियों को पकड़ नहीं लिया जाता, तब तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं करवायेंगे और न शव उठाने देंगे।

तकनीकी विकास मानवीय जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए : बंडारू

राज्यपाल दत्तात्रेय ने टेक इन्वेंट–2024 का किया उद्घाटन

चंडीगढ़, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को भारत के सबसे बड़े तकनीकी कार्यक्रम, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के वार्षिक टेक फेस्ट, टेक इन्वेंट–2024 का उद्घाटन किया। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित टेक इन्वेंट–2024 जैसे तकनीकी कार्यक्रम एक जीवंत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस तरह के टेक फेस्ट बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में उभरते रुझानों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करने में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत हर महत्वपूर्ण क्षेत्र में तकनीकी उन्नति और उन्नयन का अधिकतम लाभ उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा तक, रक्षा से लेकर कृषि तक, तकनीकी हस्तक्षेप के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल अधिक रोजगार पैदा हो रहे हैं, व्यापार बढ़ रहा है, बल्कि लोगों को अपना जीवन आसान बनाने में भी मदद मिल रही है। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि तकनीकी विकास मानवीय जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए, जो आज हमारे देश में बहुत अच्छे तरीके से हो रहा है। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हम आर्टिफिशियल लर्निंग, ऑटोमेशन, इंटेलिजेंस, मशीन रोबोटिक एज प्रोसेस कंप्यूटिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी, ब्लॉक चेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 5जी और साइबर सिक्योरिटी के उपयोग में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने छात्रों से नौकरी चाहने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनने का आग्रह करते हुए कहा कि आज भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। क्वांटम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में भारत वैश्विक मानकों से मेल खाने के लिए तैयार है। कुछ मायनों में, यह दूसरों से भी आगे है। देश भर के 1500 से अधिक शीर्ष विश्वविद्यालयों और आईआईटी, एनआईटी, आईआईआईटी और आईआईएम जैसे शैक्षणिक संस्थानों से लगभग 20 हजार पंजीकरणों के साथ, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय परिसर में दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के शानदार आयोजन में पूरे भारत से इंजीनियरिंग, प्रबंधन, जनसंचार, होटल प्रबंधन, ललित कला, कानून, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, फैशन डिजाइनिंग, औद्योगिक डिजाइन और वास्तुकला के विविध क्षेत्रों के छात्रों की प्रभावशाली उपस्थिति देखी जा रही है। राज्यसभा सदस्य और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सतनाम सिंह संधू ने कहा कि शिक्षा के तीन प्रमुख घटक हैं जिनमें पाठ्यक्रम, सह–पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियाँ शामिल हैं।

शुभ लाभ DAILY

जहरीली शराब से हुई मौतें आपदा नहीं सरकार द्वारा की गई हत्याएं हैं : सांसद

गया (एजेंसियां)। बिहार के सीवान, सारण और गोपालगंज जिलों में जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर औरंगाबाद के सांसद और राजद संसदीय दल के नेता अभय कुशवाहा ने राज्य सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने इन मौतों को 'आपदा' नहीं, बल्कि 'सरकार द्वारा की गई हत्याएं' करार दिया। सांसद कुशवाहा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि बिहार में शराबबंदी के बाद कई बार जहरीली शराब से मौतें हो चुकी हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज करती रही है।

सांसद अभय कुशवाहा ने कहा कि बिहार में शराबबंदी लागू होने के बावजूद जहरीली शराब से लगातार मौतें हो रही हैं। यह पहली बार नहीं है जब इतनी बड़ी त्रासदी हुई है, लेकिन हर बार राज्य सरकार इसे मामूली घटना की तरह टाल देती है। सरकार सिर्फ थाना प्रभारी या चौकीदार को निलंबित कर दिखावटी कार्रवाई करती है, जबकि असली जिम्मेदार उच्च अधिकारी और राज्य के शीर्ष नेतृत्व हैं, जो इस समस्या को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं।

सांसद ने कहा कि बिहार सरकार इन मौतों को आपदा बताकर मृतकों के परिवारों को चार लाख रुपये का मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना आपदा नहीं है, बल्कि सरकार की लापरवाही और कुप्रबंधन से हुई हत्याएं हैं। कुशवाहा ने मांग की कि मृतकों के परिवारों को कम से कम 50-50 लाख रुपये का मुआवजा और एक सरकारी नौकरी दी जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार को इन मौतों की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इसे केवल मुआवजे की औपचारिकता से नहीं निपटना चाहिए।

सांसद कुशवाहा ने कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी लगातार राज्य सरकार को इस मुद्दे पर आगाह करती रही है। लेकिन एनडीए के नेता हर बार जनता को भ्रमित करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव इस मामले को लेकर गंभीरता से विचार कर रहे हैं और पार्टी की नजर सरकार की हर कार्रवाई पर बनी रहेगी। कुशवाहा ने कहा कि बिहार सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं भविष्य में दोबारा न हों, और इसके लिए राज्य सरकार को जवाबदेही लेनी ही होगी।

बिहार के तीन जिलों में जहरीली शराब से अब तक 53 की मौत, 10 गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। सारण, सीवान और गोपालगंज में जहरीली शराब का कहर जारी है। अब तक तीनों जिले मिलाकर 53 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें सीवान में 39, सारण में 12 और गोपालगंज में दो लोगों की मौत हो चुकी है। 20 से अधिक लोग बीमार हैं। गुरुवार को 30 लोग अस्पताल में ठीक हो गए थे। उन्हें घर भेज दिया गया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मामले के जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने तस्करों पर कड़ी कार्रवाई का भी निर्देश दिया है। इसके बाद बिहार पुलिस के वरीय अधिकारी सीवान और सारण में कैंप कर रहे हैं।

इधर, सीवान में एसआईटी ने अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह सभी लोग शराब तस्करी के आरोपी हैं। वहीं सीवान जिला प्रशासन की मानें तो अब तक जितने शवों को पोस्टमार्टम किया गया, उनका बिसरा प्रिजर्व कर लिया गया है। इसे साइंस लेबोरेट्री में जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के अनुसार सीवान और सारण के 16 गांवों में जहरीली शराब का कहर जारी है। गुरुवार को इन दोनों जिलों में 24 और लोगों की मौत हुई। वहीं गोपालगंज में पिता-पुत्र समेत दो लोगों की मौत हुई है।

वहीं बिहार सरकार के मद्य निषेध व उत्पाद मंत्री रत्नेश सदा शराबबंदी के सवाल पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि बुड़बक जैसा बात मत कीजिए। शराब माफिया पर सीसीए लगेगा। सीएम नीतीश कुमार से इस बारे में बात करूंगा। दरअसल, पत्रकारों ने उनसे सवाल पूछा कि बिहार में सरेआम शराब बिक रही है? लोग मर रहे हैं। इस पर उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि हत्यारे के लिए मौत की सजा का प्रावधान है। सजा मिलती भी है लेकिन फिर भी हत्याएं तो होती हैं न। सारण-सीवान शराबकांड में थानेदार से लेकर चौकीदार तक पर कार्रवाई की गई है। शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि सत्ता संरक्षण में ज़हरीली शराब के कारण करीब 50 लोगों की हत्या कर दी गयी है। दर्जनों की आंखों की रोशनी चली गयी। बिहार में कथित शराबबंदी है लेकिन सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और माफिया के गठजोड़ के कारण हर चौक-चौराहों पर शराब उपलब्ध है। जहरीली शराब से, अपराध से प्रतिदिन सैकड़ों बिहारवासी मारे जाते है लेकिन अनैतिक और सिद्धांतहीन राजनीति के पुरोधा मुख्यमंत्री और उनकी किचन कैबिनेट के लिए यह सामान्य बात है।

शिक्षक हत्याकांड का 50 हजार का इनामी मुख्य आरोपी गिरफ्तार

दो महीने पहले किया था मर्डर

कोसी (एजेंसियां)। मधेपुरा पुलिस ने शिक्षक मंटूराम हत्याकांड के मुख्य आरोपी 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश दीपक शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी गुरुवार को उदाकिशुनगंज एसडीपीओ अविनाश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि कोसी क्षेत्र के डीआईजी के निर्देश पर अपराध नियंत्रण को लेकर मधेपुरा एसपी संदीप सिंह द्वारा मोस्ट वांटेड अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए, जिले में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

विषवाड़ी निवासी शिक्षक मंटूराम हत्याकांड के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई थी। टीम में उदाकिशुनगंज थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, पीटीसी धनंजय कुमार गुप्ता, भर्राही ओपी अध्यक्ष विजय कुमार पासवान एवं तकनीकी शाखा के कर्मी को शामिल किया गया था। एसडीपीओ ने बताया कि बुधवार को गुप्त सूचना मिली कि 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश दीपक शर्मा ग्वालपाड़ा थाना क्षेत्र के विषवाड़ी गांव पहुंचा हुआ है। सूचना पाकर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दीपक शर्मा को ग्वालपाड़ा थाना क्षेत्र के संथाली चौक वार्ड पांच से नाटकीय ढंग से गिरफ्तार कर लिया गया।

एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश पर उदाकिशुनगंज और ग्वालपाड़ा थाने में हत्या, एससी-एसटी एक्ट, ऑर्म्स एक्ट समेत अन्य मामले दर्ज हैं।

शिक्षक मंटूराम हत्याकांड के मुख्य आरोपी होने के बाद डीआईजी ने कुख्यात दीपक शर्मा की गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। लेकिन मंटूराम हत्याकांड के बाद से यह अपराधी लगातार पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाता था। आखिरकार, पुलिस बुधवार की शाम गिरफ्तार करने में सफल रही।

कुख्यात अपराधी विशाल सिंह को कोर्ट परिसर में मारी गोली, फायरिंग में एक अन्य कैदी भी घायल

पटना (एजेंसियां)। कुख्यात अपराधी व कैदी विशाल सिंह को गोपालगंज में अपराधियों ने गोली मार दी। गोलीबारी में एक कैदी भी घायल हो गया। विशाल सिंह की हालत गंभीर है।

दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि विशाल सिंह किसी मुकदमे की पेशी में गोपालगंज कोर्ट में आया हुआ था। हादसे में एक अन्य कैदी को गोली लगने की सूचना मिल रही है। जैसे ही गोली लगने की सूचना न्यायालय परिसर में फैली कि न्यायालय में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया।

वकील से लेकर केस की पैरवी करने आए लोग इधर-उधर भागने लगे। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। कोर्ट परिसर में पहुंची पुलिस सभी लोगों को कोर्ट परिसर से हटा रही है, लेकिन विशाल सिंह के समर्थक वहां से हटने का नाम नहीं ले रहे हैं।

वहीं दो अपराधियों के पकड़े जाने की भी सूचना मिल रही है। गोलीबारी की जानकारी मिलते ही एसपी और सदर एसडीपीओ कोर्ट परिसर में पहुंच गए हैं। हालांकि एक अन्य कैदी की भी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। विशाल सिंह पिछले चार वर्षों से जेल में बंद है। उसके ऊपर दो दर्जन से अधिक हत्या, लूट फिरौती सहित कई संगीन मामले दर्ज हैं।

दो बस और ट्रक के बीच जबरदस्त भिड़ंत

भीषण हादसे में दो महिलाओं की मौत, 12 लोग घायल

पटना (एजेंसियां)। औरंगाबाद के दाउदनगर में दाउदनगर-गया पथ पर मंडल उप कारा के पास शुक्रवार की दोपहर तीन वाहनों के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। इसमें दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि दाउदनगर से एक निजी बस तेज गति से गोह की ओर जा रही थी। इसी दौरान दाउदनगर मंडल उप कारा के पास बस की सामने से तेज गति से आ रहे दूसरे बस से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद पीछे से आ रहे तेज गति में आ रहे हाईवा ने भी बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

मरने वालों में दो महिलाएं शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर जेसीबी लाकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को खड़ा किए जाने के बाद घायलों को बस से निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही दाउदनगर थानाध्यक्ष फहीम आजाद खान एवं एसआई आरती कुमारी सदल बल मौके पर पहुंचीं और जांच में जुट गईं।

आननफानन में पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए दाउदनगर के अनुमंडल अस्पताल लाया। यहां कुछ को प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। शेष का दाउदनगर अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त करने के साथ ही मृत महिलाओं के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजा है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

दरभंगा में कपड़ा व्यवसाई हत्याकांड का खुलासा

गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को बताई चौंकाने वाली बात

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में हुई कपड़ा व्यवसाई की हत्या मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए आरोपी आनंद मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मृतक के मोबाइल को भी गोताखोरों की मदद से तालाब से निकाल लिया गया है। कमतौल डीएसपी ज्योति कुमारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि आरोपी ने बताया कि मृतक के साथ अपनी बहन को आपत्तिजनक हालत में देखा था। इस वजह से वह अपने भाई के साथ मिलकर हत्या की घटना को अंजाम दिया था।

बता दें कि 15 अक्टूबर को चमनपुर गांव में तालाब में उफनाता हुआ एक युवक का शव मिला था। उसकी पहचान दुर्गा प्रसाद गुप्ता के व्यवसाई पुत्र मनीष कुमार के रूप में हुई थी। इस मामले को लेकर मृतक के भाई में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया था, 15 अक्टूबर की रात को मनीष के मोबाइल पर किसी का फोन आने के बाद वह घर से बाइक लेकर निकला था। जब वह सुबह तक नहीं लौटा और उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिल रहा था। परिजनों ने काफी खोजबिन करने के बाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

लापता होने के दो दिनों बाद तालाब में उफनाता हुआ शव मिलने पर कपड़े से उसकी पहचान हुई थी। क्योंकि हत्यारों ने उसके चेहरे पर गम्भीर जख्म के निशान मिले थे। जबकि शव मिलने वाले स्थान से करीब 500 मीटर दूर मृतक बाइक बरामद किया गया था।

इस संबंध में कमतौल डीएसपी ज्योति कुमारी ने बताया कि कपड़ा व्यवसाई हत्याकांड का उद्भेदन कर दिया गया है। इस मामले के आरोपी आनंद मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। उसने पूछताछ में बताया कि मृतक के वह अपनी बहन के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इस वजह से वह अपने भाई के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। उन्होंने कहा कि अभी पूछताछ जारी है। इसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

रेप-भ्रष्टाचार के आरोप से चर्चित आईएएस संजीव हंस के ठिकानों पर ईडी की रेड

बाहरी लोगों की इंट्री बंद

पटना (एजेंसियां)। सीनियर आईएएस अधिकारी संजीव हंस के ठिकाने पर एक बार फिर से प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी की है। टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले को लेकर संजीवा हंस के चार ठिकानों पर रेड की है। इतना ही नहीं संजीव हंस से जुड़े लोगों के तीन-तीन अलग ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है। इस कारण संजीव हंस और करीबीयों में हड़कंप मच गया। घर के अंदर बाहर से आने वाले लोगों की इंट्री बंद कर दी गई है। ईडी के अधिकारी तलाशी ले रहे हैं।

बता दें कि कुछ माह पहले ही गैंगरेप केस के आरोपी संजीव हंस और गुलाब यादव के पटना, पुणे, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, पंजाब समेत देश के दर्जनभर ठिकानों पर छापेमारी की थी। ईडी ने दोनों के खिलाफ पीएमएलए के तहत पहले से ही केस दर्ज कर रखा है।

तीन माह पहले आईएएस अधिकारी संजीव हंस और राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व एमएलए गुलाब यादव केस में नया मोड़ तब आया था प्रवर्तन निदेशालय (ए) ने केस करने वाली महिला को पूछताछ के लिए बुलाया था।

ईडी की टीम ने महिला को इसके लिए नोटिस भी भेज दिया था। उन्हें पटना स्थित ईडी कार्यालय में आकर अधिकारियों के सवालों का जवाब देना था। ईडी के अनुसार, आईएएस अधिकारी संजीव हंस और राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला से पूछताछ हुई। ताकि इस केस में सारे जानकारी स्पष्ट हो सके।

मुंगेर में झील में उतराता मिला युवक का शव

मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर झील के दक्षिणी छोर पर शुक्रवार को एक युवक का शव पानी में उतराता हुआ मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। थानाध्यक्ष सुरेंद्र मिश्रा और उनकी टीम ने शव को अपने कब्जे में लिया और पहचान की कोशिश में जुट गए। शव की पहचान छोटकी फुलवरिया गांव निवासी वीरेंद्र किस्कू के बेटे सिकंदर किस्कू (35) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, मृतक सिकंदर किस्कू 12 तारीख की रात से लापता था। परिजनों ने कई दिनों तक उसे ढूंढने की कोशिश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सिकंदर के भाई कुंदन किस्कू ने बताया कि उनका भाई मानसिक रूप से बीमार था और उसका इलाज पटना में चल रहा था। शव मिलने के बाद, उन्होंने थाने में आकर पुलिस द्वारा ली गई तस्वीरों से सिकंदर की पहचान की।

पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में हिंसा या संघर्ष के कोई निशान नहीं मिले हैं, लेकिन पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। बताया जा रहा है कि सिकंदर मजदूरी करता था और उसके चार बच्चे हैं, जिनमें तीन बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। पुलिस इस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

गिरिराज सिंह लोकतंत्र को नहीं मान रहे, इसलिए निकाल रहे हिंदू जागरण यात्रा : आनंद मोहन

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के कद्दावर हिंदूवादी नेता गिरिराज सिंह के हिंदू जागरण यात्रा पर पूर्व सांसद आनंद मोहन ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा, उनकी यह यात्रा आपसी सौहार्द को खराब करने वाला है। इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज के द्वारा हिंदुओं को एकजुट करने को लेकर हिंदू जागरण यात्रा निकाला जा रहा है।

बता दें कि मुजफ्फरपुर जिले के एक प्रतिष्ठान के उद्घाटन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पूर्व सांसद आनंद मोहन ने बड़ा बयान देते हुए कहा, अगर हिंदुओं को एक करना हो और हिंदू जागरण यात्रा निकालनी हो तो निकालें और एक करें। किंतु किसी दूसरे समुदाय के मोहल्ले से होकर क्यों निकाल रहे हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह जब शपथ लिए थे तो क्या किसी धर्म विशेष को ही बढ़ावा देने के लिए थे। वो ऐसे में उन्हें इस पर विचार करने चाहिए और इस तरह की यात्रा कुछ और नहीं, बल्कि समुदाय विशेष के नाम पर लोगों के बीच आपसी वैमनस्यता को पैदा करने वाला है। इस दौरान में पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा, गिरिराज सिंह का यह कदम बिल्कुल भी देश की गणराज्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था को आघात पहुंचाने वाला है। ऐसे जागरण यात्रा से दो समुदाय में विवाद बढ़ता है और तनाव भी इसके कारण दंगा बढ़ सकता है। राज्य सरकार को इस दिशा में कार्य करते हुए इस तरह की हिंदू जागरण यात्रा पर रोक लगा देनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com